THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 128 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.10 2083 शनिवार, 8 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत आने वाले 62 जहाज होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकले : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को संसद को बताया कि खाड़ी क्षेत्र से 4,052 नाविकों को वापस लाया गया है और 3 अगस्त तक भारत आने वाले 62 जहाज होर्मुज स्ट्रेट से सफलतापूर्वक गुजर चुके हैं। इनमें से 23 भारतीय ध्वज वाले और 39 विदेशी ध्वज वाले जहाज थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बदलती समुद्री सुरक्षा स्थिति को देखते हुए, समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए) मध्य पूर्व संघर्ष के बीच भारतीय नाविकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए लगातार अपनी एडवायजरी अपडेट करता रहता है।

संसद में विपक्ष का प्रदर्शन, दोनों सदन सोमवार तक स्थगित

लोकसभा से एमएसएमई संशोधन बिल पास

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को भी संसद परिसर में तेज बारिश के बीच राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) एसएमई विधेयक 2026 ध्वनिमत से पास हुआ। दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने 'अमित शाह सदन में आओ' के नारे लगाए। इस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि शाह सुबह से रात तक संसद में ही रहते हैं। उन्होंने लोकसभा में कहा कि अमित शाह का नाम सुनते ही आतंकी कांप उठते हैं। इसी बीच कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को 10 से 12 अगस्त तक संसद में मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है।

*** मोदी ने टीएमसी-उद्धव गुट के बागी सांसदों से मुलाकात की**

45 सांसदों के साथ मीटिंग

> उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं, हम सब साथ हैं

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र में जारी हंगामे के बीच पीएम मोदी ने एनडीए के नए लोकसभा सांसदों के साथ शुक्रवार को ब्रेकफास्ट मीटिंग की। यह बैठक पीएम आवास में हुई। इसमें करीब 45 सांसद शामिल हुए।

जिनमें टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसद भी थे। ममता की पार्टी टीएमसी का साथ छोड़कर 20 बागी सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए थे। वहीं शिवसेना (उद्धव गुट) के 6 सांसद भी शिंदे गुट के साथ आ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम ने सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए एक परिवार है। हम सहयोगी दलों के साथ हैं। हर व्यक्ति का सम्मान किया जाएगा। मैं एनडीए के हर सांसद के साथ खड़ा हूं। आपको किसी के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

संसद लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है। यहां चर्चा होनी चाहिए और कार्यवाही सुचारु रूप से चलनी चाहिए। लगातार हंगामे की वजह से नए सांसदों को बोलने का मौका नहीं मिल रहा, जो उनके साथ अन्याय है। नए सांसद इतिहास को पढ़ें, तैयारी के साथ बहस करें और अपने राज्य व क्षेत्र के विकास पर ध्यान दें। सांसदों से कहा कि अपने क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से संपर्क करें। गरीबों, मजदूरों और किसानों से मिलकर उनकी समस्याएं समझें और उनके समाधान के लिए काम करें। ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले टीएमसी के 20 बागी सांसद लोकसभा में अलग बैठ रहे हैं। 15 जून को तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) से विलय कर लिया था। वहीं 22 जून को उद्धव का साथ छोड़कर 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। ये सांसद भी अब शिंदे गुट के साथ संसद में बैठ रहें हें। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हुआ था जो 13 अगस्त तक चलेगा। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में 22 जून को फिर बगावत हुई थी।

केंद्र का हलफनामा : एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू नहीं

* सुप्रीम कोर्ट से कहा-यह सिद्धांत सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी पर लागू * याचिकाएं खारिज की जाए

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं होता। सरकार ने उन जनहित याचिकाओं (पीआईएल) का विरोध किया है, जिनमें एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने और सरकारी नौकरियों में अधिक न्यायसंगत आरक्षण नीति बनाने की मांग की गई है।

केंद्र ने कहा कि याचिकाओं में संविधान के तहत किसी मौलिक अधिकार के उल्लंघन का जिक्र नहीं है। साथ ही, मौजूदा कानून में कहीं भी यह प्रावधान नहीं है कि क्रीमी लेयर का नियम एससी-एसटी पर लागू होता है। सरकार के मुताबिक, यह अवधारणा सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी आरक्षण से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 11 अगस्त को रमाशंकर प्रजापति और अन्य की जनहित याचिकाओं पर केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया था। याचिका में कहा गया कि अगर किसी एससी-एसटी परिवार का सदस्य पहले ही संवैधानिक या वरिष्ठ सरकारी पद हासिल कर चुका है, तो उसके बच्चों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इससे आरक्षण का फायदा आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों तक ज्यादा समान रूप से पहुंच सकेगा। याचिकाकर्ताओं ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को उप-श्रेणी (सब-कैटेगरी) बनाकर उन्हें प्रवेश और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देने की भी मांग की है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि एसटी और एसटी की सूची में किसी भी तरह का बदलाव केवल संसद ही कर सकती है। >14

व्हाट्सएप मैलवेयर हमले से 10,000 से अधिक भारतीयों को बचाया गया : सरकार

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की समन्वित कार्रवाई के जरिए व्हाट्सऐप अकाउंट हैक करने वाले एक बड़े मैलवेयर अभियान से 10,000 से अधिक भारतीयों को सुरक्षित बचाया गया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने कहा कि सहयोग पोर्टल के माध्यम से कमांड एंड कंट्रोल (सी2) सर्वरों को जियो-ब्लॉक करने सहित कई कदम उठाए गए, जिससे इस साइबर हमले के प्रभाव को रोका जा सका। गृह मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर हाल के दिनों में व्हाट्सऐप अकाउंट टेकओवर से जुड़ी शिकायतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। ये हमले ऐसे मैलवेयर के जरिए किए जा रहे हैं, जिन्हें अकाउंट स्टेटमेंट या किसी सरकारी नियामक संस्था के आधिकारिक दस्तावेज के रूप में छिपाकर भेजा जाता है। मंत्रालय ने कहा, इन समन्वित प्रयासों के माध्यम से अब तक 10,000 से अधिक भारतीयों को इस साइबर अभियान से सुरक्षित किया गया है। >14

बांग्लादेश के आरोपों पर भारत का जवाब

हसीना के मीडिया संबोधन पर एमईए बोला-सरकार का कोई रोल नहीं

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में हुए एक वर्चुअल मीडिया कार्यक्रम के बाद दोनों देशों के बीच नया राजनयिक विवाद खड़ा हो गया है।

भारत आने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से बोलते हुए शेख हसीना ने बांग्लादेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर कई तीखे बयान दिए। इसके बाद ढाका ने भारत के सामने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। विवाद बढ़ने पर भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस कार्यक्रम से भारत सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह एक निजी मीडिया संस्थान की ओर से आयोजित कार्यक्रम था। इसमें भारत सरकार की कोई भूमिका नहीं थी और न ही सरकार इस मंच से दिए गए किसी बयान का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के खिलाफ दिए गए विचार भारत सरकार के नहीं हैं। अपने वर्चुअल संबोधन में शेख हसीना ने कहा कि वह इस साल दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की योजना बना रही हैं।

उन्होंने कहा कि जेल या मौत का डर उन्हें अपने देश वापस जाने से नहीं रोक सकता। उन्होंने 2024 के आंदोलन को सुनियोजित साजिश बताया और लोकतंत्र की बहाली का दावा किया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की धरती का इस्तेमाल उनके देश के खिलाफ राजनीतिक बयानबाजी के लिए नहीं होना चाहिए।

राहुल ने कार की टंकी खोली, ई20-पेट्रोल पर सवाल उठाए

ये कार-स्कूटर खराब कर रहा; दाल में काला नहीं, पूरी दाल ही काली

नई दिल्ली , 7 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को X पर एक वीडियो पोस्ट कर ई20-पेट्रोल पर सवाल उठाए। राहुल ने करीब 53 सेकेंड का वीडियो जारी किया। वीडियो में राहुल कार की पेट्रोल टंकी खोलते नजर आए। ढक्कर उठाकर अंदर झांका और कहा कि नॉर्मली हम कहते हैं कि दाल में कुछ काला है लेकिन यहां पूरी दाल ही काली है। इस समय देश में करप्शन की लाइन लगी है।

उनमें से एक ई20 ईंधन का मामला है। इसके चलते लोगों की कार और स्कूटर खराब हो रहे हैं। हम इस मुद्दे को उठाएंगे। राहुल के सोशल मीडिया पोस्ट से पहले केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को दिल्ली में कहा कि भारत का बायोफ्यूल ब्लेंडिंग प्रोग्राम बहुत अच्छा काम कर रहा है। नतीजे काफी बेहतर रहे हैं। कुछ लोग ई20 को लेकर बेवजह विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उधर केंद्र सरकार ने कहा है कि पेट्रोल में मिलाया जाने वाला एथेनॉल पूरी तरह घरेलू स्रोतों से लिया जा रहा है।

नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामला

छात्रों की एंट्री से होटल तक, सीबीआई चार्जशीट में सामने आई सच्चाई

> सोसायटी एप बना अहम सबूत

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सीबीआई ने नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दाखिल चार्जशीट में कई डिजिटल और फोरेंसिक सबूतों का जिक्र किया है। इनमें पुणे की एक रिहायशी सोसायटी के एंट्री मैनेजमेंट एप का रिकॉर्ड भी शामिल है। इसी सोसायटी में एनटीए के केमिस्ट्री विषय के विशेषज्ञ और आरोपी पीवी कुलकर्णी रहते थे।

सीबीआई ने 28 जुलाई को विशेष अदालत में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। अधिकारियों के मुताबिक, सोसायटी के एप से मिले रिकॉर्ड में उन छात्रों की बायोमेट्रिक एंट्री भी शामिल है, जो कुलकर्णी की ओर से अप्रैल में आयोजित विशेष कोचिंग कक्षाओं में आते थे। सीबीआई ने एप के रिकॉर्ड के जरिए छात्रों और उनके अभिभावकों की सोसाइटी में मौजूदगी की पुष्टि की। ये लोग नीट यूजी परीक्षा से कुछ दिन पहले अप्रैल में कुलकर्णी की सोसाइटी में आए थे। एजेंसी ने इन रिकॉर्ड को छात्रों के मोबाइल फोन के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और लोकेशन विश्लेषण से भी मिलाया। नीट यूजी परीक्षा 3 मई को आयोजित हुई थी। एजेंसी का आरोप है कि इन लोगों ने एनटीए की परीक्षा प्रक्रिया में मौजूद खामियों का फायदा उठाकर गोपनीय सवाल हासिल किए और उन्हें पैसे लेकर आगे पहुंचाया। सीबीआई के अनुसार, ब्यूटीशियन मनीषा संजय वाघमारे ने कुलकर्णी और मंधारे की अप्रैल में हुई विशेष कोचिंग कक्षाओं में छात्रों को भेजा था। वहां छात्रों की कॉपियों में विशेषज्ञों की ओर से बताए गए सवाल लिखे गए थे। कुछ सवालों को 'महत्वपूर्ण' और 'बहुत महत्वपूर्ण' के तौर पर चिह्नित किया गया था। एजेंसी के मुताबिक, यही सामग्री बाद में राजस्थान और हरियाणा तक छात्रों और बिचौलियों की एक श्रृंखला के जरिए पहुंचाई गई। सीबीआई ने हवलदार की भूमिका का भी जिक्र किया है। आरोप है कि मंधारे के कहने पर उन्होंने एक अभ्यर्थी की मां को फिजिक्स के 68 सवालों वाले 16 पन्ने उपलब्ध कराए।

अमित शाह ने ओम बिरला से की मुलाकात

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र लगातार हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। विपक्ष छात्र प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चंदा चोरी के कथित मामले को लेकर सरकार को घेर रहा है। इसी बीच शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। संसद में जारी गतिरोध के बीच हुई इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि बैठक के बाद दोनों पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कार्यालय में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने करीब एक घंटे तक बैठक की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब लोकसभा की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। विपक्ष की मांग है कि छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई पर गृह मंत्री सदन में जवाब दें। संसद में गतिरोध खत्म करने की संभावनाओं के बीच इस बैठक पर सभी की नजरें टिकी रहीं।

विपक्ष का कहना है कि 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई पर सदन में चर्चा होनी चाहिए।

पूर्व जज यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और अदालत की निगरानी में जांच कराने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि इस तरह की याचिकाओं के जरिए न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग किया जा रहा है। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने अधिवक्ता घनश्याम उपाध्याय की याचिका पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता का कहना था कि यशवंत वर्मा के इस्तीफा देने से उनके खिलाफ कथित अवैध नकदी रखने के मामले में आपराधिक कार्रवाई खत्म नहीं हो जाती। उन्होंने अदालत को बताया कि इस बार उन्होंने पहले से शिकायत भी दर्ज कराई है।

'रोज आते हैं और देर रात तक रुकते हैं'

शाह को सदन में बुलाने की मांग कर रहे विपक्ष को रिजिजू का जवाब

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। विपक्ष लगातार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संसद में आने और उन पर लगे आरोपों का जवाब देने की मांग कर रहा है। विपक्ष नारे लगा रहा है- अमित शाह सदन में आओ।

विपक्ष का आरोप है कि दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर नीट छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान ज्यादा ताकत का इस्तेमाल किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने इस मामले में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। विपक्ष सदन में शाह की मौजूदगी की मांग कर रहा है और इस वजह से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बाधित हुई है। शुक्रवार को भी ऐसा ही हुआ और दोनों सदनों की कार्रवाई को वीकेंड तक के लिए स्थगित कर दिया गया हालांकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का कहना है कि शाह लगातार संसद आ रहे हैं। गुरुवार को अमित शाह ने डीएमके के सांसद पी. विल्सन सहित ईसाई नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और एफसीआरए विधेयक को लेकर उनकी चिंताओं को सुना। रिजिजू शुक्रवार को अमित शाह के बचाव में उतरे और विपक्षी सांसदों से कहा कि वे केंद्रीय मंत्री का कार्यक्रम तय नहीं कर सकते और ना ही उनसे इसे लेकर जवाब मांग सकते हैं। उन्होंने कहा कि शाह हर दिन संसद आते हैं और देर रात तक रुकते हैं। उन्होंने सांसदों के प्रदर्शन को 'ड्रामा' बताया और इसे बंद करने की अपील की। रिजिजू ने कहा कि वे सदन की कार्वाई को बाधित न करें। शुक्रवार सुबह जब राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्षी सांसदों ने शाह के सदन में आने की मांग को लेकर फिर से नारेबाजी की और ऐसा ही लोकसभा में हुआ। इस दौरान रिजिजू भी सदन में मौजूद थे। जब दोनों सदनों की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया तो रिजिजू और शाह की मुलाकात संसद परिसर में ही हुई।

अमृतसर पुलिस को सफलता पांच किलो 28 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अमृतसर जिला देहात पुलिस और बीएसएफ ने संयुक अभियान के दौरान नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पांच किलो 28 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 35 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार यह हाल के दिनों में हुई बड़ी बरामदगियों में शामिल है। थाना घरिंडा में आरोपी के खिलाफ केस दायर किया गया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है कि हेरोइन को किन इलाकों में सप्लाई किया जाना था। जांच के दौरान नशे के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की ओर से नशा तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

मोदी से मिलने दिल्ली पहुंचे सुखबीर बादल

संसद भवन में हुई मुलाकात ; केजरीवाल ने कसा तंज

चंडीगढ़, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब की राजनीति में शुक्रवार को उस समय अचानक हलचल तेज हो गई जब शिरोमणि अकाली दल (बादल) के प्रधान सुखबीर सिंह बादल ने संसद भवन पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात को पंजाब की सियासत में अहम घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। मुलाकात के बाद सबसे ज्यादा चर्चा 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर शुरू हुई है। राजनीतिक गलियारों में सवाल उठने लगा है कि क्या कभी पुराने सहयोगी रहे अकाली दल और भाजपा एक बार फिर चुनावी गठबंधन की राह पर लौट सकते हैं?

अकाली दल और भाजपा लंबे समय तक पंजाब में गठबंधन सहयोगी रहे हैं। कृषि कानूनों पर किसानों के आंदोलन के बाद दोनों दलों की राहें अलग हुई थी। 2022 का विधानसभा चुनाव दोनों गुटों ने अलग-अलग लड़ा था। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में भी दोनों के रास्ते अलग रहे। ऐसे में मोदी और सुखबीर बादल की मुलाकात को आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

पंजाब में 2027 का चुनाव आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल के बीच बहुकोणीय मुकाबले की तस्वीर पेश कर सकता है। भाजपा और अकाली दल के बीच संभावित तालमेल चुनावी गणित को प्रभावित कर सकता है।

ग्रामीण और शहरी पंजाब में दोनों दलों के अलग-अलग प्रभाव क्षेत्रों को देखते हुए गठबंधन की स्थिति में मुकाबले के समीकरण बदल सकते हैं।

हालांकि, दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद गठबंधन को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि बैठक में पंजाब के राजनीतिक हालात के अलावा 2027 के चुनाव को लेकर कोई ठोस चर्चा हुई या नहीं। फिर भी इस मुलाकात ने पंजाब की सियासत में एक महत्वपूर्ण सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि क्या 2027 के चुनाव से पहले अकाली दल और भाजपा एक बार फिर साथ आएंगे।

आने वाले महीनों में दोनों दलों के बीच बढ़ती राजनीतिक नजदीकियां इस सवाल का जवाब तय कर सकती हैं। वहीं इस बैठक पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तंज कसा है। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा- ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे। तो क्या चन्दा चोर पार्टी और बेअदबी पार्टी का गठबंधन हो रहा है?

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर संदिग्ध स्कॉर्पियो ने तोड़ी नाकाबंदी, पुलिस ने की तीन राउंड फायरिंग; चालक फरार

जम्मू, 7 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार तड़के एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन ने सुरक्षा जांच से बचने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उसे रोकने के लिए फायरिंग की। हालांकि चालक वाहन लेकर मौके से फरार होने में सफल रहा लेकिन कुछ दूरी पर गाड़ी छोड़कर भाग निकला। इसके बाद पूरे इलाके में बड़े स्तर पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार घटना सुबह करीब 3:30 बजे रामबन जिले के चंदरकोट सुरक्षा नाके पर हुई। श्रीनगर से जम्मू की ओर आ रही स्कॉर्पियो को पुलिस ने जांच के लिए रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने वाहन रोकने के बजाय तेज रफ्तार से आगे बढ़ा दिया। वाहन को रोकने के लिए पुलिस ने तीन राउंड फायरिंग की लेकिन चालक नाशरी की ओर भाग निकला। घटना की सूचना मिलते ही जिला पुलिस, सीआरपीएफ और भारतीय सेना ने संयुक्त रूप से इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया।

गृह मंत्री वंगलापुडी अनीता का आरोप

जगन अपने सार्वजनिक दौरों से राजनीतिक अशांति फैला रहे हैं

अमरावती, 7 अगस्त (एजेंसियां)। टीडीपी के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन सरकार विकास और सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है, यह दोहराते हुए गृह मंत्री वंगलापुडी अनीता ने वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर आरोप लगाया कि वे प्रभावित समूहों के साथ एकजुटता दिखाने के बहाने अपने सार्वजनिक दौरों के दौरान राजनीतिक अशांति फैला रहे हैं। अमरावती में सचिवालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अनीता ने कहा कि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू 75 साल से अधिक उम्र के होने के बावजूद राज्य में निवेश, उद्योगों और रोजगार के अवसर लाने के लिए दिन में लगभग 18 घंटे काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और मंत्री नारा लोकेश भी राज्य के विकास और आर्थिक प्रगति की दिशा में काम कर रहे हैं।गृह मंत्री ने कहा कि विपक्ष को विरोध प्रदर्शन करने का पूरा लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन किसी को भी सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने या पुलिस को अपना कर्तव्य निभाने से रोकने का अधिकार नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि जगन के किसानों और अन्य प्रभावित समूहों के दौरों के बाद बार-बार तनाव और हिंसा की घटनाएं क्यों होती हैं, और उन्होंने मिर्च, तंबाकू और आम के किसानों से जुड़े हालिया कार्यक्रमों का जिक्र किया। अनीता ने ईगल (गरुड़) प्रवर्तन प्रणाली के माध्यम से गांजा और नशीले पदार्थों के खिलाफ सरकार के अभियान पर भी प्रकाश डाला और कहा कि युवाओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से बचाना सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

उन्होंने राजनीतिक नेताओं से आग्रह किया कि वे आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे व्यक्तियों का महिमामंडन न करें।'रेड बुक संविधान' के आरोपों को खारिज करते हुए अनीता ने जोर देकर कहा कि राज्य का शासन सख्ती से भारत के संविधान के तहत चलाया जा रहा है और कानून सत्ताधारी और विपक्षी दोनों नेताओं पर समान रूप से लागू होता है।

जेन जी पर सियासत?

'युवाओं को आपसे प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं' मोहन भागवत के कार्यक्रम के बाद बोलीं प्रियंका

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधा। उन्होंने भागवत की जेन जी और जेन अल्फा के साथ हुई बातचीत के बाद कहा कि देश के युवाओं को उनसे किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। संसद परिसर के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा, 'उन्हें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जी से प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है।

'उनकी ये टिप्पणी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा मुंबई के नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) में आयोजित एक सत्र के दौरान जेन जेड और जेन अल्फा के साथ बातचीत करने के एक दिन बाद आई है। इससे पहले दिन में, कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स के एक पोस्ट में लिखा, 'आरएसएस और भाजपा अपनी शब्दावली को तेजी से अपडेट कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, इससे उनकी विचारधारा नहीं बदलेगी। सच्चाई वही है - लोगों को बांटना, युवाओं को गुमराह करना और नफरत को नए रूप में पेश करना।

संघ वही है, बस उसकी भाषा बदल गई है।' इसके अलावा, समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद राम गोपाल यादव ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की जेनरेशन जी और जेनरेशन अल्फा के साथ बातचीत को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी जब भी खुद को 'पूरी तरह से घिरी हुई पाती है, तब आरएसएस की ओर रुख करती है। पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा, 'चूंकि भाजपा सरकार को जेनरेशन जेड से चुनौती मिल रही है, तो क्या उन्हें स्थिति संभालने के लिए मोहन भागवत को भेजना चाहिए? जब भी वे खुद को पूरी तरह से घिरा हुआ पाते हैं, तो वे उनकी ओर रुख करते हैं, उनसे समाधान खोजने या उनकी ओर से बोलने के लिए कहते हैं।'

राहुल गांधी के आवास के बाहर महिला का विरोध प्रदर्शन

बोली- टिकट के बदले पैसे मांगे, हमें बेवकूफ बनाया

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आवास के बाहर शुक्रवार को एक महिला ने अपने बच्चों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। महिला का आरोप है कि विधानसभा चुनाव का टिकट दिलवाने के नाम पर उनसे पैसे लिए गए थे। प्रदर्शन करने वाली महिला का नाम सुचित्रा देवी है।

उन्होंने कहा, मेरा नाम सुचित्रा देवी है और बावल विधानसभा टिकट को लेकर उन्होंने हमसे पैसे मांगे। उन्होंने टिकट के बदले पैसे मांगे और हमें बेवकूफ बनाया।

हमने उन्हें पैसे दिए थे। सुचित्रा देवी ने आरोप लगाया कि पैसे कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी के करीबी सहयोगियों ने लिए। उन्होंने कहा, उन्होंने हमारा पैसा ले लिया और उम्मीद करते हैं कि हम चुपचाप चले जाएं?

हमें सिर्फ अपना पैसा वापस चाहिए। हमने केसी वेणुगोपाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है, लेकिन पिछले पांच महीने में पुलिस प्रशासन ने एक भी कदम नहीं उठाया। हम अपना पैसा वापस लेने के लिए अपने बच्चों के साथ यहां आए हैं।

हमने विधानसभा चुनाव के टिकट के लिए 10 जनपथ पर पैसे दिए थे। सुचित्रा देवी ने कहा, मैं यहां शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट करने आई हूं, कोई दंगा फसाद करने नहीं आई हूं। विरोध के बाद दिल्ली पुलिस ने महिला और उसके बच्चों को मौके से हिरासत में ले लिया। अभी इस मामले में कांग्रेस पार्टी या संबंधित नेताओं की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि बावल विधानसभा सीट (निर्वाचन क्षेत्र संख्या 72) हरियाणा के रेवाड़ी जिले में स्थित एक प्रमुख अनुसूचित जाति (एससी) आरक्षित विधानसभा क्षेत्र है।

यह क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच 48) के पास स्थित होने के कारण एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र भी है।

सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच मामले में महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हेट स्पीच मामले में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की सुनवाई करने से इनकार कर दिया। टीएमसी सांसद ने याचिका में पुलिस के सामने वर्चुअली पेश होने की इजाजत मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट में महुआ मोइत्रा के वकील ने कहा कि एक फेसबुक पोस्ट के कारण उनके (महुआ मोइत्रा) खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। वकील ने कहा कि उन्हें वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जांच अधिकारी के सामने पेश होने की इजाजत दी जानी चाहिए। हालांकि, कोर्ट ने महुआ मोइत्रा की इस मांग पर सवाल उठाया। कोर्ट ने पूछा, वर्चुअली क्यों? क्या इसलिए कि आप सांसद हैं?

महुआ मोइत्रा के वकील ने कहा कि उन्हें (महुआ मोइत्रा) डर है कि अगर वह पुलिस के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश होती हैं, तो भीड़ उन पर हमला कर सकती है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने महुआ मोइत्रा की इस चिंता को भी खारिज कर दिया कि पुलिस स्टेशन जाने पर उन पर अंडे फेंके जा सकते हैं। जस्टिस दत्ता ने कहा, आप सांसद हैं? राजनीति में आने के बाद भी आपको अंडों से डर लगता है? जबकि हमारे आजादी की लड़ाई लड़ने वालों ने अपनी छाती पर गोलियां खाई थीं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह की याचिका दाखिल नहीं की जानी चाहिए थी। इसके बाद महुआ मोइत्रा के वकील ने याचिका वापस लेने का अनुरोध किया। नतीजतन, याचिका को वापस ली गई मानकर खारिज कर दिया गया। बता दें कि महुआ मोइत्रा के खिलाफ नादिया के हागलबेरिया पुलिस स्टेशन में भड़काऊ भाषण और धार्मिक भावनाएं आहत करने का मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, कलकत्ता हाईकोर्ट ने महुआ के खिलाफ 5 अक्टूबर तक किसी भी कार्वाई पर रोक लगाते हुए उन्हें 14 अगस्त को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है।

रेप केस में आसाराम के बेटे नारायण साईं को राहत नहीं सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाई कोर्ट के पास भेजा मामला

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। रेप केस में आसाराम के बेटे नारायण साईं को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट ने नारायण साईं की याचिका पर सुनवाई से इंकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट के पास मामला वापस भेज दिया। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट से कहा कि 3 महीने की भीतर नारायण साईं की अपील पर फैसला करे। नारायण साईं ने गुजरात हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने 2013 के रेप केस में उम्रकैद की सजा पर रोक लगाने और जमानत देने से इंकार किया था।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने सुनवाई से इंकार कर दिया। आज नारायण साईं के वकील एन हरिहरण ने कहा मैंने अपील के जल्द निपटारे के लिए अर्जी दी है। हाईकोर्ट इसे स्वीकार नहीं कर रहा है, इसके लिए 12 साल बीत चुके हैं। उन्होंने कहा कि पहली नजर में तो अपराध भी साबित नहीं होता।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखें और दलील दें। हम हाई कोर्ट से ऐसा करने के लिए कहेंगे। हरिहरण ने कहा कि कृपया अपील की तारीख तय करें। इस कोर्ट का निर्देश था कि सजा पर रोक के मामले में मेरिट के आधार पर हमारी बात सुनी जाए, लेकिन हमारी बात नहीं सुनी गई।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील विवादित आदेश में की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जता रहे हैं। उनका कहना है कि याचिकाकर्ता अपील लड़ने के लिए हमेशा तैयार और इच्छुक है। हम इस मुद्दे पर गहराई से नहीं जाना चाहते क्योंकि प्रतिवादी भी जल्द निपटारे के लिए तैयार है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए हम हाई कोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह 3 महीने के भीतर अपील का निपटारा करने का प्रयास करें।

डॉक्टर पर हमले के आरोपी शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे को मिली जमानत, महाराष्ट्र आने पर लगा बैन

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डोंबिवली में एक महिला डॉक्टर और अस्पताल कर्मचारियों पर हमला करने के आरोपी शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे और अन्य दूसरे आरोपियों को बॉम्बे हाई कोर्ट ने सशर्त जमानत दे दी है। कोर्ट ने जमानत इस शर्त पर दी है कि आरोपी रमेश म्हात्रे गोवा के एक रिजॉर्ट में रहना होगा, जिसका पता कोर्ट को बताया गया है, उन्हें अंजुना पुलिस स्टेशन में हफ्ते के तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को हॉजिरी दर्ज करानी होगी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत के साथ निर्देश दिया है कि किसी भी आरोपी को गवाहों को सीधे या परोक्ष रूप से प्रभावित करने या पीड़ित डॉक्टरों से संपर्क करने की कोशिश नहीं करनी है।

अदालत ने म्हात्रे को महाराष्ट्र से दूर रहने का आदेश दिया है। सभी आरोपियों को मजिस्ट्रेट के सामने अपना पासपोर्ट जमा करना होगा। इसके अलावा आरोपियों को जांच और मुकदमे के दौरान कल्याण-डोंबिवली और ठाणे जिले की सीमाओं में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। डॉक्टरों की सुरक्षा को देखते हुए इस मामले का मुकदमा फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चलाया जाएगा। अदालत ने रमेश म्हात्रे को मुकदमे की सुनवाई लंबित रहने तक राज्य से बाहर उत्तरी गोवा के बागा-कलंगुट में टिटो लेन के पास स्थित एक 'नजरी रिसॉर्ट एंड लॉन्स' में रहने का आदेश दिया है। दरअसल, यह मामला 6 जुलाई का है, जब कल्याण-डोंबिवली नगर निगम में आने वाले शास्त्री नगर अस्पताल में एक नवजात शिशु को भर्ती कराया गया था, जिसे तुरंत एनआईसीयू बेड की जरूरत थी, लेकिन अस्पताल में बेड खाली नहीं होने की वजह से डॉक्टरों ने में एक नवजात शिशु को भर्ती कराया गया था, जिसे तुरंत एनआईसीयू बेड की जरूरत थी।

आरोप है कि रमेश म्हात्रे ने अपने साथियों के साथ मिलकर ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के साथ गाली-गलौज की और उन पर लात-घूंसों, कुर्सियों और फाइलों से जानलेवा हमला कर दिया।

एचसी का राहत से इंकार

एमबीबीएस, बीडीएस काउंसलिंग पर सरकारी आदेश के ख़िलाफ़ पीआईएल में कोई राहत नहीं

विजयवाड़ा, 7 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने सरकारी आदेश (जीओ) 102 को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) में अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। इस आदेश में एक नई व्यवस्था शुरू की गई थी, जिसके तहत उम्मीदवार एमबीबीएस, बीडीएस एडमिशन काउंसलिंग के हर चरण से पहले वेब ऑप्शन चुन सकते हैं। चीफ जस्टिस लिसा गिल और जस्टिस चल्ला गुना रंजन की डिवीजन बेंच ने काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

बेंच ने कहा कि किसी भी प्रभावित छात्र ने इस बदली हुई प्रक्रिया से नुकसान होने की बात कहते हुए कोर्ट का दरवाज़ा नहीं खटखटाया है। काउंसलिंग जल्द ही शुरू होने वाली है, इसलिए बेंच ने माना कि इस चरण में कोई अंतरिम दखल ज़रूरी नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने मेडिकल और स्वास्थ्य विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिवों, डॉ. एनटीआर हेल्थ यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर और रजिस्ट्रार, और नीट-यूजी एडमिशन के लिए सक्षम अधिकारी को नोटिस जारी किए। कोर्ट ने उन्हें विस्तृत जवाबी हलफ़नामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

बेंच ने यूनिवर्सिटी अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे काउंसलिंग प्रक्रिया में हुए उन बदलावों के बारे में बताएं जो काउंसलिंग के हर दौर से पहले वेब ऑप्शन लेने की नई नीति के कारण हुए हैं। यह पीआईएल बीसीवाईपी के अध्यक्ष बोडे रामचंद्र यादव ने दायर की थी। उनका तर्क था कि नई व्यवस्था ने जीओ 151 के तहत शुरू की गई पुरानी सिंगल वेब-ऑप्शन प्रक्रिया की जगह ली है, और यह बदलाव बिना पर्याप्त अध्ययन के किया गया है। इससे मेरिट वाले आरक्षित श्रेणी के छात्रों के लिए ओपन-कैटेगरी की सीटें हासिल करने के मौके कम हो सकते हैं।

डॉ. एनटीआर हेल्थ यूनिवर्सिटी के वकील ने बदली हुई नीति का बचाव करते हुए कहा कि इसे मेरिट-आधारित एडमिशन से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए शुरू किया गया था। मामले की अगली सुनवाई के लिए इसे स्थगित कर दिया गया है।

3 घंटे में पोस्ट हटाने वाले नए नियम पर केजरीवाल ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

बोले- यह कानून आवाज दबाएगा

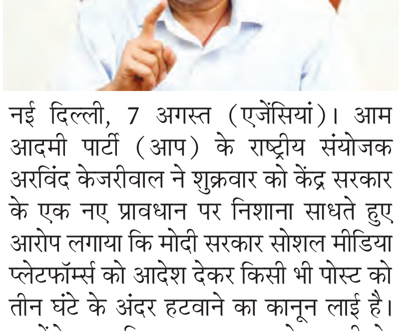

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को केंद्र सरकार के एक नए प्रावधान पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को आदेश देकर किसी भी पोस्ट को तीन घंटे के अंदर हटवाने का कानून लाई है। उन्होंने कहा कि यह कदम जनरेशन जी के आंदोलनों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डर को दर्शाता है। केजरीवाल ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'मोदी सरकार का नया कानून आया है।

अगर सरकार किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को कोई पोस्ट डिलीट करने के लिए कहती है, तो उन्हें 3 घंटे के भीतर उसे डिलीट करना होगा। जेन जी के आंदोलन के बाद से ही मोदी जी को बहुत डर लगने लगा है। मोदी जी, आप जितना देश के लोगों की आवाज दबाएंगे, उनका गुस्सा उतना ही बढ़ेगा।' वीडियो में केजरीवाल ने विस्तार से कहा कि अगर कोई इंस्टाग्राम, फेसबुक या अन्य प्लेटफॉर्म पर मोदी सरकार, पेपर लीक, इथेनॉल नीति या भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलता है तो तीन घंटे में पोस्ट हटा दी जाएगी। उन्होंने जंतर मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए दावा किया कि सरकार युवाओं, बच्चों और महिलाओं से डर रही है, लेकिन आवाज दबाना इसका समाधान नहीं है।

गौरतलब है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में संशोधन किया गया है। इसके तहत सरकार या अदालत के वैध आदेश पर सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज को अवैध या गैरकानूनी सामग्री (जिसमें डीपफेक, एआई-जनित कंटेंट आदि शामिल हैं) को पहले के 36 घंटे की जगह अब महज 3 घंटे में हटाना अनिवार्य है। संवेदनशील मामलों (जैसे नग्नता या इम्पर्सोनेशन) में समयसीमा और भी कम है। नियमों का उल्लंघन करने पर प्लेटफॉर्म सेफ हार्बर संरक्षण खो सकते हैं।

वन विभाग के अधिकारियों ने कहा

बाघ को गोली मारी गई और उसके अंग काट दिए गए

ओंगोल, 7 अगस्त (एजेंसियां)। नल्लामाला-एनएसटीआर वन क्षेत्रों में बाघों की संदिग्ध मौतों की जांच के लिए बनाई गई 5 सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति ने बुधवार को एनएसटीआर -गिद्दलुरु डिवीजन का दौरा किया। इस समिति की अध्यक्षता एपी वन विभाग के सलाहकार पी। मल्लिकार्जुन राव कर रहे थे। उन्होंने टेट्टुमाडुगु इलाके का निरीक्षण किया, जहां एक वयस्क बाघ का शव उसकी मौत के लगभग 10 दिन बाद संदिग्ध हालात में मिला था। टीम ने एनएसटीआर -गिद्दलुरु के अधिकारियों से जांच की प्रगति और अन्य संबंधित मुद्दों के बारे में जानकारी ली।

इसके बाद, टीम उस जगह के आसपास के इलाकों में गई जहां बाघ का शव मिला था और ग्रामीणों से बाघ के पंजों और इलाके में जंगली जानवरों के अवैध शिकार की गतिविधियों के बारे में बात की। उन्होंने घटना के संबंध में संबंधित वन विभाग के कर्मचारियों के बयान दर्ज किए। वन अधिकारियों ने समिति को बताया कि उन्होंने 7 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और बाघ के अंगों की हड्डियों के टुकड़ों के साथ 7 पंजे, एक कुल्हाड़ी और बाघ को मारने में इस्तेमाल की गई देसी बंदूक ज़ब्त की है। उन्होंने बताया कि फोरेंसिक लैब की रिपोर्ट से बाघ की हत्या के बारे में और जानकारी मिलेगी। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि मुख्य आरोपी ने पूछताछ के दौरान बताया कि बाघ केले के बाग की बिजली वाली बाड़ से टकराकर बेहोश हो गया था, और फिर उन्होंने उसे गोली मार दी। बाद में, उन्होंने उसके अंग और पंजे काट दिए और बाघ के शव को टेट्टुमाडुगु वन क्षेत्र में ले जाकर डाल दिया। अधिकारियों ने केले के बाग का दौरा किया और इलाके का निरीक्षण किया। उच्च-स्तरीय समिति पच्चरला गई और सभी एनएसटीआर उप-निदेशकों के साथ एक विशेष समीक्षा बैठक की, जिसमें बाघों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की गई।

इस मौके पर समिति ने कहा, हम जल्द ही अपनी जांच के नतीजों के साथ सरकार को एक प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपेंगे। हम एनएसटीआर में बाघों और अन्य जंगली जानवरों के प्रभावी संरक्षण और अपने जंगलों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में सरकार को एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके सौंपेंगे। समिति के सदस्यों राहुल पांडे, बी। राजा शेखर, इमरान सिद्दीकी, एम। नवीन कुमार, एनएसटीआर फील्ड डायरेक्टर यशोदा बाई और अन्य लोगों ने इलाके का निरीक्षण किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: अगर आपका मन साफ और पवित्र है तो वही सबसे बड़ा तीर्थ है।

बुनकरों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही तेलंगाना सरकार : मंत्री तुम्मला

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर स्टॉलों वाली प्रदर्शनी का शुभारंभ

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि, सहकारिता, विपणन, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ-साथ बुनकरों के कल्याण और हथकरघा क्षेत्र के पुनरुद्धार को भी समान प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि किसान देश को अन्न उपलब्ध कराता है, जबकि बुनकर वस्त्र उपलब्ध कराता है और सरकार दोनों के साथ मजबूती से खड़ी है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर हैदराबाद के नेकलेस रोड स्थित पीपुल्स प्लाजा में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में मंत्री ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कोंडा लक्ष्मण बापूजी हथकरघा पुरस्कार के लिए चयनित बुनकर कलाकारों को सम्मानित किया और उनके योगदान की सराहना की। मंत्री ने पीपुल्स प्लाजा में आयोजित हथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बुनकरों द्वारा लगाए गए 100 से अधिक स्टॉलों का उन्होंने निरीक्षण किया। उन्होंने पारंपरिक हस्तकला, बुनाई की तकनीक और आधुनिक डिजाइनों के समन्वय से तैयार किए गए वस्त्रों की जानकारी ली। यह प्रदर्शनी 7 से 16 अगस्त तक चलेगी।

मंत्री ने लोगों से बड़ी संख्या में प्रदर्शनी में पहुंचकर हथकरघा उत्पाद खरीदने और बुनकरों को प्रोत्साहित करने की अपील की। तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि हथकरघा केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और विरासत का प्रतीक है। पीढ़ियों से चली आ रही इस महान कला को संरक्षित करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विलुप्त होती पारंपरिक हथकरघा कलाओं को फिर से गौरव दिलाना राज्य सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के हथकरघा उत्पादों ने देश-विदेश में विशेष पहचान बनाई है। गडवाल की साड़ियां, पोचमपल्ली इक्कत, नारायणपेट के वस्त्र, सिद्दीपेट की गोल्लाभामा साड़ियां, वारंगल की दरियां और करीमनगर की बेडशीट तेलंगाना की हथकरघा विरासत को वैश्विक पहचान दिला रहे हैं। पारंपरिक कला को आधुनिक बाजार की जरूरतों के अनुरूप विकसित कर हथकरघा क्षेत्र को और मजबूत किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि हथकरघा क्षेत्र में तेलंगाना देश के लिए आदर्श बन रहा है। राज्य बुनकरों की जियो-टैगिंग में अग्रणी है। इंडियन इंस्टीट्यट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी (आईआईएचटी) के माध्यम से युवाओं को आधुनिक कौशल प्रशिक्षण देकर हथकरघा क्षेत्र के लिए नई पीढ़ी तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि संस्थान के छात्र वग्गु श्रीराम द्वारा विकसित एर्गोनोमिक बैक सपोर्ट सिस्टम को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार मिलना तेलंगाना की हथकरघा प्रशिक्षण व्यवस्था की प्रतिभा का प्रमाण है। मंत्री ने बताया कि बुनकरों के कल्याण के लिए राज्य सरकार कई योजनाएं लागू कर रही है। 'नेतन्ना बचत योजना' दो वर्ष की अवधि के लिए लागू है, जबकि 'नेतन्ना को सुरक्षा' योजना के तहत मृतक बुनकर के परिवार को 5 लाख रुपये की बीमा सहायता दी जा रही है।उन्होंने बताया कि हथकरघा ऋणमाफी के लिए 49.27 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। 'नेतन्ना भरोसा' योजना के तहत बुनकरों को सालाना 18 हजार रुपये और संबद्ध श्रमिकों को 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने के लिए 15 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसी तरह 'नेतन्ना को सहायता' के लिए 304 करोड़ रुपये, पावरलूम श्रमिकों के कल्याण के लिए 44 करोड़ रुपये और 'नेतन्ना सुरक्षा' के लिए 20 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। वेमुलवाड़ा में 50 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित यार्न डिपो के माध्यम से अब तक 3,096 मीट्रिक टन सूत मैक्स समितियों को ऋण सुविधा के आधार पर उपलब्ध कराया गया है।

तुम्मला नागेश्वर राव ने आश्वासन दिया कि हथकरघा श्रमिकों के कल्याण, विकास, विपणन, आधुनिकीकरण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े सभी मामलों में राज्य सरकार पूरी तरह उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि बुनकरों को किसी भी समस्या का सामना नहीं करने दिया जाएगा और सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी।

पाक्सो कोर्ट ने रेप केस आरोपी को 10 साल की सज़ा सुनाई

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पाक्सो मामलों की एक स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में दर्ज 2019 के चाइल्ड रेप केस में मोहम्मद मोहसिन (44) को दोषी ठहराया और उसे 10 साल की कड़ी सज़ा सुनाई। कोर्ट ने उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

पुलिस ने बताया कि घटना के समय पीड़िता 12 साल की थी। उसने आरोप लगाया कि दोषी, जो उसका रिश्तेदार है, ने मई 2019 में उसके साथ रेप किया और उससे पहले भी दो बार उसका यौन शोषण किया था।

शिकायत के बाद मामले की जांच की गई और पीड़िता को 'भरोसा सेंटर' के ज़रिए काउंसलिंग और कानूनी मदद मिली।

हेल्थ मिनिस्टर के चुनाव क्षेत्र में अपनी जगह प्राइवेट डॉक्टर भेजने पर सरकारी डॉक्टर सस्पेंड

संगारेड्डी, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार ने एक सरकारी डॉक्टर को सस्पेंड कर दिया है, जो ड्यूटी पर नहीं आया लेकिन जोगीपेट के एरिया हॉस्पिटल में काम करने के लिए अपनी जगह एक प्राइवेट डॉक्टर को भेज दिया।

अधिकारियों ने बताया कि डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. के. रमेश ने बुधवार रात सरकारी अस्पताल में अपनी ड्यूटी निभाने के लिए डॉ. रवि को अपनी जगह भेजा था। डॉ. के. रमेश (जनरल मेडिसिन) की ड्यूटी 5 अगस्त की रात को थी, जब उन्होंने डॉ. रवि को अपनी जगह भेजा। घटना के बारे में पता चलने पर, वैद्य विधान परिषद की कमिश्नर डॉ. क्रिस्टीना जेड. चोंगथु ने डॉ. रमेश को सस्पेंड कर दिया। आदेश में यह भी कहा गया कि डॉ. रमेश को अगले आदेश तक संगारेड्डी जिला मुख्यालय नहीं छोड़ना चाहिए। इस बीच, कमिश्नर ने शुक्रवार को अस्पताल का निरीक्षण करने के लिए एक टीम भी भेजी।

चूंकि यह घटना हेल्थ मिनिस्टर दामोदर राजनरसिम्हा के चुनाव क्षेत्र के मुख्यालय में हुई, इसलिए मिनिस्टर ने इस मामले को गंभीरता से लिया और अधिकारियों को घटना की जांच करने का निर्देश दिया। इस बीच, गंभीर आरोप लगे कि जोगीपेट अस्पताल में काम करने वाले एक और डॉक्टर ने भी कई बार अपनी जगह किसी और को काम पर रखा था। अधिकारी इन आरोपों की भी जांच कर रहे हैं।

जूराला और केएलआई की पंपें तुरंत शुरू करे सरकार : निरंजन रेड्डी

11 अगस्त तक की मोहलत, मांग पूरी नहीं हुई तो नार्लापुर घेराव की चेतावनी

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जूराला और कलवकुर्थी लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआई) के तहत आने वाली सभी पंपों को तत्काल शुरू करने की मांग पूर्व कृषि मंत्री एवं बीआरएस नेता सिंगिरेड्डी निरंजन रेड्डी ने की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने 11 अगस्त तक पंप शुरू नहीं किए तो बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव के नेतृत्व में लाखों किसानों के साथ नार्लापुर का घेराव किया जाएगा। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में निरंजन रेड्डी ने कहा कि जूराला के अंतर्गत भीमा फेज-1 और फेज-2, नेट्टेमपाडु तथा कोयलसागर लिफ्ट परियोजनाओं के साथ जूराला की दाईं और बाईं नहरों में भी पानी छोड़ा जाना चाहिए। इसके अलावा केएलआई के तहत तीनों पंपों को तुरंत चालू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि केएलआई की पंपों को अब भी करीब 200 दिनों तक चलाने

का अवसर है। इसके बावजूद सरकार पंप शुरू करने में देरी कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कृष्णा नदी में पर्याप्त प्रवाह बना हुआ है तो किसानों को सिंचाई का पानी क्यों नहीं दिया जा रहा है। निरंजन रेड्डी ने दावा किया कि जूराला से करीब 2.30 लाख क्यूसेक पानी श्रीशैलम की ओर जा रहा है, जबकि श्रीशैलम में लगभग 160 टीएमसी पानी मौजूद है। उन्होंने सवाल किया कि यदि श्रीशैलम में 160 टीएमसी पानी है तो उपलब्ध पानी केवल 45 टीएमसी होने की रिपोर्ट कैसे दी जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी पर पालमूर क्षेत्र के किसानों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों से धान की खेती न करने को कह रही है, जबकि नदी में पानी उपलब्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों का एक समूह सरकार को वास्तविक स्थिति से गुमराह कर रहा है। पूर्व मंत्री ने कहा कि पालमूर-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को पर्यावरणीय अनुमति मिलने के बावजूद काम आगे नहीं बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना में कानूनी अड़चनें पैदा करने की कोशिश की जा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में पालमूर-रंगारेड्डी परियोजना में सरकार ने एक टोकरी मिट्टी तक नहीं उठाई। उन्होंने दावा किया कि कलवकुर्थी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए 802 मीटर स्तर पर पानी उठाया जा सकता है, जबकि जलाशय में 854 मीटर तक पानी उपलब्ध होने के बावजूद पानी नहीं उठाया जा रहा है। उन्होंने सरकार पर सिंचाई जल उपलब्ध कराने के मामले में कोई स्पष्ट योजना और नियंत्रण नहीं होने का आरोप लगाया। निरंजन रेड्डी ने कहा कि कर्नाटक के आलमट्टी और नारायणपुर जलाशय पूरी तरह भर चुके हैं और अब आने वाला पानी जूराला की ओर आएगा। उन्होंने दावा किया कि ऊपर के क्षेत्रों में बारिश कम होने पर भी प्रतिदिन 5,000 क्यूसेक से अधिक पानी जूराला की ओर आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सरकार का रवैया समझ से परे है–क्या यह जानबूझकर किया जा रहा है या किसी अन्य को खुश करने के लिए, यह स्पष्ट नहीं है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मंत्री साबिता इंद्रा रेड्डी, पूर्व विधायक जयपाल यादव, मेतुकु आनंद और बीरम हर्षवर्धन रेड्डी समेत अन्य बीआरएस नेता मौजूद थे।

एसआईआर-2026 : मतदाता 10 अगस्त तक जमा करें गणना प्रपत्र

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने के लिए पात्र मतदाताओं को अपना विधिवत भरा हुआ गणना प्रपत्र 10 अगस्त 2026 तक जमा करना होगा। निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द फॉर्म जमा करने की अपील की है।

जिन नागरिकों को गणना प्रपत्र मिल चुका है, लेकिन उन्होंने अभी तक उसे भरकर जमा नहीं किया है, वे तत्काल इसे पूरा कर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को सौंप सकते हैं। प्रत्येक गणना प्रपत्र पर संबंधित बीएलओ का मोबाइल नंबर दर्ज है। फॉर्म भरने में किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होने पर मतदाता सीधे बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं।

मतदाताओं की सुविधा के लिए फॉर्म भरने के बाद बीएलओ उनके घर से भी उसे प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा निर्धारित संग्रह केंद्र या संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) कार्यालय में भी फॉर्म जमा किया जा सकता है। निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को ऑनलाइन गणना प्रपत्र जमा करने की सुविधा भी दी है।

इसके लिए वे भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म जमा कर सकते हैं और उन्हें भौतिक रूप से फॉर्म जमा करने का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है। जिन नागरिकों की अनुपस्थिति के कारण बीएलओ उनके घर नहीं पहुंच पाए अथवा जिन्हें अभी तक गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुआ है, वे निर्वाचन आयोग के पोर्टल के माध्यम से अपने संबंधित बीएलओ का विवरण और मोबाइल नंबर पता कर सकते हैं। इसके बाद वे बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म प्राप्त करने अथवा उसे भरने और जमा करने में आवश्यक सहायता ले सकते हैं। निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं से अंतिम दिन तक इंतजार नहीं करने की अपील की है। निर्धारित समय सीमा के भीतर विधिवत भरा हुआ गणना प्रपत्र जमा नहीं करने पर संबंधित मतदाता का नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सकता है।निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वे समय से पहले अपना गणना प्रपत्र जमा कराएं और मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करें।

CLASSIFIEDS

DOCUMENT LOST

I, VIDYAVATHI U DIXIT, D/o. Late R U DIXIT, R/o. H.No. 2-72, Sai Dham, Pet Basheerabad, Qutubullapur Mandal, Medchal Malkajgiri Dist-500055, T.G., I, Lost my (Original Document Nos. 802/1995, dt. 31-03-1995 at Registered SRO Saroornagar) while travelling from Old Alwal to my home, on 10-06-2026. if anybody found Pls Call: 9985846112, 9849312764.

CHANGE OF NAME

I, JC 773889L, Sub, Talekar Pandit Kisan, R/o, Dist: Jalna, Maharashtra, changed my Mother's name from Geeta Bhai to Jijabai Kisan Talekar vide Affidavit No. 995012 dt. 07.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14655114Y, Hav, Suresh Kumar Tiwari, R/o, Dist: Rewa, Madhya Pradesh, changed my Mother's name from Savitri Devi to Savitri Tiwari , vide Affidavit No. 995008 dt. 06.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 775300P, Sub, Suniraj S V, R/o, Dist: Kollam, Kerala, changed my Mother's name from Vijaya Mmaamma S to Vijayamma Amma S vide Affidavit No. 995005 dt. 06.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14684152X, SEP, Moovendren K, R/o, Dist: Theni, Tamil Nadu, changed my Mother's name from Keshwari to Eswari , vide Affidavit No. 995014 dt. 06.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Karpagam A, W/o, No. 14672082X, NK, Saravana Kumar G, R/o, Dist: Sivagangai, Tamil Nadu, changed my name from A Karpagam to Karpagam A vide Affidavit No.EN 363412 dt. 06.08.2026, before Notary Public at Sivagangai.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

ग्रीन इंडिया चैलेंज के तहत 2,000 पौधे रोपे गए

गजवेल में जोगिनपल्ली संतोष कुमार ने चलाया पौधरोपण अभियान

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से गजवेल विधानसभा क्षेत्र के बाहरी इलाके स्थित वेंकटापुर गांव में ग्रीन इंडिया चैलेंज के तहत बड़े पैमाने पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सदस्य जोगिनपल्ली संतोष कुमार ने ग्रामीणों के साथ मिलकर करीब 2,000 पौधे लगाए ।पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन सरपंच कनकय्या और चेप्याला राजेश्वर राव के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। सरपंच कनकय्या ने कहा कि गांव के लोगों के साथ मिलकर ग्रीन इंडिया चैलेंज के तहत जोगिनपल्ली संतोष कुमार के हाथों पौधरोपण करना बेहद खुशी की बात है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में संतोष कुमार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को प्रेरणा मानकर ग्रीन इंडिया चैलेंज के माध्यम से करोड़ों पौधे लगाने और हरित तेलंगाना के निर्माण की दिशा में संतोष कुमार लगातार कार्य कर रहे हैं। राज्य में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए लोगों को एकजुट कर इस अभियान को एक बड़े जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। कार्यक्रम में गजवेल विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी ओंटेरु प्रताप रेड्डी, एमएलसी यादव रेड्डी, एमपीपी पांडु गौड़, जेडपीटीसी रामचंद्रम, उपसरपंच पुट्टा मनसा प्रकाश, एमपीटीसी फोरम के अध्यक्ष कृष्ण यादव सहित स्थानीय नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। आयोजकों ने कहा कि पौधरोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की सुरक्षा और उनके विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

SIR Special Intensive Revision

विशेष गहन पुनरीक्षण 25 जून, 2026 से

भारतीय निर्वाचन आयोग

भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा दि.25 जून, 2026 से इलेक्टोरल रोल्स से संबंधित विशेष गहन पुनरीक्षण आयोजित किया जा रहा है, ताकि योग्य नागरिकों को शामिल किया जा सके तथा इस बात की पुष्टि की जा सके कि, कोई भी अयोग्य नागरिक इलेक्टोरल रोल्स या मतदाता सूची में न शामिल हो सके।

जल्दी करें।

अंतिम 3 दिन दि.10 अगस्त, 2026 को या इससे पहले आपके बीएलओ अधिकारी के पास भरे हुए एन्युमरेशन फॉर्म या गणना प्रपत्र प्रस्तुत कीजिए।

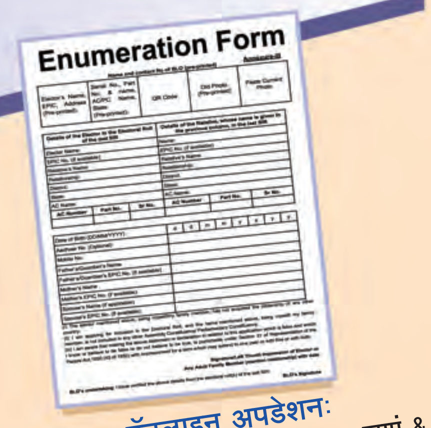

एन्युमरेशन फॉर्म में भरे जानेवाले विवरण:

ताजा पासपोर्ट आकार का फोटो, आधार संख्या (वैकल्पिक), फोन नंबर, तथा माता-पिता व धर्मपत्नी या जीवनसाथी की जानकारी। (वर्ष 2002 में आयोजित विशेष गहन पुनरावलोकन नुसार आपके माता-पिता या नाना-नानी एवं दादा-दादी का विवरण लिखें।) विस्तृत विवरण हेतु https://voters.eci.gov.in पर जाएं। तत्संबंधित वही विवरण को वर्तमान एन्युमरेशन फॉर्म में विवरित किया जाना चाहिए।

ऑनलाइन अपडेशन: https://voters.eci.gov.in पर जाएं & एन्युमरेशन फॉर्म या गणना प्रपत्र भरें, अपलोड करें। आपके बीएलओ अधिकारी के साथ संबंधित पावती या एकनालेजमेन्ट शेयर करें।

Scan here for ecinet.eci.gov.in

Website: https://voters.eci.gov.in / https://ecinet.eci.gov.in / https://www.eci.gov.in

For more details contact: Booth Level Officer (BLO)/AERO/ERO/DEO

CEOTelangana CEOTelangana ChiefElectoralOfficerTelangana CEO_Telangana

For further details call 1950 10.30am - 5pm. Toll Free

आपका वोट – आपकी जिम्मेदारी

मतदाता सूची में अपनी जानकारी अपडेट करें–मजबूत वोटर लिस्ट में योगदान दें।

पलायन को मजबूर हिंदू परिवार, प्रधान अशफाक पर मारपीट का आरोप

बस्ती, 7 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती में ज़मीन विवाद के बाद यें परिवार के पलायन करने के दावे के बाद हड़कंप मच गया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि गांव के प्रधान अशफाक उर्फ पिंकू और सहयोगियों ने परिवार के साथ मारपीट की धमकियां दी, जिसकी वजह से उन्हें घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। वहीं दूसरी ओर, बस्ती पुलिस ने पूरे मामले की जांच के बाद पलायन और मारपीट के दावों को झूठा व मनगढ़ंत करार दिया है। ये घटना जनपद के कलवारी थाना क्षेत्र स्थित खम्हरिया गांव की है।

जहां रहने वाली पीड़िता अकालपति का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर गांव के प्रधान अशफाक उर्फ पिंकू, असलम और इम्तियाज ने उसके पति भगवानदीन राजभर को कुसौरा बाजार में रोककर लाठी-डंडों से पीटा। यही नहीं आरोपियों ने घर में घुसकर परिजनों और एक गर्भवती महिला के साथ अभद्रता व मारपीट की। अकालपति का दावा है कि जब वह शिकायत लेकर कलवारी थाने पहुंचीं, तो पुलिस ने उनकी तहरीर पर मामला दर्ज करने के बजाय उन्हें घंटों बैठाए रखा और कोई सख्त कार्रवाई नहीं की।

गोवंश ले जाने पर जब्त वाहन की नीलामी अवैध

हाई कोर्ट ने यूपी सरकार को 4 .75 लाख रुपये का मुआवजा देने का दिया आदेश

प्रयागराज, 7 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश गोवंश वध निवारण अधिनियम के तहत एक वाहन को अवैध रूप से जब्त किए जाने के मामले में राज्य सरकार कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि पर्याप्त कानूनी आधार के बिना वाहन को जब्त करना फिर उसकी नीलामी कर देना कानून के मुताबिक नहीं था।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को वाहन मालिक को दो लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इलाहाबाद कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसका वाहनगोवंश को वध के लिए ले जाने को लेकर गलत आरोप में जब्त किया गया था। फिर उसकी नीलामी कर दी थी।

अब न्यायमूर्ति संदीप जैन की पीठ ने कहा कि केवल इस आधार पर कि वाहन में गोवंश ले जाया जा रहा था, यह नहीं माना जा सकता कि उन्हें वध के लिए ले जाया जा रहा था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रदेश के भीतर गोवंश के परिवहन के लिए किसी परमिट की

आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार की तरफ से यह साबित नहीं हो सका कि गोवंश के उद्देश्य से वाहन राज्य से बाहर ले जाया जा रहा था।ऐसे में वाहन की जब्ती और बाद की नीलामी पूरी तरह अवैध और मनमानी थी। सिर्फ शक और आशंका के आधार पर इस तरह की कार्रवाई नहीं की जा सकती है। इस फैसले को गोवंश परिवहन से जुड़े मामलों में प्रशासनिक कार्रवाई की न्यायिक समीक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अदालत के आदेश के मुताबिक गोवंश वध कानून के तहत कार्रवाई करते समय प्रशासन को कानूनी प्रक्रिया और पर्याप्त साक्ष्यों का पालन करना होगा। अदालत ने राज्य अधिकारियों को वाहन की जब्ती की तारीख (19 सितंबर, 2024) से उसकी वास्तविक रिहाई तक याचिकाकर्ता को 20,000 रुपये हर महाने की दर से मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा मानसिक पीड़ा, वित्तीय कठिनाई और अनावश्यक उत्पीड़न के लिए 25,000 रुपये का मुआवजा दिया गया है। मुआवजा लगभग 4.75 लाख बनता है, जो वाहन जारी होने तक बढ़ सकता है। अदालत ने सरकार को ये राशि मुआवजे के तौर पर याचिकाकर्ता को देने का आदेश दिया है।

अदालत ने यह भी कहा कि अगर सरकार चाहे तो यह राशि उस अधिकारी से वसूल सकती है, जिसने इस मामले में कार्रवाई की थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट इससे पहले भी इस तरह के फैसले दे चुका है कि उत्तर प्रदेश के भीतर गोवंश के परिवहन के लिए परमिट आवश्यक नहीं है। केवल संदेह या अनुमान के आधार पर वाहन जब्त नहीं किया जा सकता। अब यह साबित नहीं हो कि गोवंश को वध के लिए राज्य से बाहर ले जाया जा रहा था, तो गोवंश वध निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती है।

नकली करंसी के साथ तीन गिरफ्तार, बेंगलुरु से तस्करी कर बाजार में खपाते थे पाकिस्तान तक जुड़े तार

मुजफ्फरनगर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बुढ़ाना पुलिस ने अंतरराज्यीय नकली नोट तस्कर गिरोह का राजफाश किया है। पुलिस ने जनसेवा केंद्र संचालक समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह बेंगलुरु के माइकल फर्नांडीज से नकली नोट की खेप को कुरियर के माध्यम से मंगवाता था। इसे बाजारों में घूम-फिरकर चलाता था।

एक आरोपित वर्ष 2022 में दुबई में रहा था, जहां उसका संपर्क कुछ पाकिस्तानी नागरिकों से हुआ था। पुलिस ने इनके कब्जे से एक लाख रुपये के नकली नोट के अलावा वैगनआर कार बरामद की है। गिरोह के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) की कार्रवाई होगी। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि बुढ़ाना पुलिस ने कार सवारों द्वारा नकली नोट की खेप लाने की सूचना पर चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान वैगनआर को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने तेज गति से कार दौड़ा दी। पुलिस ने पीछा कर गांव बसी गेट खतौली रोड से वैगनआर को पकड़ लिया।

डीपीओ के 4 ठिकाने पर ईओयू की छापेमारी

सहरसा, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में लगातार भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अब सहरसा जिले में ईओयू की टीम पहुंची। यहां जिले के डीपीओ अजीत अमर के अलग-अलग चार ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। फिलहाल ईओयू के टीम डीपीओ के ठिकाने पर दस्तावेजों, बैंक खातों, निवेश, अचल संपत्तियों और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने सहरसा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) अजीत अमर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है। सूचना के सत्यापन के बाद ईओयू थाना कांड संख्या 17/26 (6 अगस्त 2026) दर्ज किया गया।

मुजफ्फरपुर स्थित विशेष निगरानी अदालत से तलाशी वारंट लेने के बाद कार्रवाई शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में 62,20,550 रुपये की आय से अधिक संपत्ति मिलने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि यह उनकी ज्ञात आय से करीब 2.35 प्रतिशत अधिक है। ऐसे में शुक्रवार सुबह पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में 4 जगहों पर एक साथ छापेमारी शुरू की गई। छापेमारी पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपी अधिकारी के पास कुल कितनी संपत्ति है।

अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल जांच जारी है और छापेमारी पूरी होने के बाद बरामद दस्तावेजों और अन्य सबूतों का विस्तार से विश्लेषण किया जाएगा। इसके बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि अजीत अग्रवाल के पास कुल कितनी संपत्ति है और क्या जांच में आय से अधिक संपत्ति के अलावा अन्य वित्तीय अनियमितताओं के भी प्रमाण मिलते हैं या नहीं। अगर जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली बच्चों को लेकर जा रही मैजिक पुल से टकराकर पलटी, शराब के नशे में था चालक, 12 बच्चे घायल

रायबरेली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। रायबरेली के सलोन - ऊंचाहार मार्ग पर बीकरगढ़ बाजार में एक स्कूल की मैजिक अनियंत्रित होकर पुल से टकराकर पलट गई। घटना में शिव शिक्षा निकेतन स्कूल बीकरगढ़ के प्रियांशी (9), माही (6),स्नेहा (11), नैतिक (10), अनिकेत (13), आदित्य (8), संकल्प (9), आयुषी (8),आयुषी (5), पलक (8), पायल (7) व अहम (5) घायल हो गये। उमरन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रंजीत सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से मैजिक को सीधा कराया और बच्चों को बाहर निकला। बच्चों को ऊंचाहार सीएचसी में भर्ती कराया। जहां इलाज के बाद बच्चों को घर भेज दिया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मैजिक का चालक शराब के नशे में था और तेज गति से वाहन चला रहा था।

पटना-एक्सीडेंट में युवक की मौत पर बवाल

10 गाड़ियां फूंकीं:ट्रैफिक पुलिस चौकी जलाई, हाईवे जाम; 9 थानों की फोर्स मौके पर

पटना, 7 अगस्त (एजेंसियां)। 6 मिनट पहले पटना में सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र के जीरो माइल के पास शुक्रवार सुबह की है, जहां तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने उस बस को आग लगा दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ ने उसे रोक दिया। इसके बाद हालात और बिगड़ते चले गए। मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन तनाव और बढ़ गया। गुस्साई भीड़ ने 2 पुलिस गाड़ियों, बसों और बाइक समेत करीब 10 वाहनों में आग लगा दी। ट्रैफिक पुलिस पोस्ट जला दी। नेशनल हाईवे-30 पर जाम लगा दिया। पत्रकारों से मारपीट की। मौके पर 9 थानों की पुलिस तैनात की गई है। 26 साल का मनीष पटना में फ्लेक्स का काम करता था। वो अपने गांव से रोज पटना आता-जाता था। मनीष तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। वो रोज की तरह आज सुबह 7 बजे भी काम पर निकला था। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया। पुलिस ने लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन लोग शांत नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को मौके से खदेड़ दिया। सिटी एसपी (पूर्वी) सुश्री शैलजा मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी। लोगों के हंगामे के कारण जीरो माइल चौक 3 घंटे करीब जाम रहा। जिसकी वजह से पटना-फतुहा मेन रोड, बख्तियारपुर जाने वाली सड़क और बिहटा जाने वाले रोड पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई।

गोरखपुर आ रही मौर्य एक्सप्रेस के बी थ्री कोच का टूटा दरवाजा, यात्री ने रेल मंत्री को किया ट्वीट

गोरखपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। संबलपुर से गोरखपुर आ रही 15027 नंबर की मौर्य एक्सप्रेस के कोच नंबर बी थ्री का एक दरवाजा टूट चुका है। यह जानकारी बी थ्री कोच के बर्थ नंबर 68 पर यात्रा कर रहे यात्री विकास महतो ने एक्स पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पोस्ट करके दी है। यात्री ने बताया है कि दरवाजा टूट चुका है, प्लीज रिपेयर कराएं। यात्री ने बेडशीट टंगे, टूटे दरवाजे का वीडियो और बर्थ के नीचे रखे गए दरवाजे का फोटो भी एक्स पर साझा किया है। पोस्ट, वीडियो और फोटो इंटरनेट मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। यात्री विकास ने दोपहर एक बजे के आसपास एक्स पर अपना पोस्ट साझा किया है।

'समधी ने की 25 शादी, ठगे 600 करोड़'

रोते हुए विधायक ने कहा-उसे फांसी दे दो

सीतापुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के सीतापुर में सेवता से बीजेपी एमएलए के समधी अनुज त्रिवेद्वी और दामाद पर महिलाओं को झांसा देकर शादी करने और कैश- जेवरात की ठगी का आरोप लगा है। आरोप लगाने वाली महिलाएं महाराष्ट्र और प्रयागराज की रहने वाली हैं। महिलाओं ने सीतापुर एडीएम से मिलकर बीजेपी एमएलए के समधी और दामाद पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

इन महिलाओं का आरोप है कि बीजेपी एमएलए के समधी ने 25 महिलाओं से शादी कर उनसे लगभग 600 करोड रुपये और एक किलो सोना-चांदी ठगने का काम किया है। वहीं, इस मामले में बीजेपी एमएलए ने अपनी

बेटी के साथ सोशल मीडिया पर अपना एक भावुक वीडियो साझा करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है।

बीजेपी एमएलए ज्ञान तिवारी इस वीडियो में बेटी के साथ रोते हुए दिखाई दे रहे हैं और समधी पर कार्रवाई की बात भी कहते हुए सुनाई दे रहे हैं।

आपको बता दें कि सीतापुर के मिश्रिख तहसील के चंद्रावल के रहने वाले अनुज त्रिवेदी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। महाराष्ट्र व प्रयागराज की पीड़ित महिलाओं ने एक सामूहिक शिकायती पत्र एडीएम आयुष चौधरी को सौंपा है। पत्र सौंपने वाली पीड़िताओं ने बीजेपी एमएलए के समधी अनुज त्रिवेदी पर कई महिलाओं से करीब 600 करोड रुपए ठगने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं आरोपी की संपत्ति को भी कुर्क कर रकम जेवर आदि सामान वापस दिलाने की गुहार लगाई है।

आज एक दिवसीय दौरे पर बलरामपुर आएंगे डिप्टी सीएम

ब्रजेश पाठक पूर्व मंत्री हनुमंत के परिजनों से मिलेंगे

बलरामपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक 8 अगस्त को बलरामपुर के दौरे पर रहेंगे। अपने दौरे के दौरान वह पूर्व कैबिनेट मंत्री हनुमंत सिंह के निधन पर उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। इसके बाद जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, उपमुख्यमंत्री दोपहर 1:55 बजे राजकीय हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन हेलीपैड पहुंचेंगे। यहां से वह कार से रवाना होकर 2:10 बजे शारदा कुंज (पुरनिया तालाब) पहुंचेंगे, जहां स्वर्गीय हनुमंत सिंह के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त करेंगे। इसके बाद ब्रजेश पाठक 2:35 बजे जिला अस्पताल पहुंचेंगे। यहां वह अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं, साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सा व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जाने की संभावना है। निरीक्षण के बाद उपमुख्यमंत्री 3:20 बजे जिला अस्पताल से रवाना होकर 3:30 बजे पुलिस लाइन हेलीपैड पहुंचेंगे और 3:35 बजे राजकीय हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

पहले कोलकाता फिर भागलपुर में बेची गई

87 दिन बाद कैसे लड़की को बचाया गया?

मुजफ्फरपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक चौंकाने वाला मानव तस्करी का मामला सामने आया है। गायघाट थाना क्षेत्र से 87 दिन पहले लापता हुई 12वीं कक्षा की छात्रा को पुलिस ने मानव तस्करों के चंगुल से सुरक्षित मुक्त करा लिया। छात्रा घर से नाराज होकर निकली थी, लेकिन रास्ते में मानव तस्करों के झांसे में आ गई। तस्करों ने उसे पहले कोलकाता ले जाकर बेच दिया और बाद में भागलपुर के रेड लाइट एरिया पहुंचा दिया। पुलिस का दावा है कि आरोपी उसे तीसरी बार बेचने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन उससे पहले ही एसआईटी और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने संयुक्त कार्रवाई कर उसे बचा लिया। पुलिस के अनुसार, गायघाट थाना क्षेत्र की रहने वाली छात्रा 10 मई की रात भाई की डांट से नाराज होकर घर से निकल गई थी। वह मुजफ्फरपुर जंक्शन पर अकेली बैठी रो रही थी। इसी दौरान एक युवक ने उससे सहानुभूति जताई और कोलकाता में अच्छी नौकरी दिलाने का झांसा दिया। छात्रा उसके बहकावे में आ गई और उसके साथ चली गई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कोलकाता पहुंचते ही उसे बेच दिया गया।

वहां उसे बेहोशी की दवा देकर यौन शोषण किया गया। कई बार भूखा रखा गया और मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। करीब एक महीने बाद तस्करों ने उसे भागलपुर के रेड लाइट एरिया में फिर बेच दिया, जहां उसके साथ लगातार अत्याचार होता रहा। 12 मई को छात्रा के भाई ने गायघाट थाना में अपहरण का मामला दर्ज कराया था। इसके बाद एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस को एक तस्वीर के जरिए महत्वपूर्ण सुराग मिला। इस इनपुट के आधार पर पुलिस टीम भागलपुर जिले के इशीपुर बरहट थाना क्षेत्र के सिवानपुर गांव पहुंची। करीब 35 मिनट तक रेकी करने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस को देखते ही तस्करों ने भागने की कोशिश की, लेकिन करीब 52 मिनट तक चले अभियान के बाद छात्रा को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया।

शराब की दुकानों के लिए लाइसेंस जारी किए जाने में स्पष्टता नहीं : हाई कोर्ट

प्रयागराज, 7 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रदेश में बिना स्थान चिह्नित किए शराब दुकान का लाइसेंस देने के मामले को गंभीरता से लिया है और आबकारी आयुक्त को शराब नीति के साथ 12 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया और न्यायमूर्ति विनय सरन की खंडपीठ ने आगरा के विजय कुमार कुलश्रेष्ठ की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा है कि बार-बार शराब की दुकानों के लाइसेंस बिना यह स्पष्ट किए जारी किए जाते रहे हैं कि दुकान किस विशिष्ट स्थान पर स्थापित की जानी है। याची की तरफ से अधिवक्ता श्रीकृष्ण शुक्ल ने बहस की। खंडपीठ ने शराब की दुकानों के लाइसेंस देने की मौजूदा नीति पर सवाल उठाया है। याची ने कोर्ट में शिकायत की थी कि उनके घर के ठीक सामने शराब की दुकान खोल दी गई है, इससे उन्हें परेशानी हो रही है। इस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने समय-समय पर कई आदेश पारित किए।

'अभी भी मौका है गुजरात सरकार अपनी गलती सुधार ले' सोमनाथ के दलित अत्याचार कांड पर भड़कीं मायावती

लखनऊ, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीम मायावती ने गुजरात के सोमनाथ में 2016 में दलितों पर हुए अत्याचार मामले में आरोपियों को बरी करने पर चिंता जताई है। शुक्रवार सुबह उन्होंने इसको लेकर सोशल मीडिया पर एक के बाद एक चार पोस्ट किए। उनका कहना है कि वह खुद इस कांड के पीड़ितों से मिलने गुजरात गई थीं। उन्होंने गुजरात सरकार से सभी दोषियों को सख्त सजा और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की है। अपने एक्स हैंडल पर मायावतीने लिखा है- गुजरात राज्य के जिला गिर सोमनाथ के ऊना में सन 2016 में हुये दलितों पर जघन्य अन्याय-अत्याचार कांड के लगभग सभी अभियुक्तों को मार्च में स्थानीय कोर्ट द्वारा बरी करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देकर न्याय पाने के लिये पीड़ित दलित परिवारों को वित्तीय आदि का भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी विचलित करने वाली कड़वी सच्चाई से खासकर बहुजन समाज के लोगों में भारी चिन्ता व्याप्त है।

बसपा प्रमुख ने आगे लिखा है- इसको लेकर मेरी चिंता का विशेष कारण यह भी है कि इस कांड के पीड़ितों से मिलने मैं खुद भी वहां गई थी और वहां सच्चाई का पूरा पता करने के बाद राज्य सरकार से सभी दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी, किंतु देश भर में इसके खिलाफ रोष व आक्रोश आदि होने के बावजूद 40 में से 35 आरोपी के मार्च महीने में बरी हो जाने की खबर कुछ और नहीं बल्कि दलितों के प्रति सरकारी द्वेष, उनके हित व सुरक्षा के प्रति लापरवाही व उदासीनता आदि का ही परिणाम ज्यादा लगता है। मायावती ने लिखा है- वैसे अभी भी मौका है जब गुजरात सरकार अपनी इस गलती में सुधार करते हुये इस मामले की हाईकोर्ट में उचित पैरवी करके सभी दोषियों को सख्त सजा दिलवाये ताकि पीड़ित परिवारों को न्याय मिल सके और दूसरों को सबक।

25 हजार का इनामी अजहर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

देवरिया, 7 अगस्त (एजेंसियां)। देवरिया में 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश अजहर अंसारी को शुक्रवार तड़के पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। लार और भाटपाररानी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अजहर अंसारी (31) पुत्र अहमद अंसारी, निवासी मटियरा जगदीश, थाना लार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वह भाटपाररानी थाने में दर्ज गोवंश तस्करी और आर्म्स एक्ट के मामले में फरार चल रहा था।

उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोप है कि 15 जुलाई 2026 को वह पिकअप वाहन से आठ गोवंशों को बिहार ले जा रहा था, जिसके बाद उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी चनुकी मोड़ की ओर आ रहा है।

'राम मंदिर में कोई घोटाला नहीं हुआ'

3300 करोड़ का हिसाब-किताब सही, बस यहां हुई हेराफेरी

अयोध्या, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या का राम मंदिर इस समय अपने दान चोरी को लेकर सुर्खियों में रहा है। अब इस बीच एक बड़ी खबर आ रही है। सरकारी सूत्रों की मानें तो राम मंदिर के 3300 करोड़ का हिसाब-किताब एकदम सही है। कोई घोटाला नहीं हुआ है। हेराफेरी हुई है तो बस हाथ से कैश गिनने के दौरान। इतना ही नहीं पूरा गणित भी समझाया है। आइए जानते हैं सबकुछ। अयोध्या में राम मंदिर के चंदे को लेकर चल रही अटकलों के बीच सरकारी सूत्रों का कहना है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी या भ्रष्टाचार के दावे सही नहीं हैं। राम मंदिर के लिए लोगों से मिले 3,300 करोड़ रुपये के चंदे का पूरा हिसाब-किताब रखा गया है। इसका स्वतंत्र बाहरी ऑडिटर एम/एस वी शंकर अय्यर एंड कंपनी ने ऑडिट किया है।

सरकारी अधिकारियों ने बताया कि ट्रस्ट ने करीब 1,800 करोड़ रुपये मंदिर निर्माण और

400 करोड़ रुपये जमीन खरीद पर खर्च किए हैं। सभी भुगतान बैंकिंग व्यवस्था के जरिए किए गए हैं और कोई भी नकद (कैश) लेन-देन नहीं हुआ। आगे बताया कि ट्रस्ट की वित्तीय प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और सभी खर्च तय नियमों और बैंकिंग प्रोटोकॉल के तहत किए गए हैं। इसलिए बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी के आरोपों का कोई ठोस आधार नहीं है।

राम मंदिर में दान की राशि को लेकर उठे सवालों पर सरकारी सूत्रों ने कई अहम बातें साफ की हैं। उनका कहना है कि यह मामला किसी बड़े घोटाले का नहीं, बल्कि दान की नकदी गिनने के दौरान हुई एक अलग चोरी का है।

सूत्रों के अनुसार, दान पेटी (हुंडी) से निकली नकदी को मशीन से गिनने से पहले हाथों से अलग-अलग किया जा रहा था। इसी दौरान एसबीआई की ओर से नियुक्त एजेंसी सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज (एसएसएस) के छह बाहरी कर्मचारियों ने चोरी की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सभी आरोपियों की पहचान कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इनमें से कोई भी आरोपी राम मंदिर ट्रस्ट या मंदिर प्रशासन का कर्मचारी नहीं था। सरकार ने यह भी बताया कि मामले की जांच के लिए बनाई गई विशेष जांच टीम (एसआईटी) की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट नजर रख रहा है। जांच वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की देखरेख में की जा रही है ताकि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी रहे। जमीन खरीद में गड़बड़ी के आरोपों को भी सरकार ने खारिज किया है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर के लिए खरीदी गई पूरी जमीन का भुगतान बैंक से बैंक ट्रांसफर के जरिए किया गया, किसी भी तरह का नकद भुगतान नहीं हुआ।

अधिकारियों का कहना है कि जमीन की कीमत इसलिए ज्यादा रही क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इलाके में जमीन के दाम बढ़ गए थे और कई व्यावसायिक ढांचों का भी मुआवजा देना पड़ा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जून 2026 की घटना के बाद भी श्रद्धालुओं का भरोसा कम नहीं हुआ। राम मंदिर में आने वाले दान में कोई गिरावट नहीं आई।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में हर महीने औसतन करीब 5 करोड़ रुपये हुंडी के जरिए दान के रूप में मिलते रहे। सरकार का कहना है कि यह मामला केवल चोरी की एक अलग घटना का है और इसे पूरे राम मंदिर ट्रस्ट की वित्तीय व्यवस्था या दान प्रबंधन से जोड़कर देखना सही नहीं है।

इंस्टाग्राम पर राहुल गांधी का एएमए

पीएम मोदी पर ऐसे कसा तंज

कहा मुझे और बैटमैन को किसी ने एक साथ नहीं देखा

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रात इंस्टाग्राम पर आयोजित 'आस्क मी एनीथिंग (एमए)' सत्र में युवाओं के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान उन्होंने गंभीर राजनीतिक मुद्दों के साथ-साथ हल्के-फुल्के और मजाकिया सवालों का भी जवाब दिया। बातचीत में झारखंड के छात्र आंदोलन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पालतू कुत्ते, पसंदीदा भाजपा नेता और संविधान की विचारधारा जैसे कई विषय शामिल रहे। एमए सत्र के दौरान एक यूजर ने राहुल गांधी से पूछा, 'क्या आप बैटमैन हैं?' इस पर राहुल गांधी ने हंसते हुए जवाब दिया, 'बस इतना समझ लीजिए कि मुझे और बैटमैन को किसी ने कभी एक ही कमरे में साथ नहीं देखा'। उनके इस जवाब पर सोशल मीडिया पर लोगों ने भी खूब प्रतिक्रिया दी।

झारखंड में छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि हर सरकार को छात्रों की बात सुननी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जब

उनसे पूछा गया कि हाल के छात्र आंदोलन से जुड़ा उनका पसंदीदा मीम कौन-सा है, तो राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'आधी रात को प्रधानमंत्री आवास से आए वीडियो सबसे अच्छे थे, जिनमें एक घबराए हुए प्रधानमंत्री को दिखाया गया था'। जब उनसे पूछा गया कि भाजपा में उनका पसंदीदा नेता कौन है, तो राहुल गांधी ने कैप्टन अमरिंदर सिंह का नाम लिया। उन्होंने कहा कि अमरिंदर सिंह से उनकी अच्छी बनती है और वे सैन्य इतिहास के अच्छे जानकार हैं। राहुल गांधी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हैलो अंकल अमरिंदर'। उनके इस बयान के बाद पंजाब की राजनीति में नई अटकलें भी शुरू हो गईं।

एक अन्य सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें उन सभी विचारधाराओं में रुचि है, जिन्होंने भारत के संविधान को आकार दिया। उन्होंने भगवान बुद्ध, गुरु नानक देव, बसवन्ना, शंकरदेव, बिरसा मुंडा, पेरियार, महात्मा फुले, नारायण गुरु, डॉ. भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी समेत कई महान व्यक्तित्वों का नाम लिया।

बातचीत के दौरान राहुल गांधी अपनी मां सोनिया गांधी के पालतू कुत्ते 'नूरी' को भी कैमरे के सामने लेकर आए। जब उनसे पूछा गया कि डॉग पैरेंट होने की सबसे अच्छी बात क्या है, तो उन्होंने कहा कि वे खुद डॉग पैरेंट नहीं हैं। राहुल गांधी ने कहा, 'हम जानवरों के मालिक नहीं हैं। हम इस धरती को उनके साथ साझा करते हैं। सभी जीवों को सम्मान, प्यार और स्नेह मिलना चाहिए'। इसके बाद उन्होंने मजाक में कहा, 'यह नूरी है, मेरी मां का कुत्ता। मां मुझसे नाराज होंगी कि मैंने इसे वीडियो में दिखा दिया, लेकिन अब जो होगा देखा जाएगा'।

राहुल गांधी ने एमए सत्र का लिंक सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि 'छात्रों और जेन-जी, मैं आपकी बात सुनने के लिए यहां हूं। इंस्टाग्राम पर मुझसे कुछ भी पूछिए, मैं जितने संभव होंगे, उतने सवालों के जवाब दूंगा'। यह पहल ऐसे समय में हुई है, जब राहुल गांधी हाल ही में नीट पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन करने वाले छात्रों से मिले थे।

उन्होंने संसद और सोशल मीडिया पर छात्रों के मुद्दों को लगातार उठाया है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़े राजनीतिक नेता भी हाल के समय में युवाओं तक पहुंच बनाने के लिए इंस्टाग्राम का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं।

700 से ज्यादा मामलों में दो 'पॉकेट गवाह' पड़े भारी

जमीन विवाद में डीआईजी तक पहुंची थी शिकायत

दोषी पाए जाने पर टीआई दिनेश वर्मा बने एसआई

इंदौर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। एक जैसे दो 'पॉकेट गवाह'। 700 से ज्यादा केस। और आखिरकार टीआई से एसआई। इंदौर पुलिस के चर्चित 'पॉकेट गवाह' विवाद में विभागीय जांच पूरी होने के बाद तत्कालीन खजराना टीआई और वर्तमान साइबर थाना प्रभारी दिनेश वर्मा पर बड़ी कार्रवाई हुई है। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने उन्हें इंस्पेक्टर (टीआई) पद से पदावनत कर सब-इंस्पेक्टर (एसआई) बना दिया।

वर्मा के ऊपर हुई कार्रवाई की वजह दो व्यक्तियों को कई बार सरकारी गवाह बनाए जाना माना जा रहा है। जांच में सामने आया कि जुआ, सट्टा, आबकारी और आर्म्स एक्ट समेत सैकड़ों मामलों में इरशाद और नवीन नाम के दो व्यक्तियों को बार-बार सरकारी गवाह बनाया गया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में उठे स्टॉक विटनेस विवाद के बाद चर्चा में आया था, जिसके बाद प्रदेशभर में ऐसे मामलों की जांच के निर्देश दिए गए थे। पॉकेट गवाहों को लेकर चल रही विभागीय जांच में इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने तत्कालीन खजराना टीआई और वर्तमान साइबर टीआई दिनेश वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की है।

जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद उन्हें टीआई के पद से डिमोट कर एसआई बना दिया गया है। मामला मीडिया में आने के बाद सामने आया। वर्मा पर 700 से ज्यादा मामलों में एक जैसे पॉकेट गवाह इरशाद और नवीन को तैयार करने का आरोप था। इनमें जुआ-सट्टा, शराब और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इनमें करीब 80 प्रतिशत मामलों में आरोपियों को सजा हो चुकी है।

आज हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा, शहर में लागू हुआ रूट डायवर्जन

हल्द्वानी, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के शनिवार को हल्द्वानी आगमन और रामलीला मैदान में होने वाली जनसभा को लेकर पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। जनसभा के दौरान लोगों की सुविधा और यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। यातायात पुलिस के अनुसार, रामपुर रोड से आने वाले सभी वाहन एचएन इंटर कालेज में खड़े किए जाएंगे। बरेली रोड से आने वाले वाहनों के लिए लक्ष्मी शिशु मंदिर, मंगलपड़ाव में व्यवस्था की गई है। खटीमा और सितारगंज की ओर से आने वाले वाहनों को गोलापार स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के फिटनेस केंद्र के सामने सड़क के बाईं ओर खड़ा कराया जाएगा।

पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाले वाहनों के लिए ठंडी सड़क (नहर मार्ग) और खालसा इंटर कालेज मैदान निर्धारित किया गया है। वहीं कालाढूंगी और रामनगर की ओर से आने वाले वाहनों को जेल रोड तिराहे से होते हुए पर्वतीय उत्थान मंच और लगन गार्डन में खड़ा कराया जाएगा। पुलिस ने लोगों से निर्धारित व्यवस्था का पालन करने और यातायात कर्मियों का सहयोग करने की अपील की है।

'फोरेंसिक लैब भरोसेमंद नहीं'

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने डीएनए रिपोर्ट पर स्वतंत्र जांच के दिए आदेश

भोपाल, 7 अगस्त (एजेंसियां)। हाई कोर्ट ने डीएनए रिपोर्ट में कट पेस्ट के जरिए गलत नाम दर्ज होने के मामले को गंभीरता से लिया है। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल और न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने भोपाल स्थित राज्य फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की पिछले पांच वर्षों में तैयार डीएनए और अन्य वैज्ञानिक रिपोर्टों में से 20 प्रतिशत रिपोर्टों की रैंडम जांच कराने के आदेश दिए हैं।

कोर्ट ने मुख्य सचिव को सात दिन के भीतर प्रदेश के बाहर के तीन वैज्ञानिक अधिकारियों की स्वतंत्र समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। समिति छह महीने में जांच पूरी करेगी। मामले की अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी। सुनवाई के दौरान एफएसएल की प्रभारी निदेशक डा ।हर्षा सिंह अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुईं। उन्होंने स्वीकार किया कि डीएनए रिपोर्ट में गलत नाम दर्ज होना कट पेस्ट की गलती के कारण हुआ हो सकता है।

इस पर कोर्ट ने गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि यदि एक मामले में ऐसी त्रुटि सामने आई है तो यह जांचना जरूरी है कि अन्य रिपोर्टों में भी ऐसी गलती तो नहीं हुई। मामला नर्मदापुरम जिले के साकेत इटारसी निवासी पंकज कुमार बिंदोलिया की आपराधिक अपील से जुड़ा है। पंकज ने पाक्सो विशेष न्यायालय द्वारा 16 मार्च, 2026 को सुनाई गई उम्रकैद की सजा को चुनौती दी है।

एसआईआर में मां को नोटिस मिलने पर भड़के कांग्रेस के पूर्व विधायक, दी अनशन की धमकी

ऊधमसिंह नगर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर में एसआईआर को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। बाजपुर और किच्छा के बाद अब रुद्रपुर में भी इसका विरोध तेज हो गया है। कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने उनकी मां के नाम पर एसआईआर में आपत्ति दर्ज कराई गई है, जिसके बाद उन्होंने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए विरोध किया और एसडीएम कार्यालय के बाहर आमरण अनशन की चेतावनी दी है। कांग्रेस नेता ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत नाम, पते और मैपिंग में गड़बड़ियों को लेकर जारी किए गए नोटिसों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर बड़े पैमाने पर फर्जी आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। उनकी माताजी के नाम को लेकर भी नोटिस जारी किया गया है, जिस पर उन्होंने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई।

राजकुमार ठुकराल ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान कुछ लोगों द्वारा बड़ी संख्या में आपत्तियां दर्ज कराई जा रही हैं, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक की उनकी माता के नाम पर भी आपत्ति दर्ज की गई है।

उन्होंने इस पूरे मामले को लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर बड़ा सवाल बताया और निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए जल्द निस्तारण की मांग की है। पूर्व विधायक ने चेतावनी दी कि यदि अगर जल्द इसे लेकर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वह जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर आमरण अनशन शुरू करेंगे। ठुकराल ने कहा कि प्रदेश में एसआईआर का काम बीएलओ बहनों ने बहुत अच्छी तरीके से किया है। जो पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही थी उनके काम पर भरोसा न करके आज एक राजनैतिक दल द्वारा आपत्तियां लगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक आपत्तियों को लेकर जिला प्रशासन एक क़दम भी आगे नहीं बढ़ा है।

आतंकी लिटरेचर पर सरकार का बड़ा एक्शन: 114 मैगजीन, किताबें और डिजिटल कंटेंट जब्त

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने उग्रवादी दुष्प्रचार और भड़काऊ सामग्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राज्य के गृह विभाग ने आतंकी संगठनों से जुड़ी 114 चरमपंथी पत्रिकाओं, ट्रेनिंग मैनुअल और डिजिटल सामग्रियों को जब्त करने का आदेश जारी किया है। इस बैन के दायरे में इस्लामिक स्टेट, हिज्ब-उल-मुजाहिद्दीन पीर पंजाल रेजिमेंट और भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा जैसे खूंखार आतंकी संगठनों का लिटरेचर शामिल है। यह पूरी कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनसीसी), 2023 की धारा 98(1) के तहत गुरुवार को जारी एक सरकारी नोटिफिकेशन के जरिए की गई है। इंटेलिजेंस इनपुट और महाराष्ट्र एटीएस की गहन जांच के बाद यह कदम उठाया गया। जांच में साफ हुआ था कि किताबों, दस्तावेजों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसी खतरनाक सामग्री का लगातार प्रचार-प्रसार किया जा रहा था और लोग इन्हें अपने पास रख भी रहे थे।

सरकार के नोटिफिकेशन में कहा गया है कि यह प्रतिबंधित साहित्य युवाओं में कट्टरपंथ को बढ़ावा देता है, उनका ब्रेनवॉश करता है और आतंकी गिरोहों में नई भर्ती का जरिया बनता है। महाराष्ट्र एटीएस के एडिशनल पुलिस महानिदेशक ने 17 मार्च को सरकार को एक चिट्ठी लिखकर इन आतंकवादी संगठनों से जुड़े प्रचार साहित्य को तुरंत जब्त करने का सुझाव दिया था, जिसके बाद सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है। गृह विभाग के मुताबिक, भले ही इन आतंकी गिरोहों के मुख्य संगठन सीधे भारत से काम न कर रहे हों, लेकिन इनके पब्लिकेशन और डिजिटल कंटेंट महाराष्ट्र में पाए गए हैं। साहित्य पर यह बैन लगने से अब राज्य की सुरक्षा एजेंसियों को इसे फैलाने और पढ़ने वाले लोगों पर शिकंजा कसने में काफी मदद मिलेगी।

एटीएस की रिपोर्ट के हवाले से एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये संगठन खुफिया तरीके से मुस्लिम युवाओं को भड़काने और उन्हें कट्टरपंथी बनाने की साजिश में लगे हुए थे। प्रतिबंधित साहित्य का एक बड़ा हिस्सा 'वॉइस ऑफ खुरासान' के 45 एडिशन हैं, जिन्हें आईएसआईएस से जुड़े अल-अजैम मीडिया द्वारा छापा गया है। इसके अलावा 'आर यू स्टिल सिटिंग?', 'व्हाई शुड यू जॉइन द इस्लामिक स्टेट', अल-बायन रेडियो द्वारा ब्रॉडकास्ट 'निदा-ए-खुरासान' और 'तौहीद लेक्चर्स' पर भी पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

मध्य प्रदेश के 48 जिलों में सूखे के हालात सरकार राहत पैकेज दे : जीतू पटवारी

भोपाल, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में अपेक्षा के अनुरूप या यूं कहें औसत वर्षा नहीं हुई है, जिससे खेती किसानी प्रभावित हो रही है। राज्य की कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि राज्य के 48 जिलों में सूखे जैसे हालात है, लिहाजा सरकार को राहत पैकेज देना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि किसानों को कीट नियंत्रण की दवाएं निशुल्क उपलब्ध करवाएं। साथ ही फसल बीमा के दावों का त्वरित भुगतान, समय-सीमा घोषित हो। राज्य की स्थिति को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मध्य प्रदेश के 48 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। धान, सोयाबीन और मक्का की फसलें बारिश की कमी और कीट प्रकोप से बर्बादी की ओर बढ़ रही हैं।"

कम वर्षा होने के कारण राज्य के अलग-अलग हिस्सों में प्रभावित हो रही खेती की चर्चा करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि जबलपुर में धान के खेतों में दरारें पड़ चुकी हैं और उज्जैन संभाग में सोयाबीन पर इल्ली

का हमला किसानों की मेहनत निगल रहा है। सरकार मौसम का इंतजार न करे, अपनी जिम्मेदारी भी निभाए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने राज्य सरकार से मांग की है कि प्रभावित जिले में विशेष गिरदावरी, फसल सर्वे करवाया जाए। कीट नियंत्रण की दवाएं किसानों को निशुल्क उपलब्ध करवाएं। साथ ही फसल बीमा के दावों का त्वरित भुगतान, समय-सीमा घोषित हो। संभावित नुकसान की भरपाई के लिए अग्रिम राहत पैकेज जारी किया जाए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की है कि किसान आसमान के साथ सरकार को भी देख रहा है। संकट आने के बाद नहीं, संकट बढ़ने से पहले सरकार किसानों के साथ खड़ी हो।

अरुणाचल के सीएम पेमा खांडू ने राज्य में चीनी घुसपैठ के दावों को किया खारिज

ईटानगर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने भारतीय सीमा में चीन की घुसपैठ के हालिया दावों को खारिज किया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि जमीनी स्तर पर ऐसी कोई घुसपैठ नहीं हुई है।

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हमें नहीं लगता है कि इस प्रकार से (चीन की ओर से) घुसपैठ हुई है। वहां पर हमारी भारतीय सेना तैनात है और हमारी सेना सीमा को नियंत्रित कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपने स्तर पर एक बार फिर इसका सत्यापन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, स्थानीय लोगों को मैंने बुलाया है। उनकी बातों को सुना जाएगा और बाद में भारतीय सेना से भी बात की जाएगी कि असल में क्या हुआ है।

इस तरह मैं अपने स्तर पर एक बार फिर इसका सत्यापन करूंगा। उनके यह बयान ऐसे समय आया है, जब सोशल मीडिया पर एलएसी के पास अरुणाचल प्रदेश में घुसपैठ की खबरें चल रही हैं। पिछले महीने, अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री मामा नटुंग ने चीनी घुसपैठ के दावों को खारिज किया था। साथ ही, उन्होंने मीडिया से अपील की थी कि

वे ऐसी खबरें सार्वजनिक करने से पहले उनकी सच्चाई की जांच कर लें। उन्होंने अपने एक बयान में कहा, अरुणाचल प्रदेश में कोई चीनी घुसपैठ नहीं हुई है। हमारे सैनिक भारत माता की रक्षा के लिए सीमाओं पर चौबीसों घंटे तैनात हैं। मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि चीन की हिम्मत नहीं है कि वह भारतीय इलाके में एक इंच भी आगे बढ़ सके।

ये दावे सिर्फ अफवाहें हैं और इन पर यकीन नहीं किया जाना चाहिए। वहीं, जून में भारतीय सेना ने चीनी घुसपैठ की खबरों का खंडन किया था। दावे किए गए थे कि चीन की पीएलए ने अरुणाचल प्रदेश में घसुपैठ करके कैंप बनाए हैं। भारतीय सेना ने इन दावों को 'गलत और बेबुनियाद' बताया था।

महिला ने दो मासूम बच्चों संग 60 फीट गहरे कुएं में लगाई छलांग, तीनों की मौत

बड़वानी, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बड़वानी के वरला थाना क्षेत्र के दुगानी गांव के रामजी फलिया में गुरुवार को एक महिला ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ 60 फीट गहरे कुएं में छलांग लगा दी। घटना में महिला और दोनों बच्चों की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बच्चों के फेफड़ों में पानी भर गया, जबकि महिला की भी पानी में दम घुटने से मृत्यु हुई। मृतकों की पहचान माया (25) पत्नी प्रदीप कनोजे, तीन वर्षीय बेटी सलोनी और डेढ़ वर्षीय बेटे अयान के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण कुएं के पास एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर वरला थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से तीनों को कुएं से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

इसके बाद पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए वरला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मां और दोनों मासूम बच्चों के शव देखकर परिवार में शोक का माहौल छा गया। गांव की महिलाओं की चीख-पुकार से पूरा क्षेत्र गमगीन हो गया। आसपास मौजूद ग्रामीण परिजनों को ढांढस बंधाते नजर आए। एसडीओपी अजय वाघमारे ने बताया कि तीनों शवों को वरला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पोस्टमॉर्टम कक्ष में रखवाया गया है।

तृषा पर सीएम विजय ने उदयनिधि स्टालिन को दे दिया जवाब

'मैं ओछी राजनीति में नहीं पड़ना चाहता'

चेन्नई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु और कर्नाटक में कावेरी नदी के पानी को लेकर विवाद जारी है। इस बीच सीएम विजय ने कहा कि कावेरी मुद्दे को कानूनी तरीके से सुलझाने पर अडिग हूं, इसमें कोई बदलाव नहीं है। सीएम ने इशारों में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन के विवादित बयान पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ''मैं ओछी राजनीति में नहीं पड़ना चाहता।'' स्टालिन ने पिछले दिनों तंजावुर में कावेरी मुद्दे पर भाषण दिया था। इस दौरान भीड़ ''तृषा, तृषा'' के नारे लगा रही थी, तो उन्होंने एक अश्लील और द्विअर्थी टिप्पणी की थी।

इस बयान के बाद टीवीके और बीजेपी के नेताओं ने काफी आलोचना की। बाद में पुलिस ने शिकायत के आधार पर उदयनिधि स्टालिन को हिरासत में ले लिया और पूछताछ की। हालांकि हाई कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। सीएम ने कहा, "बेंगलुरु जाकर इस मुद्दे को हल करने की कोशिश करने के बारे में सोचा था। सोचा कि पड़ोसी राज्य के साथ बातचीत की जाए, क्योंकि कट्टर दुश्मन देश भी मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत करते हैं।" उन्होंने कहा, "तमिलनाडु के लोगों के लिए कावेरी मुद्दे पर बातचीत करने की कोशिश में मैं अपमान सहने को भी तैयार था।" विजय ने कांग्रेस के दिवंगत नेता का हवाला देते हुए कहा कि कावेरी मुद्दे को बेहद सावधानी और संवेदनशीलता के साथ संभालने की आवश्यकता है।

कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक में लंबे समय से संघर्ष चला आ रहा है। तमिलनाडु के सीएम ने विधानसभा चुनाव के दौरान मुद्दे को सुलझाने का वादा किया था। डीएमके विधायक उदयनिधि स्टालिन ने कहा, कर्नाटक मेकेदातु बांध बनाने के लिए उत्सुक है। इस मुद्दे पर कर्नाटक सरकार आगे बढ़ रही है। कर्नाटक सरकार की तरह, हमें भी यह दिखाना चाहिए कि हम मेकेदातु बांध के निर्माण के खिलाफ एकजुट हैं।

तमिलनाडु में सभी राजनीतिक दल सरकार से मेकेदातु बांध के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रहे हैं। हर कोई पूछ रहा है कि तमिलनाडु सरकार इस मामले पर सर्वदलीय बैठक बुलाने से क्यों बच रही है।" उन्होंने कहा, "तमिलनाडु के कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विजय कर्नाटक का दौरा करेंगे, जबकि एक अन्य मंत्री ने कहा कि मामला अभी विचाराधीन है।

बाद में, कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को कर्नाटक नहीं आना चाहिए। क्या आप सर्वदलीय बैठक बुलाएंगे या नहीं? क्या मुख्यमंत्री कर्नाटक का दौरा करने की योजना बनाएंगे या नहीं? अपने चुनावी वादों में आपने कहा था कि किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। अगर आप कहते हैं कि और समय चाहिए, तो आपको यह स्पष्ट करना चाहिए कि कितना समय लगेगा।

सीएम उमर ने इल्तिजा के ख़िलाफ़ एफआईआर को 'फिक्स्ड मैच' बताया

आरोप लगाया कि एजेंसियां पीडीपी की साख बचाने की कोशिश कर रही हैं

श्रीनगर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ़्ती (पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती की बेटी) के ख़िलाफ़ पुलिस एफआईआर को फिक्स्ड मैच बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी पार्टी की छवि कमज़ोर होती है, एजेंसियां उसे बचाने और उसकी साख बहाल करने की कोशिश करती हैं। जम्मू में पत्रकारों से बात करते हुए, जब इल्तिजा मुफ़्ती के ख़िलाफ़ दर्ज एफआईआर के बारे में पूछा गया तो उमर ने कहा, इस फिक्स्ड मैच पर मुझसे कोई टिप्पणी मत मांगिए। मुख्यमंत्री ने कहा, 'बनती है' वाली टिप्पणी के बाद पीडीपी की छवि बहुत कमज़ोर हो गई थी और अब एजेंसियां, जिन्होंने पार्टी बनाई थी, उसे बचाने के लिए आगे आई हैं। उन्होंने कहा कि पीडीपी अपने आप नहीं बनी थी।

इसे एजेंसियों ने बनाया था। जब भी उनकी छवि कमज़ोर होती है, एजेंसियां उनकी साख बहाल करने की कोशिश करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, अब आप ही बताइए, क्या इल्तिजा मुफ़्ती पांच साल की बच्ची हैं जो किसी को काट लेंगी? पांच साल का बच्चा भी जानता है कि वे किसी को काट नहीं सकते। यह एक फिक्स्ड मैच है और वे लोगों को बेवकूफ़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे (महबूबा मुफ़्ती की) 'बनती है' वाली टिप्पणी को भूल जाएं। अनुच्छेद 370 को हटाने की सातवीं बरसी से ठीक पहले श्रीनगर में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस अधिकारी के साथ कथित मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने इल्तिजा मुफ़्ती से पूछताछ की है। पुलिस का आरोप है कि इल्तिजा ने एक पुलिस अधिकारी के साथ मारपीट की, जब वह अपनी ड्यूटी कर रहा था।

कोठीबाग पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के तहत एफआईआर (नंबर 63/2026) दर्ज की गई है। एफआईआर में इल्तिजा के अलावा पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ़्ती का भी नाम है, जो विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही थीं। एफआईआर में धारा 132 (सरकारी कर्मचारी को ड्यूटी करने से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 121 (सरकारी कर्मचारी को ड्यूटी से रोकने के लिए जानबूझकर चोट पहुंचाना) और 191(2) (दंगा करना) लगाई गई हैं।

अमेरिका में पहली बार 'बर्थ टूरिज्म' पर रोक

यहां पैदा हुए विदेशियों के बच्चे को नागरिकता नहीं मिलेगी, ट्रम्प बोले- बर्थराइट सिटीजनशिप मजाक बनी

वॉशिंगटन, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर अमेरिका में जन्म लेने वाले लोगों को नागरिकता मिलने के दायरे को सीमित करने की कोशिश की है। राष्ट्रपति ने बताया कि उन्होंने इमिग्रेशन से जुड़े दो कार्यकारी आदेश साइन किए हैं। इनमें से एक अमेरिका में पैदा होने वाले उन लोगों की संख्या को सीमित करेगा, जो यहां नागरिकता पाने के हकदार हैं।

ट्रम्प ने बताया कि दूसरा आदेश 'बर्थ टूरिज्म' पर लगाम लगाने के लिए है। इसके तहत उन विदेशी पर्यटकों पर वीजा प्रतिबंध बढ़ाए जाएंगे, जो अमेरिका में आकर बच्चे को जन्म देना चाहते हैं।

इससे पहले बर्थराइट सिटीजनशिप को सीमित करने की कोशिश को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था, लेकिन अब वे दोबारा इसके लिए कोशिश कर रहे हैं।

इन आदेशों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। ट्रम्प का मानना है कि उनके ये नए कदम संवैधानिक होंगे। इससे पहले जून

में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बर्थराइट सिटीजनशिप को बरकरार रखा था। कोर्ट ने ट्रम्प के उन पिछले प्रयासों को खारिज कर दिया था, जिनमें उन्होंने यह घोषित करने की कोशिश की थी कि अमेरिका में अवैध अस्थायी रूप से रह रहे लोगों के बच्चे अमेरिकी नागरिक नहीं हैं।

कोर्ट ने कहा था कि अमेरिका में गैर-कानूनी या अस्थायी रूप से मौजूद लोगों के बच्चे अपने-आप अमेरिकी नागरिकता पाने के हकदार हैं। कोर्ट ने 'यूनाइटेड स्टेट्स बनाम वोंग किम आर्क' मामले में अपने पहले के फैसले का भी हवाला दिया और कहा कि विदेशी माता-पिता से अमेरिका में पैदा हुए बच्चे इसके हकदार हैं।

व्हाइट हाउस के सलाहकार स्टीफन मिलर ने कहा कि ये एग्जीक्यूटिव एक्शन 14वें संशोधन के मूल मकसद पर आधारित हैं। अमेरिकी संविधान में किया गया 14वां संशोधन खास तौर पर गृह युद्ध के बाद इसलिए बनाया गया था, ताकि यह पक्का किया जा सके कि गुलामों के बच्चे नागरिक बन सकें। इसका उद्देश्य हर विदेशी नागरिक के बच्चे को स्वतः नागरिकता देना नहीं था।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति, ऐसी नागरिकता के लिए अयोग्य लोगों की कैटेगरी का दायरा बढ़ाने के लिए कमांडर-इन-चीफ के तौर पर अपने अधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वीजा मिलने में कठिनाई, कैंसिलेशन: अमेरिकी कॉन्सुलर अधिकारी अब उन सभी वीजा को खारिज या रद्द कर सकते हैं, जिन्हें लेकर संदेह होगा कि वे अमेरिका केवल बच्चा पैदा करने आ रहे हैं। सरकार ने एजेंसियों को इस मुद्दे पर सतर्क रहने को कहा है।

वीजा फ्रॉड का जोखिम बढ़ेगा: कोई व्यक्ति टूरिस्ट वीजा (बी-1/बी-2) पर यह कहकर अमेरिका जाता है कि वह घूमने आ रहा है, लेकिन उसका असली मकसद बच्चे को जन्म देना है, तो इसे 'वीजा फ्रॉड' माना जाएगा। ऐसे लोगों की यूएस में आजीवन एंट्री बैन की जा सकती है।

दायरा बढ़ेगा: यह आदेश केवल टूरिस्ट तक ही सीमित नहीं है। नए नियमों के अनुसार, विदेशी डिप्लोमैट्स (राजनयिकों), विदेशी सरकारों के लिए लॉबिंग करने वाले लोगों, और 'एलियन एनिमीज', जिन्हें ट्रम्प सरकार दुश्मन मानती है, उनके बच्चों की नागरिकता पर भी सीधा प्रभाव पड़ सकता है।

थाईलैंड में 9वीं के छात्र ने स्कूल में फायरिंग की

पहले घर पर दादा-दादी की हत्या की, फिर स्कूल में 6 को मारा

बैंकॉक, 7 अगस्त (एजेंसियां)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के पास एक हाई स्कूल में 9वीं कक्षा के छात्र ने शुक्रवार को अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में 3 टीचर और 3 छात्रों समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। इनमें दो की हालत गंभीर है।

पुलिस के मुताबिक, घटना नोंथाबुरी प्रांत के डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल की है। जांच में पता चला कि स्कूल जाने से पहले छात्र ने अपने घर में दादा-दादी की हत्या की थी। बाद में दोनों के शव घर से बरामद हुए।

पुलिस ने बताया कि फायरिंग में इस्तेमाल की गई 9 एमएम पिस्टल छात्र के दादा की थी, जो पेशे से शिक्षक थे। हमले के बाद आरोपी छात्र भी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस का कहना है कि छात्र ने यह वारदात क्यों की, इसकी जांच की जा रही है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने घटना पर दुख जताते हुए घायलों के इलाज और पीड़ित

परिवारों को हरसंभव मदद देने के निर्देश दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही गोलियों की आवाज आई, छात्र अपनी जान बचाने के लिए क्लासरूम में छिप गए। कुछ देर बाद पुलिस ने दरवाजा खटखटाकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

घटना के बाद स्कूल में अफरा-तफरी मच गई और बाहर मौजूद लोग एक-दूसरे को संभालते नजर आए। थाईलैंड में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर गोलीबारी की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं के बाद थाई सरकार ने हथियारों की उपलब्धता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की निगरानी बढ़ाने की बात कही थी। इसके बावजूद समय-समय पर ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं, जिससे स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

थाईलैंड में आम लोगों के लिए गन कानून कितने सख्त हैं?

थाईलैंड में आम लोग बंदूक रख सकते हैं, लेकिन इसके लिए सरकार से लाइसेंस लेना जरूरी होता है। बिना लाइसेंस बंदूक रखना या खरीदना गैरकानूनी है। लाइसेंस तभी मिलता है, जब व्यक्ति तय नियमों पर खरा उतरता हो और उसके पास बंदूक रखने की ठोस वजह हो, जैसे आत्मरक्षा, खेल या शिकार।

बंदूक खरीदने के नियम क्या हैं?

बंदूक खरीदने और उसे अपने नाम पर रखने के लिए अलग-अलग सरकारी मंजूरी लेनी पड़ती है। लाइसेंस देने से पहले पुलिस आवेदक की उम्र, आपराधिक रिकॉर्ड, मानसिक स्थिति और बंदूक रखने की वजह की जांच करती है। लाइसेंस मिलने के बाद भी बंदूक घर में ही रखी जा सकती है। उसे सार्वजनिक जगह पर लेकर चलने के लिए अलग परमिट लेना पड़ता है, जिस पर पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने और सख्ती की है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी छात्र ने परिवार के किसी सदस्य की लाइसेंस वाली बंदूक से फायरिंग की। इसके बाद फिर वही सवाल उठ रहा है कि घर में रखे हथियार बच्चों और किशोरों की पहुंच से कितने सुरक्षित हैं।

हूती विद्रोहियों का यमन और सऊदी अरब पर हमला

यमन के 58 सैनिकों की मौत, सऊदी में 11 घायल, कई जगह आग लगी

तेहरान, 7 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को सऊदी अरब और यमन में एक साथ बड़े हमले किए। पहला हमला यमन सरकार के मिलिट्री ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हुआ, जिसमें 58 सैनिकों की मौत हुई और दर्जनों घायल हो गए। यमन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सही समय और सही जगह पर जवाब दिया जाएगा।

दूसरा हमला सऊदी के नजरान में हुआ, जिसमें 11 नागरिक घायल हुए। इनमें 7 सऊदी, एक यमनी, दो मिस्री, एक पाकिस्तानी नागरिक है। वहीं, एक 4 साल का एक बच्चा भी घायल हुआ है। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई।

ईरान के एक सांसद ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच ओमान के जरिए बातचीत चल रही है। उनके मुताबिक, अमेरिका सीधे बातचीत करने के बजाय ओमान को मध्यस्थ बनाकर आगे कर रहा है। सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने कहा कि प्रस्ताव के तहत होर्मुज स्ट्रेट का प्रबंधन ईरान के हाथ में होगा।

वहां से गुजरने वाले जहाजों से माल की कीमत का 7% टैक्स लिया जाएगा, जिसमें 75% हिस्सा ईरान और 25% हिस्सा ओमान को मिलेगा। यह दावा ऐसे समय आया है जब होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा और समुद्री व्यापार पूरी दुनिया, खासकर भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए बेहद अहम मुद्दा बना हुआ है। यमन के हूती विद्रोहियों के ताजा हमले सिर्फ वहां के गृहयुद्ध तक सीमित नहीं हैं। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के साथ हूती भी हमले तेज कर रहे

हैं। इसकी वजह ईरान और हूतियों के बीच लंबे समय से बने रिश्ते हैं। हूती (अंसार अल्लाह) यमन का शिया विद्रोही संगठन है। 2014 में उसने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। तब से वह यमन की सरकार और सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ लड़ रहा है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों का आरोप है कि ईरान हूतियों को हथियार, ड्रोन और मिसाइल तकनीक मुहैया कराता है। जब भी अमेरिका या इजराइल ईरान पर सैन्य दबाव बढ़ाते हैं, हूती अपने हमले तेज कर देते हैं। इसका मकसद विरोधी देशों को एक साथ कई मोर्चों पर उलझाए रखना होता है, ताकि ईरान पर पड़ने वाला दबाव कम किया जा सके।

कैलिफोर्निया के जंगल में मिली भारतीय छात्र की लाश

कैलिफोर्निया, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया पुलिस के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि बिग पाइन लेक्स क्षेत्र में अकेले हाइकिंग पर गए यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सांता बारबरा के भारतीय मूल के पीएचडी छात्र विक्रम मुबायी की मौत हो गई है। केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थी विक्रम मुबायी का शव इन्यो नेशनल फॉरेस्ट से बरामद किया गया है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित बिग पाइन लेक्स क्षेत्र में हाइकिंग के दौरान लापता हुए यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सांता बारबरा के भारतीय मूल के पीएचडी छात्र विक्रम मुबायी का शव बरामद हुआ है।

पाकिस्तान को बड़ा झटका : बलूचिस्तान के सोने और कॉपर की खदान से भागने जा रहा चीन

बलूचों की जीत

इस्लामाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका से लेकर चीन तक को बलूचिस्तान के सोने और दुर्लभ खनिजों का लालच दे रहे पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री हाफिज पाशा ने खुलासा किया है कि चीन आतंकवाद और सुरक्षा चिंताओं के कारण बलूचिस्तान के सैंदक कॉपर-गोल्ड खदान से बाहर हो सकता है। अनुमान है कि बलूचिस्तान के इस सैंदक खदान में 278 मिलियन टन कॉपर और गोल्ड का भंडार मौजूद है। पाशा ने एक इंटरव्यू में यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान में नया निवेश आने की बजाय बड़े विदेशी निवेशक यहां से भाग रहे हैं। पाशा का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर भीषण हमले हुए हैं।

हाफिज पाशा ने कहा, 'शेल, प्रॉक्टर एंड गैंबल और कई दवा कंपनियां पाकिस्तान छोड़कर जा

चुकी हैं। आतंकवाद की वजह से पैदा हुआ खतरा विदेशी निवेशकों को आने से रोक रहा है।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका से 10 अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज मांग रहा है लेकिन यह उसकी मदद नहीं कर पाएगा। पाशा ने कहा, 'पाकिस्तान एक बड़े परिवार की तरह से है जिसे अचानक से कहीं से बड़ा बोनस मिलता है और वह उड़ाने लगती है। यह पाकिस्तान की कहानी है।' यह पूछे जाने पर कि पाकिस्तान एक स्थिर विकास और मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश क्यों नहीं बन पा रहा है, इस पर पाशा ने कहा कि इसके पीछे सत्ता पर काबिज एलिट हैं। बता दें कि जुलाई महीने में ही चीनी कंपनी सैंदक मेटल लिमिटेड ने पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री को एक पत्र लिखकर चेतावनी दी थी कि अगर बलूचिस्तान में सुरक्षा के हालात की वजह से सप्लाई बाधित रही और हालात खराब हुए तो वह एक महीने में अपना काम बंद कर देगी। कंपनी ने कहा कि बलूचिस्तान में अभी सुरक्षा खतरे के की वजह से जरूरी सामानों का आवागमन नहीं हो पा रहा है। चीनी कंपनी ने अपने पत्र में कहा कि जरूरी सप्लाई नहीं मिलने की वजह से उसे अपना काम बंद करना पड़ सकता है।

उमरा करने पहुंचे शहबाज-मुनीर

खोला गया काबा का सोने का गेट, भड़के पाकिस्तानी, लगाई फटकार

इस्लामाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर फिलहाल सऊदी अरब के दौरे पर हैं। वह एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन दिन की सरकारी यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे हैं। इस यात्रा का मकसद ईरान में अमेरिका हमलों के चलते रेड सी से होर्मुज स्ट्रेट तक फैले संघर्ष पर चर्चा बताया गया है। अपने दौरे के दौरान पाकिस्तानी डेलीगेशन ने उमरा किया है। इस पर पाकिस्तानियों ने कई तरह की प्रतिक्रिया दी है। कई पाकिस्तानियों ने इसे सरकारी पैसे का दुरुपयोग कहा है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को सऊदी अरब की अपनी यात्रा के दौरान असीम मुनीर और दूसरे मंत्रियों के साथ उमरा किया। उमरा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं तो पाकिस्तानियों ने याद दिलाया कि

उनको देश की समस्याओं पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। महनूर अलीना ने एक्स पर लिखा, 'आप हमारे टैक्स के पैसे से उमरा कर रहे हैं और यहां लोगों को बिजली तक नहीं मिल रही है। पहले हमारे काम पूरे कीजिए, फिर उमरा पर जाइए। इस्लाम भी हमें यही सिखाता है।' कई दूसरे यूजर्स ने भी इसी तरह की बातें कही हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, शहबाज शरीफ, असीम मुनीर और प्रतिनिधिमंडल ने मस्जिद-अल-हरम का दौरा करते हुए वहां नमाज अदा की और फिर उमरा की रस्म अदा कीं। इस दौरान शहबाज और उनके मंत्रिमंडल को काबा के अंदर जाने का मौका मिला। पाकिस्तानी डेलीगेशन के लिए खासतौर से दरवाजा खोला गया।

मक्का में पवित्र काबा का सुनहरा दरवाजा आम लोगों के लिए नहीं खोला जाता है। यह दरवाजा आमतौर पर साल में सिर्फ दो बार एक खास रस्म के तहत धोने और सफाई के लिए खोला जाता है। इस मौके पर बड़े अधिकारी और बनी शैबा परिवार के पारंपरिक चाबी-रखने वाले मौजूद होते हैं। पाकिस्तानी डेलीगेशन के लिए खासतौर से दरवाजा खुला है।

पाकिस्तानी डेलीगेशन की सऊदी अरब की यह यात्रा काफी अहम मानी जा रही है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पाकिस्तान और सऊदी अरब अपनी रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब पाकिस्तान के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक है। दोनों देशों के बीच एक विशेष रक्षा समझौता भी है। शहबाज शरीफ की रियाद में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात होनी है। पाकिस्तान का कहना है कि बातचीत का मकसद दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों के आदान-प्रदान पर होगा।

मलेरिया से आदिवासी महिला की मौत

विधायक बोले- समय रहते रोकथाम के लिए तैयारी नहीं की गई, जिले में 40 से ज्यादा मरीज

बिलासपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मलेरिया का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कोटा क्षेत्र की 37 साल के बैगा महिला की मलेरिया से मौत की पुष्टि हुई है। जिले में अब तक मलेरिया के 40 मरीज मिल चुके हैं, जिनमें से 18 मरीज वर्तमान में एक्टिव हैं। इस बीच, स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को लेकर विधायक अटल श्रीवास्तव ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मलेरिया की रोकथाम के लिए समय रहते पर्याप्त तैयारी नहीं की गई, जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण लगातार फैल रहा है। उन्होंने प्रभावित गांवों में तत्काल मेडिकल टीम भेजने, व्यापक स्क्रीनिंग कराने, दवाओं का वितरण सुनिश्चित करने और युद्ध स्तर पर मलेरिया रोकथाम अभियान चलाने की मांग की है।

'भारत आईएसआई से डरा हुआ है'

शेख हसीना के बेटे ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी पर दी चेतावनी तो बौखलाया पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सरकार ने बांग्लादेश में आईएसआई के प्रभाव की बात को नकार दिया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि शेख हसीना और उनके बेटे भारत के संपर्क में हैं, इसलिए भारत जैसे आरोप उनके देश की एजेंसी पर लगा रहे हैं। इसमें हकीकत में कोई सच्चाई नहीं है। दरअसल 5 अगस्त को दिल्ली से शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में ढाका में आईएसआई के प्रभाव का मुद्दा उठा था, जिस पर इस्लामाबाद से यह प्रतिक्रिया आई है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से सवाल किया गया कि शेख हसीना के बेटे साजिब वाजेद ने ढाका में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के दखल का आरोप लगाया है। इस पर ताहिर ने कहा कि बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों के आपसी आरोपों से पाकिस्तान का कोई मतलब नहीं है। पाकिस्तान उनके अंदरूनी मामले में दखल नहीं देगा। जहां तक शेख हसीना या उनके बेटे की बात है तो भारत से नजदीकी की वजह से वह ऐसी बात कर रहे हैं।

शेख हसीना के बेटे का पाकिस्तान की आईएसआई को बांग्लादेश में खुली छूट मिलने की बात कहना गलत है। भारत आईएसआई को लेकर आशंकित रहता है। ऐसा लगता है कि भारत में रहने की वजह से उन्हें भी यह सोच लग गई है।

शेख हसीना के अमेरिका में रहने वाले बेटे साजिब ने 5 अगस्त को वर्चुअल प्रेस मीट में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की आईएसआई को बांग्लादेश में खुली छूट मिली हुई है। साजिब ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) का बांग्लादेश में काफी ज्यादा प्रभाव है। साजिब ने प्रेस मीट में बोलते हुए कहा कि पाकिस्तान की आईएसआई बांग्लादेश में काम कर रही है। हमारी सरकार में गिरफ्तार किए गए सैकड़ों मिलिटेंट रिहा हो गए हैं।

पाकिस्तान की खेती से लेकर पर्यावरण तक खतरे में

सिंधु जल संधि पर डरे पाकिस्तानी एक्सपर्ट, दी चेतावनी

इस्लामाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर के पहलगाम में बीते साल अप्रैल में आतंकी हमले के बाद भारत ने कई कदम उठाने का ऐलान किया था। इसमें एक अहम फैसला पाकिस्तान के साथ छह दशक पुरानी सिंधु जल संधि से अलग होने का था। भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने पर पाकिस्तान में लगातार छटपटाहट देखी गई है। इस पर ना सिर्फ पाकिस्तानी सरकार और सेना के लोग बल्कि एक्सपर्ट भी बोल रहे हैं। अब पाकिस्तानी एक्सपर्ट अली मेहर ने अपने विश्लेषण में इसके नतीजों पर बात की है। उन्होंने अपनी सरकार को चेताते हुए बताया है कि पकिस्तान को खेती और दूसरे क्षेत्रों में इससे भारी नुकसान हो सकता है।

अली मेहर का कहना है कि सिंधु संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले ने उस ढांचे को कमजोर किया है, जो अस्थिर द्विपक्षीय संबंधों में भी निश्चितता, पारदर्शिता और कानूनी ढांचा देता था। यह कदम सिर्फ पानी के बंटवारे पर असर नहीं डालता। यह उस दुर्लभ संस्थागत पुल को भी खतरे में डालता है, जो युद्धों, सीमा संकटों और कूटनीतिक रिश्तों के टूटने के बावजूद काम करता रहा।

अली का कहना है कि सिंधु संधि पर एकतरफा कार्रवाई प्रक्रिया के अनुशासन को खत्म कर देती है। यह अनिश्चितता और संस्थागत बातचीत की जगह रणनीतिक संकेत ले आती है।

जापान के हिरोशिमा पर अमेरिकी परमाणु हमले के 81 साल पूरे

पीएम तकाइची का एटम बम पर बड़ा ऐलान

टोक्यो, 7 अगस्त (एजेंसियां)। जापान ने गुरुवार को हिरोशिमा शहर में अमेरिका के परमाणु हमले की 81वीं बरसी मनाई है। इस समारोह में अमेरिका और ईरान समेत करीब 120 देशों के प्रतिनिधियों सहित करीब 50,000 लोगों के शामिल होने की बात कही गई है। हिरोशिमा में सुबह 8:15 बजे एक मिनट का मौन रखा गया और शांति के लिए विशेष घंटी बजाई गई। यही वह समय था, जब 6 अगस्त, 1945 को अमेरिकी B-29 विमान ने शहर पर परमाणु बम गिराकर बुरी तरह से तबाही मचाई थी।

इस मौके पर हिरोशिमा शहर के मेयर काजुमी मात्सुई ने युद्ध छेड़ने वाले बड़े देशों की आलोचना की और उनसे परमाणु हथियारों को 'डिटरेंस' (हमले से बचाव का तरीका) के तौर पर रखने को सही ठहराना बंद करने की अपील की। उन्होंने कहाकि परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया का सपना दूर होता जा रहा है। दुनिया को अतीत से सबक लेने की जरूरत है।

परमाणु हथियारों की अमानवीयता को कम करके आंकना और अपनी समृद्धि के लिए, ताकत का इस्तेमाल करना हिंसक जवाबी कार्रवाई के ऐसे चक्र को जन्म दे सकता है, जिसका नतीजा आखिरकार एक और हिरोशिमा या नागासाकी हो सकता है। प्रधानमंत्री के तौर पर पहली बार इस स्मारक समारोह में शामिल हुईं सनाए तकाइची ने कहा कि वह परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने वाली संयुक्त राष्ट्र की संधि के दायरे में रहते हुए ऐसी दुनिया बनाने की दिशा में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएंगी, जहां परमाणु हथियारों का कभी इस्तेमाल ना हो। ये समारोह ऐसे समय हुआ है, जब जापान गैर-परमाणु सिद्धांतों में ढील दे सकता है।

सुखोई एसयू-57 के लिए बंद हुआ रास्ता?

फ्रांस से राफेल की खरीद करेगा भारत, पुतिन को बड़ा झटका

मॉस्को, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारत फिलहाल रूसी सुखोई एसयू-57 लड़ाकू विमान को खरीदने की कोई योजना नहीं बना रहा है। इसे रूस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जो लंबे समय से भारत को सुखोई एसयू-57 का ऑफर दे रहा है। रूस इसके लिए एसयू-57 को भारत में बनाने, भारतीय जेट इंजन के विकास में सहयोग देने को भी तैयार है। इसके बावजूद भारत एसयू-57 से दूरी बनाए हुए है। वहीं, भारत की नजर फ्रांसीसी राफेल फाइटर जेट पर है, जिसे वायुसेना पहले से ही ऑपरेट कर रही है। इस खबर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जो युद्ध के कारण खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

डिफेंस सिक्योरिटी एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रूस के एसयू-57 फाइटर जेट खरीदने की कोई तत्काल योजना नहीं है। इसके बजाए, भारत अपने मौजूदा एसयू-30एमकेआई बेड़े को अपग्रेड कर रहा है और अतिरिक्त राफेल फाइटर जेट के अधिग्रहण को भी तैयार है। भारत अपने खुद के पांचवीं पीढ़ी के अडवांस मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोग्राम पर भी काम कर रहा है। इसकी पुष्टि रक्षा मंत्रालय के सचिव राजेश कुमार सिंह ने भी की है। उन्होंने कहा, नहीं, हमने सुखोई के बारे में नहीं सोचा है। हम उन मौजूदा सुखोई विमानों को अपग्रेड करने पर सक्रिय रूप से विचार कर रहे हैं जिनका उत्पादन हम रूसियों से मिले लाइसेंस के तहत कर रहे हैं। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि उनका देश भारत को एसयू-57 फाइटर जेट बेचने को तैयार है। पहले ऐसी रिपोर्ट थी कि भारत जल्द ही रूस से पांचवीं पीढ़ी के एसयू-57 फाइटर जेट की 36 से 40 यूनिट की खरीद कर सकता है।

ॐ पूर्णमद पूर्णमिन्द पूर्णिया पूर्णमुदच्यते।
धर्म-दर्शन-ज्योतिष-अध्यात्म
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूणमिवावशिष्यते।
स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद
शनिवार, 8 अगस्त- 2026

ब्रह्मा जी की ऋषियों को सीख

शिव पूजा के तीन सरल तरीके हैं- श्रवण, मनन और कीर्तन, अच्छी कथाएं पढ़ें-सुनें और उनके संदेशों को जीवन में उतारें

अभी शिव जी का प्रिय सावन महीना चल रहा है। शिवालयों में भक्तों की भीड़ है। भक्त जलाभिषेक कर रहे हैं और भगवान शिव की भक्ति में लीन है। सावन में पूजा के साथ ही भगवान शिव से जुड़ी कथाएं पढ़ने-सुनने की परंपरा है। जानिए शिव जी की एक ऐसी कथा, जिसमें शिव पूजा से जुड़ी बातें बताई गई हैं...

पौराणिक कथा है कि एक बार छह महर्षि आपस में इस बात पर चर्चा करने लगे कि व्यक्ति को वास्तविक मुक्ति और शांति किस शक्ति से प्राप्त होती है। हर ऋषि अपने ज्ञान और अनुभव के आधार पर अलग-अलग मत रख रहा था। बहस इतनी बढ़ गई कि कोई भी किसी की बात मानने को तैयार नहीं था। अंत में सभी ने निर्णय लिया कि इस प्रश्न का उत्तर ब्रह्मा जी से पूछा जाए।

सभी महर्षि ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और अपना प्रश्न उनके सामने रखा। ब्रह्मा जी ने मुस्कुराते हुए कहा, मुक्ति का अर्थ केवल जन्म-मरण के बंधन से छुटकारा नहीं है। सच्ची मुक्ति तो बुरी आदतों, अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या और अशांति से मुक्त होना है। जब मन शांत हो जाता है, तभी वास्तविक मुक्ति मिलती है। इस सत्य को समझने के लिए भगवान शिव के चरित्र को जानना और उनकी उपासना करना जरूरी है।

महर्षियों ने पूछा, भगवान शिव की पूजा का सबसे श्रेष्ठ तरीका क्या है?

ब्रह्मा जी ने उत्तर दिया, शिव पूजा के तीन सरल मार्ग हैं- श्रवण, मनन और कीर्तन। अच्छी और प्रेरणादायक कथाओं का श्रवण करो, फिर उनके संदेश पर मनन करो, उन संदेशों को जीवन में उतारो और भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान का स्मरण करो।

कुछ महर्षियों ने फिर प्रश्न किया, यदि कोई व्यक्ति यह तीनों कार्य न कर सके तो? ब्रह्मा जी बोले, वह श्रद्धा से शिवलिंग का पूजन करे। केवल जल अर्पित करके भी भगवान शिव की कृपा प्राप्त की जा सकती है।

प्रसंग की सीख- सावन का महीना केवल पूजा-पाठ करने का अवसर नहीं है, बल्कि स्वयं को बेहतर बनाने का भी समय है। भगवान शिव का जीवन हमें बताता है कि सच्ची सफलता बाहरी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि भीतर की शांति से मिलती है।

अच्छी बातें सुनने की आदत विकसित करें

श्रवण का अर्थ केवल धार्मिक कथा सुनना नहीं, बल्कि सकारात्मक विचार, प्रेरक अनुभव और ज्ञानवर्धक बातें ग्रहण करना भी है। जो सुनते हैं, वही धीरे-धीरे हमारे विचारों का हिस्सा बन जाता है।

हर बात पर चिंतन करें

सिर्फ जानकारी इकट्ठा करना पर्याप्त नहीं है। मनन करने से हम सही और गलत का अंतर समझते हैं और अपने निर्णय बेहतर बना पाते हैं।

मन को शांत रखने का अभ्यास करें

भजन, ध्यान, प्रार्थना या कुछ मिनटों का मौन- ये सभी काम मन को स्थिर बनाते हैं। शांत मन ही सही निर्णय ले सकता है और कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित रहता है।

अनुशासन को जीवन का आधार बनाएं

शिवलिंग पर जल अर्पित करना नियमितता और अनुशासन का प्रतीक है। छोटी-छोटी अच्छी आदतें, जैसे समय पर उठना, नियमित व्यायाम करना और समय का सम्मान करना, जीवन में बड़े परिवर्तन लाती हैं।

अहंकार नहीं, समर्पण चुनें

सफलता मिलने पर विनम्र बने रहना ही वास्तविक महानता है। जब हम अपनी उपलब्धियों को समाज और परिवार के हित में उपयोग करते हैं, तब सफलता सार्थक बनती है।

दूसरों के कल्याण की भावना रखें

भगवान शिव का स्वभाव कल्याणकारी है। यदि हमारे निर्णयों और कार्यों से किसी का भला होता है, तो हमारा जीवन भी अधिक संतोषपूर्ण बनता है। सहयोग और सेवा मानसिक शांति का महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

बुरी आदतों से मुक्ति ही सच्ची आज़ादी है। क्रोध, ईर्ष्या, आलस, नकारात्मक सोच और स्वार्थ- ये सभी मन की अशांति के कारण हैं। इनसे धीरे-धीरे दूरी बनाना ही वास्तविक मुक्ति की दिशा में पहला कदम है। सावन हमें याद दिलाता है कि भगवान शिव की पूजा केवल मंदिर तक सीमित नहीं है। उनका संदेश अपने व्यवहार, विचार और कर्म में उतारना ही सबसे बड़ी भक्ति है। जब हम सकारात्मक सोच, अनुशासन, सेवा, समर्पण और आत्मचिंतन को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, तब बाहरी परिस्थितियां चाहे जैसी हों, हमारे मन के भीतर शांति बनी रहती है।

सावन की पहली एकादशी के दिन भगवान विष्णु को चढ़ाएं ये चीजें

हिंदू धर्म में सावन माह का विशेष महत्व बताया गया है। यह महीना भगवान शिव का प्रिय माना जाता है। सावन में महादेव और माता पार्वती की आराधना करने से भक्तों को कई गुना अधिक पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। वहीं भोलेनाथ के इस पावन महीने में जब एकादशी व्रत आता है तो इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। तो आइए यहां जानते हैं कि सावन माह की पहली एकादशी कब है और इस दिन श्री हरि विष्णु को क्या-क्या चीजें अर्पित करनी चाहिए।

सावन 2026 की पहली एकादशी 9 अगस्त को

सावन माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी को कामिका एकादशी कहते हैं। पंचांग के अनुसार, सावन कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 8 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 59 मिनट पर होगा। एकादशी तिथि का समापन 9 अगस्त को सुबह 11 बजकर 4 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार, सावन की पहली एकादशी यानी कामिका एकादशी का व्रत 9 अगस्त 2026 को रखा जाएगा। वहीं कामिका एकादशी का पारण 10 अगस्त 2026 को किया जाएगा। पारण के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 18 मिनट से सुबह 8 बजे तक रहेगा।

एकादशी के दिन भगवान विष्णु को चढ़ाएं ये चीजें

पीले फूल और वस्त्र- सावन की पहली एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीले रंग के फूल और वस्त्र अर्पित करें। ऐसा करने से आर्थिक तंगी दूर होती है।

पीला चंदन- सावन की कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीला चंदन चढ़ाएं। इससे कुंडली में बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है और समाज में मान-सम्मान भी बढ़ता है

तुलसी- भगवान विष्णु को तुलसी अत्यंत प्रिय है। तुलसी के बिना विष्णु जी की पूजा और भोग दोनों ही अधूरी मानी जाती है। तो सावन माह की एकादशी के दिन नारायण को तुलसी जरूर चढ़ाएं।

पंचामृत- एकादशी के दिन श्री हरि विष्णु को पंचामृत का भोग लगाएं। इसमें तुलसी पत्ता जरूर रखें। पंचामृत दूध, दही, घी, शहद और चीनी से बनाया जाता है। माना जाता है कि विष्णु जी को पंचामृत अति प्रिय है।

मखाने की खीर और केला- कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को मखाने की खीर और केला का भोग भी अवश्य लगाएं। विष्णु जी को ये दोनों चीजें बेहद प्रिय हैं।

कामिका एकादशी 2026 का शुभ मुहूर्त

कामिका एकादशी के दिन पूजा के लिए ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 49 मिनट से सुबह 5 बजकर 33 मिनट तक रहेगा। संध्या मुहूर्त सुबह 5 बजकर 11 मिनटे से आरंभ होगा और समाप्त सुबह 6 बजकर 18 मिनट पर होगा। वहीं अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 18 मिनट से दोपहर 1 बजकर 10 मिनट तक रहेगा। वहीं विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 53 मिनट सो दोपहर 3 बजकर 44 मिनट तक रहेगा।

जो व्यक्ति सभी का सम्मान करता है और सहायता करता है, उसे सभी से प्रेम और विश्वास मिलता है

आदर बीज के समान है, जब हम किसी को आदर देते हैं, तो बदले में हमें भी आदर मिलता है। इसे संसार रूपी खेत में बोया जाए तो सम्मान, सहयोग, सेवा, सत्कार, अभिवादन और सद्भाव के रूप में फल मिलते हैं। जो व्यक्ति सभी का सम्मान करता है, दूसरों की सहायता करता है और उनकी प्रतिभाओं, अच्छे कार्यों की सराहना करता है, वह समाज में प्रेम और विश्वास प्राप्त करता है। ऐसे सद्गुण व्यक्ति के भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं और उसे बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आदर और सहयोग का भाव अपनाकर अपने व्यक्तित्व का निरंतर विकास करना चाहिए।

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

हरियाली तीज 15 अगस्त को बनेंगे 3 शुभ योग, शिव-गौरी की होगी पूजा

हरियाली तीज हर साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। इस अवसर पर सुहागन महिलाएं हरे रंग की साड़ी और चूड़ी पहनती हैं। 16 श्रृंगार करके भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं, उनके आशीर्वाद से वैवाहिक जीवन सुखमय होता है। इस अवसर पर वे अपने सखियों संग झूला झूलती हैं और गीत गाती हैं। इस बार हरियाली तीज पर 3 शुभ योग बन रहे हैं।

हरियाली तीज 2026 तारीख

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, हरियाली तीज के लिए जरूरी सावन शुक्ल तृतीया तिथि 14 अगस्त को शाम 6 बजकर 46 मिनट पर शुरू होगी। इस तिथि का समापन 15 अगस्त को शाम 5 बजकर 28 मिनट पर होगा। हरियाली तीज के लिए उदयातिथि की मान्यता है। इस आधार पर हरियाली तीज 15 अगस्त को है।

3 शुभ योग में है हरियाली तीज 2026

इस साल की हरियाली तीज पर 3 शुभ योग बन रहे हैं। उस दिन रवि योग, शिव योग और सिद्ध बन रहे हैं। रवि योग सुबह में 05 बजकर 50 मिनट से शुरू होगा और 16 अगस्त को 03 बजकर 25 ए एम तक रहेगा। रवि योग में सभी दोष खत्म हो जाते हैं, इसलिए यह बहुत ही शुभ योग है।

वहीं शिव योग प्रातःकाल से लेकर सुबह 07 बजकर 09 मिनट तक रहेगा। उसके बाद से सिद्ध योग बनेगा, जो 16 अगस्त को सुबह 05 बजकर 21 मिनट तक रहेगा। शिव योग जप, तप, साधना के लिए और सिद्ध योग कार्यों में सफलता के लिए शुभ है। उस दिन ये तीनों योग शुभ फलदायी हैं।

हरियाली तीज पर उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर 16 अगस्त को 03 बजकर 25 ए एम तक रहेगा, उसके बाद से हस्त नक्षत्र होगा।

हरियाली तीज 2026 मुहूर्त

हरियाली तीज के दिन ब्रह्म मुहूर्त 04:24 ए एम से लेकर 05:07 ए एम तक रहेगा। उस दिन का अभिजीत मुहूर्त 11:59 ए एम से दोपहर 12:52 पी एम तक है। सूर्यास्त का समय 07:01 पी एम पर है। उसके बाद प्रदोष काल में हरियाली तीज की पूजा होगी।

हरियाली तीज के अलावा दो और तीज होती है। एक कजरी तीज और दूसरी हरतालिका तीज। बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि में हरतालिका तीज का व्रत रखता है। उस दिन भी शाम में पूजा की जाती है। इस व्रत के पुण्य प्रभाव से दांपत्य जीवन सुखमय होता है।

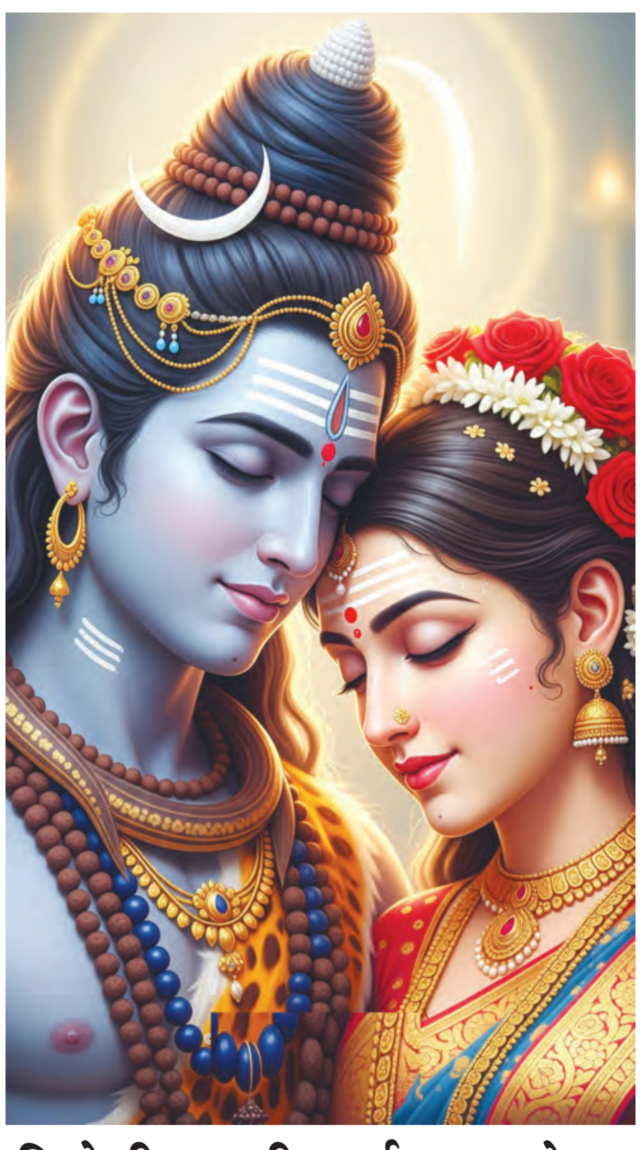

सत्ता अपना विरोध सुने और विरोधी अपनी मर्यादा न खोए

इन दिनों देश में आंदोलनों का उत्सव चल रहा है। कभी छात्र, कभी किसान तो कभी विपक्ष अनुष्ठान की तरह आंदोलन कर रहा है। सब अपने-अपने स्तर पर यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि सत्ता से असहमति देशद्रोह नहीं होता और सत्ता से सहमति देशभक्ति भी नहीं होती।

जो लोग सत्ता का विरोध करते हैं, उनकी रुचि भी केवल सत्ता में होती है। अधिकांश लोग सत्ता में बैठते ही अपने सत्ताविहीन समय के सिद्धांत भूल जाते हैं। सत्ता के विरोध की देश में पुरानी परंपरा है। महाभारत के युद्ध में कौरवों ने अपने ही राजा धृतराष्ट्र का विरोध किया था।

उनके मंत्री संजय ने तो साफ कह दिया था कि इस युद्ध के पीछे दुर्योधन है और दुर्योधन के पीछे आप, यानी धृतराष्ट्र हैं। एक रात तो पांडव भी आपस में उलझ गए और अर्जुन ने अपने ही बड़े भाई धर्मराज युधिष्ठिर को इस बात के लिए कोसा था कि यह दिन हम आपकी गलती के कारण देख रहे हैं। इसलिए हर सत्ता को अपना विरोध सुनने का स्वभाव रखना चाहिए और हर विरोधी को अपनी मर्यादा नहीं छोड़नी चाहिए।

सावन में लगाएं ये 5 पवित्र पौधे, बरसेगी भोलेनाथ और शनिदेव की अपार कृपा

बेलपत्र का पौधा

शमी का पौधा

तुलसी का पौधा

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति और प्रकृति से जुड़ने का सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस दौरान पूजा-पाठ, जलाभिषेक और पौधारोपण का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन में कुछ विशेष पौधे लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और भगवान शिव तथा शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है। मान्यता है कि सावन के पवित्र महीने में बेलपत्र, शमी, अपराजिता समेत इन 5 पौधे लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और शिवजी तथा शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही कई ग्रह दोष दूर होते हैं और परेशानियों से राहत मिलती है।

लगाने का महत्व

बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना जाता है। शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होने और पापों के नाश की मान्यता है। सावन में घर या मंदिर के पास बेल का पौधा लगाने से सुख-शांति और समृद्धि आने की बात कही जाती है। इसकी तीन पत्तियां भगवान शिव के त्रिनेत्र और त्रिदेव का प्रतीक मानी जाती हैं।

शमी का पौधा लगाने का महत्व

शमी का पौधा शनिदेव से जुड़ा हुआ माना जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार शमी लगाने और उसकी नियमित पूजा करने से शनि दोष, आर्थिक परेशानियां और कार्यों में आने वाली बाधाएं कम हो सकती हैं। सावन में शमी का पौधा लगाना विशेष रूप से शुभ माना जाता है क्योंकि यह शिव और शनि दोनों की कृपा प्राप्त करने का प्रतीक माना जाता है।

अपराजिता का पौधा

तुलसी का पौधा लगाने का महत्व

तुलसी को हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। घर में तुलसी का पौधा लगाने से वातावरण पवित्र रहता है और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। सावन में तुलसी लगाने से परिवार में सुख-समृद्धि और मानसिक शांति आने की मान्यता है। तुलसी की नियमित पूजा और दीपक जलाने से घर में आध्यात्मिक वातावरण मजबूत होता है।

अपराजिता का पौधा लगाने का महत्व

अपराजिता का पौधा देवी शक्ति और विजय का प्रतीक माना जाता है। इसके नीले या सफेद फूल पूजा-पाठ में उपयोग किए जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि सावन में अपराजिता लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और व्यक्ति को कार्यों में सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा मिलती है। यह पौधा घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ आध्यात्मिक महत्व भी रखता है।

हरश्रृंगार का पौधा लगाने का महत्व

हरश्रृंगार, जिसे पारिजात भी कहा जाता है, भगवान विष्णु और शिव दोनों से जुड़ा माना जाता है। इसके सुगंधित फूल पूजा में अत्यंत शुभ माने जाते हैं। सावन में हरश्रृंगार का पौधा लगाने से घर में शांति, मधुरता और सकारात्मक वातावरण बना रहने की मान्यता है। इसकी सुगंध मन को शांत और प्रसन्न रखने में भी सहायक मानी जाती है।

हरश्रृंगार का पौधा

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 8 अगस्त - 2026

महिला सम्मान सर्वोपरि

बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा पीठ द्वारा पूर्व पत्रकार और मीडिया जगत की चर्चित हस्ती रहे तरुण तेजपाल को दुष्कर्म के मामले में दस वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसे भारतीय न्याय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसला माना जा रहा है। यह निर्णय केवल एक आरोपी को दंडित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्पष्ट संदेश देता है कि कानून की नजर में किसी व्यक्ति की प्रसिद्धि, सामाजिक प्रतिष्ठा या प्रभाव का कोई विशेष महत्व नहीं होता। यदि अपराध सिद्ध होता है तो न्याय समान रूप से लागू होगा। यही लोकतंत्र और कानून राज की सबसे बड़ी पहचान भी है। यह मामला वर्ष 2013 का है, जब तेजपाल पर अपनी कनिष्ठ सहकर्मी के साथ यौन हिंसा का आरोप लगा था। वर्ष 2021 में गोवा की सत्र अदालत ने उन्हें बरी कर दिया था, लेकिन राज्य सरकार ने इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। विस्तृत सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटते हुए तेजपाल को दोषी ठहराया और दस वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने साफ कहा कि महिला की इच्छा और असहमति सर्वोपरि है तथा किसी भी स्थिति में उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। इस फैसले का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि 'ना' का अर्थ केवल 'ना' होता है। किसी महिला की चुप्पी, डर, पेशेगत दबाव या किसी प्रभावशाली व्यक्ति के सामने उसकी असहज स्थिति को सहमति नहीं माना जा सकता। आधुनिक न्याय व्यवस्था का यही मूल सिद्धांत है कि हर महिला को अपनी गरिमा, स्वतंत्रता और शारीरिक स्वायत्तता का पूरा अधिकार है। इन अधिकारों का उल्लंघन किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह निर्णय उन संस्थानों के लिए भी चेतावनी है जहां पद, शक्ति और प्रभाव का दुरुपयोग कर महिलाओं का शोषण किया जाता है। मीडिया, कॉरपोरेट, शिक्षा, राजनीति या किसी भी कार्यस्थल पर यौन अपराधों को दबाने, समझौते के जरिए खत्म करने या पीड़िता को दोषी ठहराने की मानसिकता अब स्वीकार्य नहीं हो सकती। संस्थानों को आंतरिक शिकायत समितियों को प्रभावी बनाना होगा और महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना होगा। हालांकि, यह भी उतना ही बड़ा प्रश्न है कि इस मामले के अंतिम फैसले में तेरह वर्ष लग गए। न्याय मिलने में अत्यधिक देरी पीड़िता के मानसिक संघर्ष को और बढ़ा देती है तथा अनेक महिलाओं का कानून पर विश्वास भी कमजोर करती है। इसलिए केवल कठोर सजा पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसे मामलों की समयबद्ध सुनवाई भी उतनी ही आवश्यक है। न्याय तभी प्रभावी माना जाएगा जब वह समय पर मिले। अंततः, तरुण तेजपाल प्रकरण का फैसला भारतीय न्यायपालिका की संवेदनशीलता, निष्पक्षता और संविधान के मूल्यों में विश्वास को मजबूत करता है। यह निर्णय समाज को याद दिलाता है कि महिला सम्मान पर किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रभाव, प्रतिष्ठा और पद चाहे जितना बड़ा हो, कानून उससे बड़ा है। यही संदेश महिलाओं में विश्वास, समाज में सुरक्षा और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता को और अधिक मजबूत करेगा।

भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा

योगेश कुमार गोयल

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में 'क्रिप्स मिशन' भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की। 8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज 'अगस्त क्रांति मैदान' के नाम से जाना जाता है, में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध 'करो या मरो' के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वतः सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुई। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गई और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने 'कांग्रेस रेडियो' के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दर्शाता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी। भारत छोड़ो आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को यह अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले ही तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया।

कैसे रोशन हो करोड़ों यतीम बच्चों की जिन्दगी

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया भर में अनाथ बच्चों की तादाद लगभग 14 करोड़ से अधिक हो गई है। इन यतीम बच्चों में से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं की वजह से प्रभावित हुए बच्चे शामिल हैं , क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर के लगभग 14 करोड़ से अधिक यह अनाथ बच्चे वह हैं जिनके माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों का साया किसी भी कारण से सिर पर नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़ अफ्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है।

आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबीः संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं ।

दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है। यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं। ज्यादातर अनाथ बच्चे अपने दादा-दादी या परिवार के किसी दूसरे सदस्य के साथ रहते हैं। इन कमजोर बच्चों को और अधिक नुकसान से बचाने की तत्काल जरूरत है, खासकर इसलिए क्योंकि उनमें से कई जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं। हर साल छह जनवरी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध अनाथ दिवस पर उनके जीवन को फिर से बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक समर्थन का आह्वान किया जाता है कि उन्हें वह देखभाल और अधिकार मिलें जिसके वे हकदार हैं।95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चे पांच साल से अधिक उम्र के होते हैं। अमीर देशों में अनाथों की संख्या कम है, लेकिन युद्ध या गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में यह संख्या बहुत अधिक है।

अनुमान है कि विश्वभर में करीब 14 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं। इस विशाल संख्या का अंदाजा लगाने के लिए, इसकी तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से करें, जो मात्र 32 करोड़ से थोड़ी अधिक है; या रूस की वर्तमान जनसंख्या - 14 करोड़ से। 14 करोड़ से अधिक बच्चे न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स, शिकागो और अमेरिका के 47 अन्य सबसे बड़े शहरों की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होंगे, साथ ही आयरलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, निकारागुआ और कोस्टा रिका की संयुक्त जनसंख्या के बराबर भी होंगे। ये केवल संख्याएँ और आँकड़े नहीं हैं, ये बच्चे संकटग्रस्त, संघर्षरत और दुनिया में बहुत कम उम्मीदों से घिरे हुए हैं । यूनिसेफ के अनुसार, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, गरीबी, बीमारी, सामाजिक कलंक और चिकित्सा संबंधी जरूरतों के कारण प्रतिदिन लगभग 5700 बच्चे अनाथ हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2017 में 5 वर्ष से कम आयु के 15,000 बच्चों की प्रतिदिन मृत्यु हुई; यानी हर 17 सेकंड में 1 बच्चे की मृत्यु। जीवन के पहले महीने में ही प्रतिवर्ष 27 लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है। अफ्रीका में हर 15 सेकंड में एक और बच्चा एड्स के कारण अनाथ हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार 60% अनाथ लड़कियाँ यौन व्यापार का शिकार हो जाएँगी। 10-15% अनाथ बच्चे 18 वर्ष की आयु से पहले आत्महत्या कर लेंगे। पूर्वी यूरोप में 70% अनाथ लड़के अपराधी बन जाएँगे।

विश्वसनीय आंकड़े मिलना मुश्किल है, यहां तक कि स्रोतों में भी अक्सर केवल अनुमान ही दिए जाते हैं, और बेघर बच्चों को शायद ही कभी शामिल किया जाता है। लेकिन अगर ये आंकड़े दुगुने भी बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हों, तब भी यह एक असहनीय त्रासदी है कि हर साल दस लाख से अधिक बच्चे अनाथ हो जाते हैं; और हर साल 70 लाख बच्चे अनाथ ही बड़े होते हैं, जिनका कोई अपना नहीं होता और न ही कोई घर होता है। ये जोखिम में पड़े बच्चे हैं जो पूरी तरह से असुरक्षित, जरूरतमंद और आमतौर पर दुनिया में उम्मीद से परे होते हैं। आपको बता दें कि हर साल 250,000 बच्चों को गोद लिया जाता है, लेकिन 14,050,000 अनाथ बच्चे बिना किसी प्यार भरे परिवार का हिस्सा बने ही अनाथालय से बाहर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन 38,493 बच्चे अनाथालय से बाहर हो जाते हैं।2 यानी हर 2.2 सेकंड में एक अनाथ बच्चा अनाथालय या पालक देखभाल से बिना किसी परिवार और घर के बाहर निकल जाता है।

संस्कारों से खाली होती नई पीढ़ी का सच

आरके जैन

समाज की संवेदनहीनता अब कोई छिपी हुई बीमारी नहीं, बल्कि खुले घाव की तरह फैल रही है। जब कोई पिता, जिसने अपनी जवानी के सपने कुचलकर बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया, बुढ़ापे में सोनीपत के वृद्धाश्रम की चारदीवारी में अंतिम सांस लेता है और उसकी संतानें अंतिम संस्कार में शरीर से नहीं, केवल पैसों या स्क्रीन से जुड़ती हैं, तब यह घटना एक परिवार की नहीं, पूरे युग की कहानी बन जाती है। शिवचरण गुप्ता जैसे पिता की चिता के सामने खड़े समाजसेवियों के कंधे बताते हैं कि रिश्ते अब खून से नहीं, सुविधा से तय होते हैं। तकनीक ने हाथों को जोड़ दिया, लेकिन हृदय को अलग कर दिया। यह विडंबना नहीं, एक चेतावनी है कि हम इंसानियत की परिभाषा ही बदल रहे हैं।

एक समय था जब पिता की अंतिम यात्रा में बेटियों का कंधा देना सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। आज वही धर्म वीडियो कॉल और पाँच हजार एक सौ रुपये में सिमट गया है। तीनों आत्मनिर्भर और सफल बेटियाँ-एक नेपाल, एक मुंबई, एक आजमगढ़ में-बाप की मृत्यु की खबर सुनकर भी शरीर से नहीं पहुँचीं। एक ने पैसा भेजा, दूसरी ने स्क्रीन पर चिता देखी, तीसरी ने शायद यह भी जरूरी नहीं समझा। उल्लेखनीय है कि बीमारी की सूचना लगभग 20 दिन पहले दे दी गई थी, फिर भी कोई बेटी नहीं पहुँची। क्या शिक्षा ने उन्हें केवल डिग्री दी और संवेदना छीन ली? पिता ने करोड़ों का कारोबार खोकर भी बेटियों को पढ़ा-लिखाया, पर बेटियों ने अंतिम क्षण में उपस्थिति का कर्ज नहीं चुकाया। यह लेन-देन नहीं, भावनात्मक दिवालियापन है।

वृद्धाश्रम अब अनाथों के नहीं, उन माता-पिता के घर बन गए हैं जिनके बच्चे सफल हैं। शिवचरण गुप्ता ने मुंबई में कपड़े का साम्राज्य खड़ा किया था, फिर सब कुछ खोया, पत्नी भी चली गईं, फिर भी बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया। करीब डेढ़-दो साल पहले पत्नी के साथ वृद्धाश्रम पहुँचे। पत्नी मीना गुप्ता का निधन भी आश्रम में हुआ था और तब भी बेटियाँ नहीं आई थीं। दोनों बार आश्रम प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने संस्कार किए। अब पिता की चिता पर भी वही दृश्य। समाज ने कंधा दिया, आँखें दान हुईं, दो दृष्टिहीनों को रोशनी मिली। पर जिन आँखों ने बेटियों को सपने दिखाए, उन आँखों को अंतिम विदाई में देखने वाली संतानें दूर रहीं। आँखों का दान रोशनी देता है, पर संतानों की अनुपस्थिति अंधेरा फैलाती है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ ने रिश्तों को समयसारिणी में कैद कर दिया है। करियर, शहर, विदेश-सब जरूरी लगते हैं, पर माता-पिता का अंतिम संस्कार फालतू। तकनीक हमें दुनिया से जोड़ती है, पर घर के आँगन से काट देती है। तीनों आत्मनिर्भर बेटियों में दो बेटियाँ शिक्षिका हैं, समाज को नैतिकता सिखाती होंगी, पर खुद के पिता की चिता के पास खड़े होने का समय नहीं निकाल सकीं। क्या यह शिक्षा की असफलता नहीं? डिग्रियाँ बढ़ीं, संस्कार सिकुड़े। बैंक बैलेंस भरा, हृदय खाली। पिता ने भूख छिपाकर पेट भरा, थकान छिपाकर नींव रखी, पर अंतिम यात्रा में अकेला छोड़ दिया गया।

यह घटना हमें आईना दिखाती है कि हम संबंधों को भावुकता से नहीं, बल्कि सौदेबाज़ी से तौलने लगे हैं। धन भेजना सरल है, उपस्थिति कठिन। वीडियो कॉल से अंतिम संस्कार देखना संभव है, कंधा देना असंभव। पर अंतिम संस्कार मात्र एक क्रिया नहीं, जीवनभर के ऋण का सत्कार है। जिसे ऑनलाइन भुगतान से नहीं चुकाया जा सकता। शिवचरण गुप्ता की आँखें दो अजनबियों को प्रकाश दे गईं, पर अपनी संतानों को भावनात्मक अंधकार दे गईं। समाजसेवी कंधे दे रहे थे, बेटियाँ स्क्रीन पर थीं। वीडियो कॉल के दौरान एक बेटी की यह टिप्पणी भी सामने आई-'कितना समय लगेगा?' यह एक वाक्य ही रिश्तों की ठंडक और संवेदनहीनता को पूरी तरह उजागर कर देता है। यह दृश्य आँसू नहीं, आत्मा को हिला देता है। समय का पहिया न्यायसंगत है। जो व्यवहार हम माता-पिता के साथ करते हैं, वही हमारे बच्चों के सामने एक दिन लौटता है। आज की उपेक्षा निश्चित रूप से कल की विरासत बनेगी। वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ना केवल गरीबी नहीं, बल्कि भावनात्मक दरिद्रता का सबूत है। सफल बच्चे, अकेला बाप-यह नई सामान्य स्थिति बन रही है आजकल। भारतीय संस्कृति में माता-पिता देवतुल्य हैं, पर देवता को भी अंतिम क्षण में अकेला छोड़ दिया जाए तो संस्कृति का क्या अर्थ रह जाता है? पैसे से कर्ज नहीं चुकाया जाता, उपस्थिति से ही चुकाया जाता है।

हमें सचमुच और गहराई से खुद से पूछना होगा-क्या हम भी कहीं केवल आर्थिक सहायता देकर इतिश्री मान बैठे हैं? क्या कभी बिना किसी स्वार्थ के उनके साथ बैठे और बातें कीं? उनका गहरा और दर्द भरा अकेलापन समझा? धन, पद, प्रतिष्ठा तो यहीं रह जाते हैं। याद रहती है केवल वह सच्ची गर्माहट। जिस दिन चिता के सामने संतान की जगह मोबाइल की स्क्रीन दिखे, समझ लेना चाहिए कि तकनीक पूरी तरह जीत गई, और इंसान बुरी तरह हार गया। शिवचरण गुप्ता की कहानी केवल एक समाचार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गहरी और जरूरी चेतावनी है।

विकास की चमक संवेदना की लौ को ढक रही है। यदि समय रहते नहीं संभाला तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें आधुनिक कहेंगी, मानवीय नहीं। माता-पिता को जीवनभर पैसे की नहीं, उपस्थिति की जरूरत होती है।

अंतिम यात्रा में दो कदम साथ चलना उपकार नहीं, उस ऋण का छोटा प्रतिदान है जिसे कोई संतान जीवनभर नहीं चुका सकती। आँखें दान करके रोशनी दी जा सकती है, पर हृदय की रोशनी केवल प्रेम और उपस्थिति से जलती है। समाज यदि इसी राह पर चला तो संवेदनहीनता उसकी नई पहचान बन जाएगी।

कटोरा और भूखा इंसान

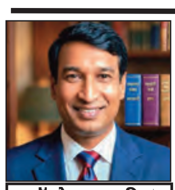

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

नगर पालिका कार्यालय के ठीक बाहर बने कूड़ादान के पास अठहत्तर साल के भीखम बाबा रोज़ दोपहर बारह बजे एक पीला प्लास्टिक का कटोरा लेकर बैठ जाते थे। उनके कटोरे में खाने की एक भी बासी रोटी नहीं होती थी बल्कि उसमें केवल सूखे पत्ते और मिट्टी के कुछ छोटे-छोटे ढेले भरे होते थे। सफ़ाई कर्मचारी जब भी ट्रॉली लेकर कचरा उठाने आता तो बाबा को उस मटमैले कटोरे को दोनों हाथों में बड़े सहेजकर रखते देखकर हैरान रह जाता था। चपरासी ने एक दिन उन्हें भगाते हुए कहा कि बाबा जब भीख ही मांगनी है तो मुख्य बाज़ार के मंदिर के बाहर जाओ इस बदबूदार कचरा घर के पास पीला कटोरा लेकर क्यों बैठते हो। भीखम बाबा ने अपनी झुर्रियों से ढकी धुंधली आँखों से दफ़्तर की विशाल इमारत की तरफ देखा और गहरी साँस लेते हुए बोले कि बेटा मंदिर का बाज़ार पेट भर सकता है पर मेरी आत्मसम्मान की भूख को शांत नहीं कर सकता। इस कचरे के कटोरे में मेरे स्वाभिमान की वो अमूल्य धरोहर छिपी है जिसे पाने के लिए मैं पिछले चार सालों से रोज़ यहाँ आकर बैठता हूँ।आसपास खड़े लोग उनका मज़ाक उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बूढ़े का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है जो कचरे के ढेर में खजाना ढूंढ रहा है। हमारे देश में जो सच बोलता है उसे पागल घोषित कर देना सबसे सुरक्षित प्रशासनिक व्यवस्था है। प्रशासन की नज़र में विवेक वही है जो कुर्सी की पूजा करे, बाकी सब तो विक्षिप्त हैं। कूड़ेदान सरकारी फाइलों का वह प्रतिरूप है जिसमें जनता की उम्मीदें सड़ती हैं। कार्यालय की इमारत जितनी विशाल होती है, उसके भीतर संवेदनाएं उतनी ही बौनी हो जाती हैं।

पत्थर की इमारतों में रहने वाले अक्सर ये भूल जाते हैं कि फाइलें कागज़ की नहीं, आदमी की खाल से मढ़ी होती हैं। नगर पालिका के कर्मचारी और दफ़्तर आने वाले व्यापारी भीखम बाबा को पागल समझकर अनदेखा कर देते थे। दफ़्तर के बड़े बाबू गुप्ता जी जब भी अपनी चमचमाती कार से उतरते तो बाबा उनके सामने हाथ जोड़कर खड़े हो जाते और कहते कि बाबू जी क्या आज मेरी वो रसीद बन गई। गुप्ता जी गुस्से में चश्मा ठीक करते हुए चिल्लाते कि अरे बूढ़े जब तक साहब के दस्तखत नहीं होंगे तब तक कोई रसीद नहीं मिलेगी और तुम रोज़ इस गंदगी में बैठकर दफ़्तर का माहौल ख़राब मत किया करो। साहिब का हस्ताक्षर ईश्वरीय वरदान की तरह है, जो केवल तब मिलता है जब भक्त दक्षिणा देने के योग्य हो।

सरकारी चश्मा हमेशा धुंधला होता है ताकि उसे गरीब का चेहरा दिखाई न दे। दफ़्तर का माहौल उस इत्र की तरह है जो केवल रिश्वत की खुशबू से महकता है। बाबू का गुस्सा दरअसल उसकी कुर्सी का पावर बैकअप है। फाइलें तब तक नहीं चलतीं जब तक उन पर चांदी के पहिये न लगा दिए जाएं। व्यवस्था की चक्की में दाने नहीं, इंसान पीसे जाते हैं। बाबा बिना कोई जवाब दिए वापस उसी बदबूदार कोने में जाकर बैठ जाते और अपने पीले कटोरे की मिट्टी को उंगलियों से कुरेदने लगते थे। मोहल्ले के दुकानदार आपस में चर्चा करते कि शायद बाबा का कोई पुराना हाउस टैक्स का मामला अटका है या फिर वे दुकान की एनओसी के लिए दफ़्तर के चक्कर काट रहे हैं। लेकिन किसी को भी यह समझ में नहीं आता था कि आखिर एक सूखा कटोरा जिसमें सिर्फ मिट्टी और पत्ते भरे हों उसका किसी सरकारी फ़ाइल या टैक्स की रसीद से क्या संबंध हो सकता था। जिस देश में मिट्टी को सोना बनाने वाले भूखे मरें, वहां मिट्टी के कटोरे का महत्व केवल एक 'मेंटल' ही समझ सकता है। ईमानदारी का टैक्स सबसे महंगा होता है, जिसे चुकाते-चुकाते आदमी खुद रसीद बन जाता है। एक दिन अचानक प्रदेश के नगर विकास मंत्री जी शहर के सफ़ाई अभियान की समीक्षा करने के लिए अचानक उस नगर पालिका दफ़्तर पहुँच गए। अफ़सरों में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में चूना छिड़ककर रास्ते साफ किए जाने लगे। मंत्री का दौरा वह जादुई छड़ी है जिससे कूड़ा भी अचानक 'सांस्कृतिक धरोहर' दिखने लगता है। चूना छिड़कना प्रशासन की सबसे बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इससे बदबू नहीं, सिर्फ सच्चाई सफेद हो जाती है।

लोकतंत्र में टकराव नहीं, संवाद की संस्कृति लौटानी होगी

जितेंद्र अग्रवाल

भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसकी सबसे बड़ी शक्ति केवल नियमित चुनाव नहीं, बल्कि चुनाव के बाद सत्ता और विपक्ष के बीच होने वाला स्वस्थ संवाद, विचार-विमर्श और जनहित में निर्णय लेने की परंपरा है। किंतु विडंबना यह है कि आज संसद से लेकर राज्य विधानसभाओं तक लोकतांत्रिक संवाद की जगह राजनीतिक टकराव ने ले ली है। प्रश्न यह है कि आखिर सदनों में सकारात्मक कार्य कब शुरू होगा? क्या जनप्रतिनिधियों का दायित्व केवल विरोध करना और एक-दूसरे को नीचा दिखाना भर रह गया है, या फिर सत्ता पक्ष बहुमत के बल पर अपनी मनमर्जी चलाने को ही लोकतंत्र समझ बैठा है?

लोकतंत्र में चुनावी संघर्ष स्वाभाविक है। चुनावों के दौरान आरोप-प्रत्यारोप, कटु आलोचना और तीखी राजनीतिक भाषा भी राजनीति का हिस्सा मानी जा सकती है। लेकिन चुनाव परिणाम आने के बाद परिस्थितियां बदल जानी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह स्वीकार करना चाहिए कि अब वे पूरे देश और प्रदेश के प्रतिनिधि हैं, केवल अपने दल के नहीं। दुर्भाग्य से चुनावी मंचों पर उछाला गया कीचड़, लगाए गए आरोप और निकाली गई भड़ास चुनाव समाप्त होने के बाद भी समाप्त नहीं होती। उसका प्रभाव सदनों की कार्यवाही तक पहुंच जाता है और जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि हर विषय पर सरकार ही सही होती है या हर बार विपक्ष का विरोध गलत होता है। लोकतंत्र में सरकार को निर्णय लेने का अधिकार है तो विपक्ष को उन निर्णयों की समीक्षा और आलोचना करने का संवैधानिक अधिकार भी प्राप्त है। लेकिन आलोचना और विरोध में भी मर्यादा, तथ्य और जनहित होना चाहिए। यदि विरोध केवल राजनीतिक लाभ के लिए हो और समर्थन केवल दलगत मजबूरी के कारण, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है।

आज अनेक अवसरों पर ऐसा दिखाई देता है कि सत्ता पक्ष बहुमत को ही अंतिम सत्य मानकर विपक्ष के सुझावों को पर्याप्त महत्व नहीं देता। वहीं विपक्ष भी कई बार ऐसा व्यवहार करता है मानो उसका एकमात्र कर्तव्य हर सरकारी निर्णय का विरोध करना हो। परिणामस्वरूप बहस की जगह हंगामा, तर्क की जगह नारे और समाधान की जगह गतिरोध देखने को मिलता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को मजबूत नहीं करती, बल्कि जनता का विश्वास कमजोर करती है। जनता ने अपने प्रतिनिधियों को इसलिए नहीं चुना कि वे सदनों का समय शोर-शराबे में व्यर्थ करें। देश चाहता है कि संसद और विधानसभाओं में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, महंगाई, कानून-व्यवस्था, पर्यावरण और आधारभूत सुविधाओं जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हो। जनता चाहती है कि उसके प्रतिनिधि समस्याओं के समाधान खोजें, न कि केवल राजनीतिक अंकगणित में उलझे रहें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार बड़े और महत्वपूर्ण विधेयकों पर विपक्ष को विश्वास में ले। सर्वदलीय बैठकों को केवल औपचारिकता न बनाया जाए, बल्कि उनमें आए सुझावों को गंभीरता से सुना जाए। यदि किसी संशोधन से कानून अधिक प्रभावी और जनहितकारी बन सकता है तो उसे स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। मजबूत सरकार वही होती है जो आलोचना सुनने का साहस रखती है।

दूसरी ओर विपक्ष को भी आत्ममंथन करना होगा। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सरकार को अस्थिर करना नहीं, बल्कि शासन को अधिक जवाबदेह और बेहतर बनाना है। जहां सरकार सही कार्य करे वहां उसका समर्थन होना चाहिए और जहां कमियां हों वहां तथ्यों के साथ सुधार के सुझाव दिए जाने चाहिए। रचनात्मक विपक्ष लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत होता है।

यदि समय-समय पर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेता एक गोलमेज सम्मेलन में बैठकर राष्ट्रीय और प्रादेशिक महत्व के विषयों पर खुलकर चर्चा करें, तो अनेक विवादों का समाधान सदन में पहुंचने से पहले ही निकल सकता है। लोकतंत्र का अर्थ बहुमत का अहंकार नहीं, बल्कि बहुमत और अल्पमत के बीच सम्मानजनक संवाद है।

राजनीतिक दलों को यह नहीं भूलना चाहिए कि चुनाव पांच वर्ष में एक बार होते हैं, लेकिन देश और समाज हर दिन चलता है। जनता ने उन्हें संघर्ष को स्थायी बनाने के लिए नहीं, बल्कि समस्याओं का समाधान खोजने के लिए चुना है। संसद और विधानसभाएं राजनीतिक युद्धभूमि नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं के पवित्र मंच हैं। यदि यहां संवाद, सहमति और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाएं तो भारत विकास, सुशासन और लोकतांत्रिक परिपक्वता की नई ऊंचाइयों को अवश्य प्राप्त करेगा। आज सबसे बड़ा प्रश्न यही है-क्या हमारे जनप्रतिनिधि इस जनभावना को समझेंगे? यदि हां, तो लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा; यदि नहीं, तो जनता अंततः लोकतांत्रिक तरीके से अपना निर्णय अवश्य सुनाएगी।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में टीम इंडिया का रिकॉर्ड दमदार, 2015 में मिली थी आखिरी हार

भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 13 अगस्त से होने जा रहा है। सीरीज में हिस्सा लेने के लिए भारतीय टीम बुधवार को श्रीलंका पहुंच चुकी है। मेजबान टीम के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड दमदार रहा है। भारत और श्रीलंका के बीच अब तक कुल 46 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इसमें से 22 मुकाबलों में टीम इंडिया ने जीत दर्ज की है, जबकि 7 मैचों में श्रीलंका ने बाजी मारी है। 17 मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। खास बात यह है कि भारत ने श्रीलंका के खिलाफ खेले आखिरी 10 टेस्ट मैचों में एक बार भी हार का सामना नहीं किया है। भारत को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में आखिरी हार साल 2015 में मिली थी यानी पिछले 11 साल से भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ अजेय रही है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आगाज से पहले ही बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी इंजरी से न उबर पाने के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। बुमराह के स्थान पर जम्मू-कश्मीर के युवा गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है।

आकिब ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अपने प्रदर्शन से हर किसी का ध्यान खींचा है। वह जम्मू-कश्मीर की ओर से भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। वहीं, साई सुदर्शन की फिटनेस पर भी अभी सवाल है, हालांकि 'क्रिकबज' की एक रिपोर्ट के अनुसार, सुदर्शन पहले टेस्ट के लिए फिट हो जाएंगे और वह 8 अगस्त तक टीम से जुड़ सकते हैं।

भारत और श्रीलंका के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मैच 13 अगस्त से गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। इसके बाद सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच की मेजबानी कोलंबो का सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा, जिसका आगाज 23 अगस्त से होना है। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ अपने दमदार रिकॉर्ड को बरकरार रखना चाहेगी।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉडः शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अवॉर्ड्स में आगे रहे हेड, स्टार्क, मार्श और टिम डेविड

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित क्रिकेटरों के सम्मान समारोह में सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने एलन बॉर्डर मेडल जीता है। यह लगातार दूसरा साल है, जब हेड ने यह सम्मान हासिल किया है। हेड ने 2025-26 में तीनों फॉर्मेट मिलाकर कुल 30 मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 1,437 रन बनाए। इसमें एशेज सीरीज के पहले मैच में 83 गेंदों पर 123 रन और एडिलेड टेस्ट में 170 रन की पारी शामिल है। हेड को एलन बॉर्डर मेडल के लिए 153 मत मिले, जबकि दूसरे उम्मीदवार विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी थे, जो 1 मत से पिछड़ गए। उन्हें 152 मत मिले। कैरी ने 24 मैचों में 1,079 रन बनाए और एशेज सीरीज के दौरान 28 शिकार किए। मिचेल स्टार्क ने शेन वॉर्न पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर का खिताब हासिल किया। एशेज जीत में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए स्टार्क ने 11 टेस्ट मैचों में 24 की औसत से 57 विकेट लिए। इस दौरान स्टार्क का श्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर 7 विकेट रहा।

मिशेल मार्श ने पुरुष वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब जीता। टी20 फॉर्मेट के कप्तान मार्श ने 6 मैचों में 304 रन बनाए। विस्फोटक बल्लेबाज टिम डेविड को पुरुष टी20 प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार दिया गया। डेविड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 37 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाए थे। यह किसी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज द्वारा लगाया सबसे तेज टी20 शतक है।

समारोह के दौरान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ क्रिकेट जेम्स ऑलसॉप ने कहा, सभी विजेताओं को बधाई, इसमें लगातार दो बार एलन बॉर्डर पदक विजेता ट्रेविस हेड भी शामिल हैं। उनका सीजन शानदार रहा। हेड ने कुछ यादगार पारियां खेलीं, जो उन्हें देखने वाले लकी फैंस के लिए जिंदगी भर की यादें छोड़ गईं। मिच स्टार्क दुनिया के महान तेज गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं, जबकि मिच मार्श और टिम डेविड ने व्हाइट बॉल फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के लिए 2025-26 की गर्मियों में बहुत कुछ हुआ, इसमें एशेज रिटेन करना शामिल था। उनके पास क्रिकेट का एक बड़ा साल आने वाला है, जिसकी शुरुआत डार्विन और मैके में बांग्लादेश के खिलाफ दो-टेस्ट सीरीज से होगी।

हेड, रिकी पोंटिंग, माइकल क्लार्क, शेन वॉटसन, स्टीवन स्मिथ और डेविड वार्नर के साथ कई बार एलन बॉर्डर मेडल जीतने वाले छठे क्रिकेटर के रूप में खिलाड़ियों के एलीट ग्रुप में शामिल हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन के जनरल मैनेजर मेंबर सर्विसेज एंड क्रिकेट ऑपरेशंस ब्रेंडन डू ने कहा, आज रात के पुरस्कार विजेताओं को और पिछले साल तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीमों से जुड़े सभी लोगों को बधाई। ट्रेविस हेड को, जो एलन बॉर्डर मेडल के सिर्फ 6वें मल्टीपल-टाइम विनर बने हैं - वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी फॉर्मेट में कितने शानदार खिलाड़ी बन गए हैं, लगातार दो बार अवॉर्ड जीतने के वह पूरी तरह से हकदार हैं।

उन्होंने कहा, स्टार्क एक अच्छी वाइन की तरह हो गए हैं और टेस्ट बॉलिंग लाइनअप में एक अहम हिस्सा बने हुए हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर का कई बार इनाम पाने वाले सिर्फ 5वें खिलाड़ी बनने पर बधाई। मार्श और टिम डेविड को बधाई, जिन्हें उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला। दोनों वनडे औ और टी20 में बार-बार बल्ले से भरोसेमंद रहे।

ब्रेंडन डू ने कहा, पिछले साल को खत्म करते हुए, हम अगले 12 महीनों में अपनी ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीमों के लिए घर और बाहर क्रिकेट के भरे हुए शेड्यूल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

संन्यास के बाद रहाणे की नई शुरुआत, यूरोपीय टी20 लीग में बने मार्की प्लेयर

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कुछ ही दिनों बाद अपने भविष्य को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले रहाणे ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर कोई पछतावा नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर अपना 200 प्रतिशत दिया और अब वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते हुए अपना अनुभव साझा करना चाहते हैं। साथ ही, भविष्य में कोच और मेंटर की भूमिका निभाने को लेकर भी वह उत्साहित हैं।

यूरोपीय टी20 लीग में नई पारी

रहाणे को यूरोप की पहली आईसीसी-सैंक्शन प्राप्त टी20 लीग यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र के लिए एम्सटर्डम फ्लेम्स का मार्की प्लेयर बनाया गया है। लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से 20 सितंबर तक खेला जाएगा, जिसमें छह शहर आधारित फ्रेंचाइजी 33 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी।

रहाणे ने 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। अब वह नई भूमिका में यूरोपीय क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि यूरोप क्रिकेट के लिए एक रोमांचक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और वह इस क्षेत्र में खेल के विकास में योगदान देना चाहते हैं।

एम्सटर्डम फ्लेम्स के सह-संस्थापक और मुख्य क्रिकेट अधिकारी तथा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने रहाणे का स्वागत करते हुए उनके कौशल, धैर्य, विनम्रता और नेतृत्व क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रहाणे का अनुभव और व्यक्तित्व टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

'मुझे कोई पछतावा नहीं'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर रहाणे ने कहा कि उन्होंने करीब एक महीने तक इस फैसले पर विचार किया था। उन्होंने खुद से बार-बार सवाल किया कि क्या उन्हें किसी चीज का पछतावा है या कुछ अलग करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसका जवाब हमेशा नहीं मिला।

रहाणे ने कहा, 'मैं अपने फैसले से बहुत खुश हूं। मैंने अपने नियंत्रण में जो कुछ था, उससे भी ज्यादा किया और हर बार अपना 200 प्रतिशत दिया।' उन्होंने कहा कि करियर के अंत में यह महसूस होना कि उन्होंने अपना सब कुछ दे दिया, उनके लिए सबसे अच्छी भावना है।

कोच और मेंटर बनने में भी दिलचस्पी

रहाणे ने भविष्य में कोचिंग और मेंटरशिप की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के तौर पर अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरने के कारण वह खिलाड़ियों की मानसिकता को अच्छी तरह समझते हैं।

उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता क्रिकेट खेलना और दुनिया भर की लीग में अपना अनुभव साझा करना है, लेकिन उन्हें लगता है कि वह आगे चलकर एक अच्छे कोच और मेंटर साबित हो सकते हैं। उनके मुताबिक खिलाड़ियों का प्रबंधन, कोचिंग और मेंटरशिप उनके अनुभव का स्वाभाविक विस्तार होगा।

195 अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव

रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। कुल 195 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके नाम 8414 रन हैं, जिसमें 15 शतक और 51 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 5077 रन बनाए। बतौर कप्तान उनका रिकॉर्ड भी प्रभावशाली रहा। उनकी कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऐतिहासिक जीत हासिल की। विराट कोहली के सीरीज से हटने के बाद रहाणे ने टीम की कमान संभाली और मेलबर्न में जीत के साथ भारत ने वापसी की। इसके बाद गाबा में मिली ऐतिहासिक जीत ने भारत को सीरीज 2-1 से जिताने में अहम भूमिका निभाई।

आईपीएल में भी रहाणे का लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने छह टीमों के लिए खेलते हुए 5367 रन बनाए और 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ आईपीएल खिताब जीता।

पंजाब खेल में पिछड़ रहा, दूसरे राज्य बढ़ रहे - हरभजन सिंह

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर और राज्य सभा सांसद हरभजन सिंह ने गुरुवार को कहा कि पंजाब खेल के क्षेत्र में लगातार पिछड़ रहा है, जबकि दूसरे राज्य आगे बढ़ रहे हैं। हरभजन सिंह ने संसद परिसर में कहा, खेल एक ऐसा क्षेत्र है जिसे मैं समझता हूं क्योंकि मैंने खेला है। मुझे उम्मीद है कि पंजाब के खेल से जुड़ी संरचनाओं को बेहतर बनाने के लिए काम किया जाएगा। मैं सालों से कह रहा हूं कि पंजाब खेल के क्षेत्र में लगातार पिछड़ रहा है, जबकि दूसरे राज्य आगे बढ़ गए हैं। वे राज्य भी भारत का हिस्सा हैं, लेकिन एक पंजाबी होने के नाते, मुझे लगता है कि पंजाब, जो कभी खेल में सबसे आगे था, अब मुख्य रूप से संसाधन और संरचना की कमी और बहुत से युवाओं के विदेश चले जाने की वजह से पिछड़ गया है।₹ उन्होंने कहा कि अगर पंजाब के युवाओं पर ध्यान दिया जाए, उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाए और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो राज्य देश को बेहतरीन एथलीट दे सकता है

और फिर से देश में खेलों के मामले में शीर्ष राज्य बन सकता है।

युवाओं के राज्य से बाहर जाने के पर हरभजन ने कहा, पंजाब के बहुत सारे युवा इसलिए बाहर चले गए हैं, क्योंकि वर्षों से राज्य में उद्योग बहुत कम हैं। मैं वहीं पैदा हुआ और पला-बढ़ा, लेकिन नौकरियां देने के लिए उद्योग काफी नहीं हैं।

युवाओं को काम के लिए दिल्ली, मुंबई या कहीं और जाना पड़ता है। अभी तक किसी भी बड़ी कंपनी ने पंजाब में बड़ा निवेश नहीं किया है। युवाओं को प्रदेश में वापस लाने के लिए उद्योग, रोजगार और खेल के क्षेत्र में व्यापक काम करना होगा।

हरभजन ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर पंजाब में खेल के विकास पर चर्चा की थी। राज्य सभा सांसद ने बताया था कि गृह मंत्री से चर्चा के दौरान उन्होंने मुख्य रूप से दो मुद्दों पर बात की।

पहला, पंजाब कभी खेलों में सबसे आगे था, लेकिन आज राज्य में खेलों में काफी गिरावट आई है, इंफ्रास्ट्रक्चर बहुत खराब हालत में है। ऐसा लगता है कि खेल राज्य सरकार की आखिरी प्राथमिकताओं में से एक है। दूसरा, मेरा मानना है कि बच्चों को ड्रग्स से दूर रखने के लिए खेल सबसे असरदार तरीकों में से एक है।

आठ महीने में 10 भारतीय खिलाड़ियों को लगी चोट नाराज बीसीसीआई ने शुरू की फिटनेस की समीक्षा

भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंका दौरे से पहले कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने से टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ गई है। कोलंबो में अभ्यास के दौरान गिल के दाहिने हाथ की अंगुली पर चोट लगी। इसके बाद उन्हें मेडिकल टीम ने तत्काल जरूरी उपचार दिया। कुछ देर बाद वह नेट्स पर लौटे, लेकिन फील्डिंग प्रैक्टिस के दौरान उनके हाथ में दोबारा चोट लग गई और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें दोबारा मैदान पर नहीं लौटने दिया। वह श्रीलंका के खिलाफ वार्म अप मैच के पहले दिन फील्डिंग के लिए भी नहीं उतरे।

गिल की चोट ऐसे समय में सामने आई है, जब भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ियों की फिटनेस और फिजियो से जुड़े मुद्दों को लेकर बहस तेज है। पिछले आठ महीनों में करीब 10 भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भी फिटनेस व्यवस्था की समीक्षा करने की तैयारी में है।

10 खिलाड़ी चोटिल, बढ़ते मामलों से भारतीय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भी चिंतित

भारतीय टीम में पिछले आठ महीनों के दौरान करीब 10 खिलाड़ियों के चोटिल होने की बात सामने आई है। इनमें जसप्रीत बुमराह, कप्तान शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या और हर्षित राणा जैसे

नाम शामिल हैं। खिलाड़ियों के बार-बार चोटिल होने को लेकर फिटनेस व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और फिटनेस से जुड़े सपोर्ट स्टाफ के बीच भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई है। बीसीसीआई की ओर से खिलाड़ियों की फिटनेस और चोट प्रबंधन व्यवस्था की आंतरिक समीक्षा कराए जाने की बात भी सामने आई है। इसके बाद बोर्ड मौजूदा फिटनेस मानकों में बदलाव करने पर फैसला ले सकता है।

फिजियो और फिटनेस टीम को लेकर भी उठे सवाल

भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने के बीच टीम की फिजियो और फिटनेस व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लंबे और व्यस्त कार्यक्रम के लिए तैयार रखने के लिए फिटनेस मानकों को लेकर बोर्ड नए सिरे से विचार कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने फिटनेस के स्तर में गिरावट और खिलाड़ियों के चोटिल होने के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लिया है। बोर्ड की आंतरिक समीक्षा में टीम के प्रदर्शन और खिलाड़ियों की फिटनेस को प्रभावित करने वाले कारणों पर विचार किया जा रहा है।

बुमराह की फिटनेस से लेकर राणा के वजन तक, कई मामलों पर सवाल

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस भी पिछले कुछ समय से चर्चा में रही है। श्रीलंका दौरे से पहले उनकी उपलब्धता को लेकर भी स्थिति साफ नहीं रही। वहीं, युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा के वजन को लेकर भी सवाल उठे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, राणा का वजन पिछले टी20 विश्व कप से पहले करीब चार किलोग्राम बढ़ा था। बाद में उन्होंने फिट होने के लिए कड़ी मेहनत की और वजन कम किया। हालांकि, मौजूदा समय में उनका वजन फिर बढ़ने की बात सामने आई है। इससे खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को लेकर टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ी हैं।

अब तक लागू नहीं हो सका 'ब्रोंको टेस्ट'

भारतीय टीम में फिटनेस जांच के लिए ब्रोंको टेस्ट को लेकर भी चर्चा होती रही है। पिछले साल टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच ने इस टेस्ट को लागू करने की पहल की थी, लेकिन इसके लिए तय मानक नहीं थे। नई जानकारी के मुताबिक, ब्रोंको टेस्ट के लिए मानक तय किए गए थे, लेकिन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें कुछ हद तक हल्का किया गया। बीसीसीआई ने फिटनेस टेस्ट में पुरुष क्रिकेटरों के लिए समय सीमा 5.15 से 5.20 मिनट तय की थी, जबकि सीओई ने दो किलोमीटर की दौड़ पूरी करने के लिए नौ-10 मिनट का समय निर्धारित किया है। हालांकि, यह टेस्ट अभी तक पूरी तरह लागू नहीं हो सका है।

गंभीर ने कहा- हर चुनौती के लिए तैयार रहो

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने खिलाड़ियों से हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि टीम को आगामी चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा।

गंभीर ने खिलाड़ियों से कहा कि उन्हें हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि टीम को हर चुनौती का सामना करना होगा और 15 अगस्त की सुबह तक खुद को पूरी तरह तैयार रखना होगा।

ऐसे में गिल की चोट ने टीम की तैयारियों के बीच नई चिंता जरूर पैदा कर दी है। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि भारतीय कप्तान कितनी जल्दी पूरी तरह फिट होकर मैदान पर लौटते हैं।

पिछले आठ महीने में चोटिल हुए कई बड़े नाम

भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ महीनों के दौरान चोटों का सिलसिला लगातार देखने को मिला है। प्रमुख नाम इस प्रकार हैंः

शुभमन गिलः श्रीलंका में अभ्यास के दौरान दाहिने हाथ के अंगूठे में चोट।

जसप्रीत बुमराहः घुटने में चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर होने की स्थिति।

हार्दिक पांड्या और आकाश दीपः चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं।

हर्षित राणाः इंग्लैंड दौरे के दौरान चोट के बाद वापसी की।

साई सुदर्शनः अंगूठे में चोट लगने के बाद फिट नहीं होने के कारण बाहर हुए।

वॉशिंगटन सुंदरः इंग्लैंड दौरे के दूसरे वनडे में चोटिल हुए।

विराट कोहलीः इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान चोट की समस्या से जूझे।

रवींद्र जडेजाः आईपीएल के दौरान आंतरिक चोट के बाद अब श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए लौटे हैं।

बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संन्यास लेने के बाद रूट को मिली टेस्ट कमान? नेशनल सेलेक्टर ने बताई वजह

लंदन बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संन्यास लेने के बाद हैरी ब्रूक को प्रमोट करने के बजाय पूर्व कप्तान जो रूट को टेस्ट कमान सौंपी गई। इंग्लैंड के नेशनल सेलेक्टर मार्कस नॉर्थ ने इसके पीछे कमेटी की सोच का खुलासा किया है। 35 वर्षीय जो रूट पहले भी इंग्लैंड की कमान संभाल चुके हैं और उनका पहला कार्यकाल सफल रहा था, जबकि 27 वर्षीय ब्रूक फिलहाल वनडे और टी20 टीमों की कप्तानी कर रहे हैं। रूट ने सबसे पहले 2017 में टीम की कमान संभाली थी और इंग्लैंड के लिए रिकॉर्ड 64 टेस्ट मैचों में कप्तानी की।

उन्होंने 28 जीत हासिल कीं और अप्रैल 2022 में वेस्टइंडीज से 10 विकेट की करारी हार के षबाद कप्तानी छोड़ दी। लेकिन, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेलेक्टर्स ने रूट को इसलिए चुना क्योंकि वे ब्रूक पर तीनों फॉर्मेट की कप्तानी का बोझ नहीं डालना चाहते थे।

मार्कस नॉर्थ का मानना है कि तीनों फॉर्मेट में इंग्लैंड की कप्तानी करना किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ा बोझ होगा, और इसी वजह से बोर्ड ने टेस्ट टीम के लिए रूट जैसे अनुभवी खिलाड़ी को वापस लाने का फैसला किया।

नॉर्थ ने गुरुवार को स्थानीय मीडिया से कहा कि ब्रूक व्हाइट-बॉल कप्तान के तौर पर शानदार काम कर रहे हैं और उनकी नजर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप पर है। साथ ही, एक ही कप्तान को तीनों फॉर्मेट की लीडरशिप की जिम्मेदारी एक साथ सौंपना अभी बहुत मुश्किल काम होगा।

इंग्लिश मीडिया के हवाले से नॉर्थ ने कहा, मुझे लगता है कि हैरी ब्रूक हमारे लिए तीनों फॉर्मेट में शानदार खिलाड़ी रहे हैं। वह टीम का बहुत अहम हिस्सा बने हुए हैं। मुझे लगता है कि व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनकी लीडरशिप हर सीरीज के साथ बेहतर हो रही है। हमने देखा है कि गर्मियों के दौरान हमारी टी20 टीम दुनिया में नंबर 1 रैंकिंग पर पहुंच गई थी। तो, आप जानते हैं, वह अगले साल के आखिर में होने वाले वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए ब्रेंडन मैकुलम के साथ मिलकर वहां शानदार काम कर रहे हैं। यह एक मुख्य फोकस है। और किसी भी कप्तान के लिए तीनों फॉर्मेट संभालना बहुत बड़ी बात है।

हालांकि, नॉर्थ ने स्पष्ट किया कि भविष्य में टेस्ट कप्तान के तौर पर ब्रूक के नाम पर विचार नहीं किया जाएगा, ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे कोई शक नहीं है कि हैरी का भी समय आएगा, लेकिन हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि हमारे पास जो जैसा अनुभवी खिलाड़ी है, जो इस बार हैरी और ब्रेंडन के साथ व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बहुत अच्छा काम करेगा।

क्या सीएम विजय और संगीता के बीच हुई सुलह? थलापति की पत्नी ने वापस ली तलाक की याचिका

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री व एक्टर विजय और उनकी पत्नी संगीता का तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा था। मगर रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि संगीता ने तमिलनाडु की चेंगलपट्टू जिला अदालत में दायर अपनी तलाक की अर्जी वापस ले ली है। संगीता के याचिका वापस लिए जाने के बाद अदालत ने मामले का निपटारा कर दिया।

कब हुई थी विजय और संगीता की शादी?

बता दें कि विजय थलापति और संगीता सोरनलिंगम की शादी साल 1999 में हुई थी। कपल के दो बच्चे हैं-एक बेटा और एक बेटी। हालांकि, दोनों के रिश्ते में दरार की खबरें आई। दिसंबर 2025 में संगीता ने विजय से तलाक की याचिका चेंगलपट्टू जिला अदालत में दायर की थी। इसे बाद में फैमिली कोर्ट में स्थानांतरित किया गया। तलाक का मामला चल रहा था। मगर, अब कथित तौर पर संगीता ने याचिका वापस ले ली है। इसके बाद मामला खत्म हो गया है।

'बोल्ड रोल' करने की मिली सजा : 'नेहल वडोलिया'

नेहल वडोलिया बोल्ड भूमिकाओं निभा रही है । यही ऑडिशन बाद और बेबाक अंदाज के लिए जानी में जाती है। उसने 'गंदी बात 3', 'जूली' और कई बोल्ड कंटेंट वाली वेब सीरीज में काम कर अपनी अलग पहचान बनाई। हालांकि, उसकी यह बोल्ड इमेज कई बार उसके लिए चर्चा और विवाद दोनों की वजह बनी है। नेहल का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। एक ओर जहां बोल्ड किरदारों से पहचान मिली, वहीं यही उसके लिए चुनौती भी बने ।

नेहल ने अपने करियर शुरुआती दौर से जुड़ा किस्सा साझा किया। उसने बताया कि वेब सीरीज 'जूली' के लिए, उसका ऑडिशन काफी अलग था। सीरीज में उसका किरदार साइको नेचर का था, जिसके लिए उसे एक खास तरह की परफॉर्मेंस देनी थी। उसने ऑडिशन के दौरान किरदार की मांग अनुसार बोल्ड सीन को एक्टिंग के तौर पर परफॉर्म किया। डायरैक्टर को समझ आ गया था कि वह सिर्फ के बोल्डनैस नहीं दिखा रही बल्कि अपने किरदार को उसके चयन की वजह बना।

उसने कहा कि बोल्ड सीन करने के बाद उसे कई तरह की आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उसे अपने काम को लेकर कोई शर्मिंदगी नहीं है । उसके लिए यह सिर्फ एक किरदार निभाने का हिस्सा था।

उसने बताया कि बोल्ड कंटैंट में काम करने के बाद उसके लिए टी.वी. इंडस्ट्री में वापसी आसान नहीं रही। पिछले कुछ सालों से उसे टी.वी. पर काम नहीं मिल रहा है और किसी कलाकार की एक खास छवि बन जाने के बाद दर्शक और इंडस्ट्री उसे उसी नजर से देखने लगते हैं।

उसने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर कोई कलाकार लगातार एक ही तरह के किरदार करता है तो लोग उससे कुछ अलग देखने की उम्मीद करने लगते हैं । उसके साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ । हालांकि, अब वह बतौर इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर भी काम कर रही है और इंडस्ट्री में अपनी नई पहचान बनाने की कोशिश कर रही है ।

'केबीसी' के सेट पर देरी के लिए अमिताभ ने मांगी माफी

बोले- वृद्धावस्था में एक वृद्ध की उम्र का पता उसकी आंखों से चलता है

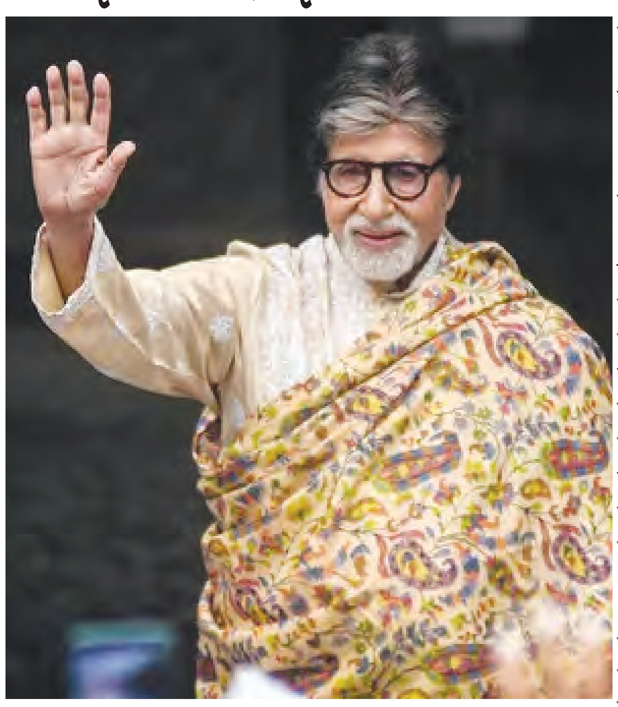

10 अगस्त से टीवी के पॉपुलर शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का 18वां सीजन शुरू होगा। हाल ही में शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने इसका पहला एपिसोड शूट किया। इस दौरान अमिताभ ने दर्शकों के साथ खूब हंसी-मजाक किया। उन्होंने अपनी बढ़ती उम्र के बारे में भी काफी कुछ कहा।

'छोटी-मोटी चीजों में वक्त लगता है'

सबसे पहले तो अमिताभ ने शो की शूटिंग देरी से शुरू होने पर दर्शकों से माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'हम सबसे पहले हाथ जोड़कर माफी मांगते हैं। देर होगी क्योंकि आज यह इस नए सीजन की पहली रिकॉर्डिंग है। छोटी-मोटी तकनीकी चीजें सेट करने में वक्त लगता है।'

'मैं अब वृद्धावस्था में हूं'

आगे बिग बी ने अपनी वृद्धावस्था पर मजाक बनाने वालों को भी मजाकिया अंदाज में जवाब भी दिया। वह बोले, 'फिर कोई बोलेगा सर जो आपका चश्मा है वो गलत है। हमने कहा क्या गलत है यार? मैं पिछले 25 साल से यहीं तो चश्मा पहन रहा हूं। बोले नहीं सर, हमें पीला-पीला दिखता है।

हमने कहा कि उसे थोड़ा सा रंग दिया है। तो बोले- नहीं सर वो गड़बड़ हो जाएगा। हमने कहा- देखो भाई वृद्धावस्था में एक वृद्ध की उम्र का पता उसकी आंखों से चलता है। अब जो हमारी आंखें हैं वो वृद्धावस्था में पहुंच गई हैं तो उसे छिपान के लिए थोड़ा सा टिंच मार दिया।'

कब शुरू होगा 'केबीसी 18' ?

अमिताभ बच्चन के पॉपुलर क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का यह 18वां सीजन है। इसका प्रीमियर 10 अगस्त को होगा। शो हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे प्रसारित किया जाएगा। अमिताभ अब तक इस शो के 17 सीजन होस्ट कर चुके हैं। बीच में सिर्फ 2007 में शो का तीसरा सीजन शाहरुख खान ने होस्ट किया था।

मुंबई एयरपोर्ट पर किसके साथ नजर आए गोविंदा उड़ने लगी अफेयर की अफवाह

एक्टर गोविंदा अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। वहीं एक्ट्रेस रानी स्वर्णकार भी बीते कुछ दिनों से अपनी फिल्म के चलते चर्चाओं में हैं। अब दोनों एक्टर्स को साथ में एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसके बाद फैंस दोनों के बीच अफेयर होने की अटकलें लगाने लगे हैं। जानिए क्या है वायरल वीडियो की सच्चाई।

इस फिल्म में साथ आएंगे नजर

गोविंदा ने स्मार्ट कैजुअल ऑल-ब्लैक लुक कैरी किया था। उन्होंने ब्लैक जैकेट के साथ व्हाइट ओपन-कॉलर शर्ट पहनी थी, जिसे ट्राउजर और डार्क सनग्लासेस के साथ स्टाइल किया। वहीं, रानी स्वर्णकार ने एलिगेंट ऑल-व्हाइट आउटफिट पहना था और अपने लुक को स्टेटमेंट ईयररिंग्स के साथ पूरा किया।गोविंदा और रानी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'रूपा' के प्रमोशन में बिजी हैं। ये फिल्म काफी समय बाद गोविंदा की वापसी भी मानी जा रही है।

मुझे कई बार नजरअंदाज किया गया

फिल्मों में वापसी को लेकर गोविंदा ने पहले कहा था कि लोगों का उन्हें बार-बार नजरअंदाज करना ही उन्हें और मजबूत बनाता रहा। उन्होंने इस किस्मत बताते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा नई शुरुआत में विश्वास रखा है और उम्मीद है कि 'रूपा' युवाओं से कनेक्ट करेगी।उन्होंने कहा, 'शायद किस्मत ही थी कि मुझे कई बार नजरअंदाज किया गया। लोग कहते थे कि अब वो फिल्मों में नहीं आएंगे, लेकिन मैंने हमेशा फिर से शुरुआत की। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि ये फिल्म वो हासिल करे जो मैंने सोचा है, कुछ ऐसा जो लोग सोच भी नहीं सकते और अपना जादू दिखाए।'गोविंदा ने आगे कहा, 'ये फिल्म खासकर युवाओं के लिए है। जब वो इसे थिएटर में देखेंगे, तो मुझे उम्मीद है कि ये उन्हें सपने देखने और उन पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करेगी। इससे ज्यादा मैं कोई आध्यात्मिक बात नहीं करूंगा।'

गोविंदा का वर्कफ्रंट

गोविंदा आखिरी बार 2019 में आई फिल्म 'रंगीला राजा' में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने डबल रोल निभाया था। इसके अलावा 2022 में वो 'नाम था कन्हैयालाल' डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई दिए थे।

'किसी भी बात पर यकीन दिला सकते हैं' अदिति राव ने बांधे रणबीर कपूर की तारीफों के पुल

अदिति राव हैदरी ने रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'रॉकस्टार' में अभिनय किया था, वह इस फिल्म में सहायक भूमिका में थीं। उनके और रणबीर कपूर के बीच भी रोमांटिक सीन्स फिल्म में थे। 'रॉकस्टार' में अदिति ने शीना का रोल किया था। हाल ही में फिल्म 'रामायण' की चर्चा के बीच वह रणबीर कपूर की एक्टिंग स्किल्स के बारे में काफी कुछ बोलीं।

हालिया इंटरव्यू में अदिति राव हैदरी कहती हैं, 'रणबीर के साथ काम करना जबरदस्त था। वह कमाल के हैं, सच में कमाल के हैं। वह मेरे पसंदीदा एक्टर्स में से एक हैं। वह काम के दौरान पूरी तरह मौजूद रहते हैं। वह आपको किसी भी बात पर यकीन दिला सकते हैं।'

रणबीर कपूर के अलावा अदिति राव हैदरी ने निर्देशक संजय लीला भंसाली का भी जिक्र किया। वह कहती हैं, 'मैं संजय सर को बहुत पसंद करती हूं। मुझे उनके साथ काम करना बहुत अच्छा लगता है। वह हमारे लिए बहुत शानदार माहौल बनाते हैं और अपने एक्टर्स और किरदारों से बहुत प्यार करते हैं। वह जो कुछ भी करते हैं, उसमें प्यार और जबरदस्त जुनून होता है। यह देखना बहुत इंस्पायरिंग होता है। हर कोई इस बारे में बात करता है कि वह अपने एक्टर्स को कैसे चुनौती देते हैं, लेकिन वह खुद को सबसे ज्यादा चुनौती देते हैं।' इस साल वह साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' में नजर आईं। इसके अलावा वह दो फिल्में 'पारिवारिक मनोरंजन' और 'लायनेस' भी कर रही हैं। इन दोनों फिल्मों की शूटिंग जारी है।

हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख का रिलेशनशिप कन्फर्म? पुणे की तस्वीरों से फिर शुरू हुई चर्चा; फैंस ने लगाई अटकलें

बीते कई दिनों से हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख के साथ होने की चर्चाएं जारी हैं। पहले भी कई बार एक्टर्स को साथ देखा जा चुका है। अब उनकी इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद एक बार फिर फैंस के मन में कई सवाल खड़े होने लगे हैं।

पोस्ट के बैकग्राउंड से शुरू हुई चर्चाएं

दरअसल हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ दिनों पहले कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें पुणे के विंड्स ओवर वॉटर के केबिन की हैं। दोनों की पोस्ट में कुछ समानताएं नजर आ रही हैं।

पोस्ट एक जगह की है, जहां वे शांति भरा समय बिताते नजर आ रहे हैं। खास बात ये है कि दोनों की तस्वीरें एक ही जगह की दिखाई दे रही है। हालांकि दोनों की साथ में कोई तस्वीर नहीं है।

फैंस ने लगाई अटकलें

अब दोनों की इन तस्वीरों को देखकर फैंस में उनके रिलेशनशिप में होने की चर्चा शुरू हो गई है। फैंस भी उनकी पोस्ट पर साथ होने के कमेंट कर रहे हैं।

दोनों साथ कर चुके है फिल्में

हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख दो प्रोजेक्ट्स पर एक साथ काम कर चुके हैं। 2020 की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'तैश' (जिसे ZEE5 पर रिलीज किया गया था) और थ्रिलर फिल्म 'कुन फाया कुन' में दोनों की जोड़ी साथ नजर आई थी।

पाकिस्तान से आया 'फोन' कभी भूल नहीं पाती : अमीषा पटेल

सनी देओल और अमीषा पटेल की सुपरहिट फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' भारतीय सिनेमा की सबसे यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। 15 जून, 2001 को रिलीज हुई इस ब्लॉकबस्टर फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा, बल्कि भारत के साथ-साथ पाकिस्तान के दर्शकों के दिलों को भी गहराई से छुआ। हाल ही में अमीषा ने इससे जुड़ा एक भावुक किस्सा साझा किया है । अमीषा ने बताया कि 'गदर' की रिलीज के कुछ समय बाद उसे पाकिस्तान से एक ऐसा फोन आया, जिसे वह आज तक नहीं भूल पाई है। अमीषा ने बताया, "पाकिस्तान में भी 'गदर' की बड़ी फैन फॉलोइंग है। एक दिन वहां की एक महिला ने मेरी सैक्रेटरी को फोन किया और कहा- क्या अमीषा जी से बात हो सकती है ? उन्होंने पूरे पाकिस्तान को रुला दिया... सकीना ने सबकी आंखें नम कर दीं। अमीषा ने आगे बताया कि बातचीत के दौरान उस महिला के परिवार ने उसे यह भी बताया कि फिल्म से इतना गहरा जुड़ाव महसूस हुआ कि उसने अपनी बेटी का नाम ही 'सकीना' रख दिया । अमीषा के लिए यह उसके अभिनय की सबसे बड़ी सराहनाओं में से एक है।

आज भी बरकरार है अमीषा के किरदार 'सकीना' का जादू 'गदरः एक प्रेम कथा' ने भारतीय सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई और इसके किरदार आज भी दर्शकों की यादों में बसे हुए हैं ।

फिल्म की अपार सफलता को देखते हुए 23 साल बाद इसका सीक्वेल 'गदर 2' भी रिलीज किया गया, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर साबित कर दिया कि तारा सिंह और सकीना की प्रेम कहानी दर्शकों के दिलों में आज भी बसी हुई है।

शिल्पा शिंदे ने क्यों कहा- 'मुझे सलमान खान की कमी महसूस हुई'?

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे और शिवांगी जोशी के बीच 'लॉक अप सीजन 2' में अक्सर टकराव देखने को मिला। शो के दौरान दोनों के बीच कई बार तीखी बहस और लड़ाई हुई। जहां शिवांगी के लिए ये शो नया अनुभव था, वहीं शिल्पा पहले भी रियलिटी शो 'बिग बॉस' जीत चुकी हैं और इस फॉर्मेट से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

मुझे सलमान खान की कमी महसूस हुई

हाल ही में मीडिया से बातचीत में शिल्पा शिंदे ने कहा, 'सच कहूं तो बहुत सी चीजें टीवी पर नहीं दिखाई गईं। जिस तरह मुझसे बात की गई, खासकर शिवांगी जोशी ने उम्र और काम को लेकर जो बातें कहीं, वो काफी अपमानजनक थीं। ऐसे समय मुझे याद आया कि सलमान जी ऐसे मामलों में स्टैंड लेते थे। मुझे उनकी कमी महसूस हुई।'

उन्होंने आगे कहा कि फराह खान उन्हें एक कंटेस्टेंट के तौर पर पसंद करती थीं और उन्होंने कोई पक्षपात नहीं किया, लेकिन उन्हें ये बात अच्छी नहीं लगी कि शिवांगी के गेम की तारीफ की गई।

शिल्पा ने कहा, 'जब आप कहते हैं कि आप बहुत अच्छा गेम खेल रहे हैं, तो आप आज की युवा पीढ़ी को ये मैसेज देते हैं कि बदतमीजी से बात करना भी अच्छा गेम है। मुझे ये बिल्कुल पसंद नहीं आया और सच में मुझे सलमान सर की कमी महसूस हुई, क्योंकि उनके जैसा कोई नहीं है।'

शो में क्या हुआ था?

शो के दौरान शिवांगी अक्सर शिल्पा के काम ना मिलने की बात उठाती थीं और इसके लिए, उनकी पर्सनैलिटी को जिम्मेदार ठहराती थीं। वहीं शिल्पा भी शिवांगी पर आरोप लगाती थीं कि वो अपनी पर्सनैलिटी फेक करती हैं और गेम में आगे बढ़ने के लिए, हर्ष चोपड़ा का इस्तेमाल कर रही हैं।

दोनों के बीच तब बड़ा झगड़ा हुआ जब शिल्पा ने दावा किया कि शिवांगी ने अपने लगभग सभी को-एक्टर्स के साथ अफेयर किया है।

'लॉक अप 2' का फिनाले

ये रियलिटी शो 5 अगस्त को खत्म हुआ, जिसमें श्रेया कालरा ने शिवांगी जोशी को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। विनर का नाम अनाउंस होते ही शिल्पा शिंदे भावुक होकर रो पड़ीं। शो के दौरान शिवांगी और शिल्पा के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिली थी और दोनों एक-दूसरे के लिए खड़ी रहती थीं। वहीं शिवांगी जोशी और योगेश रावत इस शो के रनर-अप रहे।

राजनीति के घने काले बादलों के बीच सिल्वर लाइनिंग

बांकीपुर में पीके की जीत को कुछ ऐसे देख रहे बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा

पटना, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना के बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत से बिहारी बाबू और टीएमसी नेता शत्रुघ्न सिन्हा काफी खुश हैं। खुशी से गदगद शत्रुघ्न सिन्हा ने पीके को लेकर बड़ी सियासी भविष्यवाणी कर दी है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रशांत किशोर का आना आज बिहार की राजनीति में और जिस तरह से आना हुआ है। वो बहुत ही क्रांतिकारी रहा है। हमारी अपेक्षा के अनुसार जरूर हुआ है। लेकिन बहुत गतिरोध और बहुत अवरोध के बाद। जिस तरह तमाम लोग लगे हुए थे। प्रशांत किशोर को पछाड़ने के लिए।

बिहारी बाबू को दिख रहा पीके में भविष्य

शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि लेकिन शायद प्रशांत किशोर को पिछली बार, उनको और उनकी पार्टी को जिस तरह से हराया गया। जिस तरह से दिखाया गया था कि वो हार गए। सैकड़ों सीटों पर उनकी जमानत जब्त हो गई। उन सारी बातों का इस बार ना सिर्फ खुलासा हुआ है। उसका पूरा बदला हो गया। पीके ने जो किया है, वो बहुत ही सराहनीय है। बहुत ही प्रशंसनीय है। जो लोग अच्छे इरादों से राजनीति में आना चाहते हैं। उनके लिए बहुत ही अनुकरणीय है।

जनता के हीरो बने हैं प्रशांत किशोर- शत्रुघ्न सिन्हा

उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर सही मायने में एक युवा बन के उभरे हैं। जनता के हीरो बनकर उभरे हैं। जिस तरह से उन्होंने अपनी जीत हासिल की। जिस तरह से उनके ऊपर युवा वर्ग का। मध्यम वर्गीय परिवार का और जेन जेड ने जिस तरह से मिलकर भरपूर सहयोग दिया है। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लिया है। वो बहुत ही प्रभावित करता है। इस जीत के साथ पीके ऐसे उभर कर आए हैं। ये सीट बहुत ही महत्वपूर्ण सीट थी। तीस सालों से ये किला ध्वस्त नहीं हुआ था।

प्रशांत किशोर और शत्रुघ्न सिन्हा

'पीके राजनीति के काले बादलों में सिल्वर लाइनिंग'

उन्होंने बताया कि मैं भी जब पटना का सांसद रहा, दो बार लगातार। बांकीपुर हमारे ही पटना साहिब क्षेत्र के अंतर्गत आता था। इसकी जो इस बार उन्होंने भरपाई की है। वो तो आने वाले भूतो न भविष्यतो वो हमेशा लोग याद रखेंगे। इनको रे ऑफ होप। आज की राजनीति में खासकर। जिस तरह से चल रहा है। उस राजनीति के घने काले बादलों के बीच सुनहरी चमकती किरण बनकर। सिल्वर लाइनिंग ऑन क्लाउड बनकर। आज ये प्रशांत किशोर उभरे हैं। मैं इन्हें बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि मैंने अपने ट्विटर के जरिए। अपने लोगों के जरिए उनको पहले भी समर्थन दिया था। आज भी मेरा आशीर्वाद प्रशांत किशोर के साथ है। जिस तरह से तमाम नेता गण आए और छाने की कोशिश की। बीजेपी गली- गली तक पहुंच रही थी। जिस तरह से वे लोग कुप्रचार कर रहे थे। प्रशांत किशोर को बदनाम करने की कोशिश कर रहे थे। जितना प्रशांत किशोर को दबाने की कोशिश की। न्यूटन के तीसरे लॉ के तहत जितने जोर से उसको पटकने की कोशिश की। उतनी ही जोर के साथ पीके उभरकर सामने आए हैं। इसके लिए हम उनको बधाई देते हैं।

उन्होंने कहा कि बांकीपुर के साथ बिहार की जनता के उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। ये मेरी कामना, मनोकामना और शुभकामना और प्रार्थना है। शत्रुघ्न सिन्हा ने प्रशांत किशोर के उस दावे को सपोर्ट किया, जिसमें उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री को हत्यारा और आरोपी बताते हुए बिहार के लिए पढ़ा लिखा और योग्य मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है।

बिहारी बाबू ने कहा कि मैं उनकी मांगों का समर्थन करता हूं। मैं उन्हें ध्यान से सुनता आया हूं। उनकी बातों में सत्य है, तथ्य है। उनकी बातों में दम है और खम है। वो जिस तरह से बात कर रहे हैं। उससे यूथ को प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं। बल्कि प्रोत्साहित भी कर रहे हैं।

बिहार में अवैध शराब का धंधा बदस्तूर जारी

खुद सरकार के आंकड़े दे रहे गवाही

पटना, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी के बाद भी तस्कर अपनी करतूतों को अंजाम देने में जुटे हुए हैं। पुलिस की लगातार छापेमारी इस बात का सबूत है कि ड्राई स्टेट में कैसे शराब की खेप की तस्करी की जा रही है।

बिहार सरकार ने खुद इस बात को आंकड़ों के जरिए माना है। अकेले जुलाई महीने में बिहार में करीब 7 लाख लीटर शराब जब्त की गई है।

जुलाई में शराब के लिए करीब सवा लाख छापेमारी

बिहार सरकार की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक 'राज्य में लागू पूर्ण शराबबंदी नीति का प्रभावी क्रियान्वयन जारी है। मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग पुलिस के सहयोग से राज्यव्यापी अभियान चला रहा है। निरंतर निगरानी और त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप बीते जुलाई माह (1 से 31 जुलाई) में अवैध शराब के खिलाफ कुल 1,21,199 छापेमारी की गई है। इन छापों में 11,586 मामले दर्ज किए गए तथा 13 हजार से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।' सरकार की तरफ से बताया गया है कि अभियान के दौरान 6,94,355 लीटर शराब जब्त की गई, जिसमें देसी और विदेशी दोनों प्रकार की शराब शामिल हैं। साथ ही एक हजार से अधिक वाहनों को भी जब्त किया गया। इनमें 809 दोपहिया एवं अन्य तिपहिया, चारपहिया वाहन, ट्रक भी शामिल हैं।

ट्रक में शराब तस्करी की तस्वीर (फाइल फोटो)

इन सभी के जरिए शराब की तस्करी की जा रही थी। लेकिन पुलिस ने इससे पहले ही शराब तस्करों के मंसूबे नाकाम कर दिए। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, परिवहन और भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। विभाग ने शिकायतों के त्वरित निष्पादन, नियमित छापेमारी और सतत निगरानी पर विशेष जोर दिया है।

सुदूर क्षेत्रों की निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि जलमार्गों पर मोटरबोट के जरिए भी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा अलग-अलग चेक पोस्ट पर भी पुलिस और मद्यनिषेध विभाग की टीम रोजाना चेकिंग कर रही है।

ट्रेनी आईपीएस पर 1 करोड़ रिश्वत लेने का आरोप

सीबीआई स्पेशल कोर्ट में शिकायत, ठगी केस के आरोपी से मांगे रुपए, एएसआई–आरक्षक बने मीडिएटर

सरगुजा, 7 अगस्त (एजेंसियां)। ट्रेनी आईपीएस और अंबिकापुर सीएसपी राहुल बंसल पर ठगी के मामले में हवाला के जरिए 1 करोड़ रिश्वत लेने का आरोप लगा है। हरियाणा के रहने वाले शिकायतकर्ता ने सीबीआई कोर्ट दिल्ली में परिवाद दायर किया है। इसके अलावा कोर्ट को व्हाट्सऐप चैट और ऑडियो क्लीप भी सौंपा गया है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अंबिकापुर साइबर सेल में पदस्थ एएसआई प्रवीण कुमार राठौर और कॉन्स्टेबल अंशुल शर्मा के जरिए रिश्वत का सौदा किया गया। आरोप है कि 1 करोड़ की रकम हवाला ऑपरेटरों के जरिए पहुंचाई गई। इस पूरे मामले में छत्तीसगढ़ डीजीपी को नोटिस जारी किया गया है।

जानकारी के अनुसार, हरियाणा के रहने वाले आकाश कुमार पर ठगी का केस दर्ज है। आकाश कुमार का आरोप है कि इस केस की जांच के दौरान अंबिकापुर सीएसपी राहुल बंसल ने दबाव

बनाकर एक करोड़ रुपए की रिश्वत ली। शिकायतकर्ता का कहना है कि रिश्वत की रकम हवाला के माध्यम से ली गई। साइबर सेल के एएसआई प्रवीण कुमार राठौर और आरक्षक अंशुल शर्मा ने बिचौलियों की भूमिका निभाई। शिकायतकर्ता ने बताया कि 8 जून 2026 को सीबीआई निदेशक को लिखित शिकायत देकर मामले की जांच और एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में धारा 175(3) के तहत परिवाद दायर किया।

परिवाद में ट्रेनी आईपीएस राहुल बंसल, एएसआई प्रवीण कुमार राठौर, आरक्षक अंशुल शर्मा और सीबीआई को पक्षकार बनाया गया है। शिकायत में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 7ए, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 308 और 351 के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायत के साथ शपथ-पत्र, व्हाट्सऐप चैट और कॉल रिकॉर्डिंग भी कोर्ट में पेश की गई हैं। सीबीआई स्पेशल कोर्ट के जज सुधांशु कौशिक ने मामले में सीबीआई, राहुल बंसल, एएसआई प्रवीण कुमार राठौर और आरक्षक अंशुल शर्मा को नोटिस जारी किया। सभी पक्षों ने अपने-अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से कोर्ट में जवाब पेश किया है।

कोर्ट ने 17 जुलाई 2026 को छत्तीसगढ़ के डीजीपी को भी नोटिस जारी कर रिपोर्ट मांगी थी। डीजीपी की ओर से पेश अधिवक्ता ने जवाब दाखिल करने के लिए एक माह का समय मांगा, लेकिन कोर्ट ने यह अनुरोध खारिज कर 22 जुलाई 2026 तक पूरी रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया।

बाद में 4 अगस्त 2026 को कोर्ट ने अगली सुनवाई से पहले रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त 2026 को होगी। इन आरोपों को लेकर सीएसपी राहुल बंसल से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। शिकायत में दावा किया गया है कि यह कथित रिश्वत अंबिकापुर के साइबर रेंज थाने में दर्ज एक ठगी के मामले की जांच के दौरान मांगी गई थी।

कुत्ते नहीं बकरे के शौकीन निकले तेंदुए!

लोगों ने चंदा कर पिंजरे में 'बकरा' रखा तो एक साथ दो तेंदुए फंस गए, तीन महीने से गांव में फैला रहे थे दहशत

शिवपुरी, 7 अगस्त (एजेंसियां)। एमपी के शिवपुरी जिले में पिछले तीन महीने से ग्रामीणों और वन विभाग के लिए परेशानी का कारण बने दो तेंदुओं को आखिरकार रेस्क्यू कर लिया गया। खास बात यह रही कि चार दिन तक पिंजरे में कुत्ते को चारे के रूप में रखने के बावजूद तेंदुए नहीं फंसे, लेकिन जैसे ही ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर बकरा रखा, अगले ही दिन दोनों तेंदुए पिंजरे में कैद हो गए। इसके बाद वन विभाग ने उन्हें सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, सामान्य वन मंडल की शिवपुरी रेंज से निकली एक मादा तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ हातोद गांव के आसपास घूम रही थी। इस दौरान तेंदुए गांव के कुत्तों और बकरियों का लगातार शिकार कर रहे थे, जिससे ग्रामीणों में डर और दहशत का माहौल बना हुआ था।

ग्रामीणों की शिकायत पर सामान्य वन मंडल ने 2 अगस्त को टाइगर रिजर्व से पिंजरा मंगवाकर गांव में लगाया। शुरुआती चार

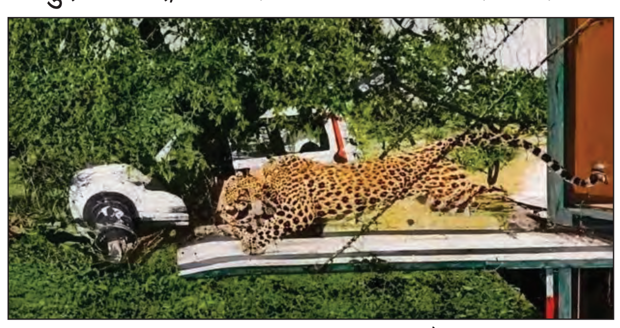

दिनों तक पिंजरे में कुत्ते को चारे के रूप में रखा गया, लेकिन तेंदुए उसके करीब भी नहीं आए। इसके बाद ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर बकरा पिंजरे में रखा। 6 अगस्त की सुबह दोनों तेंदुए उसी पिंजरे में कैद मिले। टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम की मदद से दोनों तेंदुओं को सुरक्षित सामान्य वन मंडल की सतनवाड़ा रेंज के जंगल में छोड़ दिया गया। वन विभाग के अनुसार, इलाके में अभी एक शावक और मादा तेंदुआ होने की आशंका है, इसलिए उनकी लगातार निगरानी की जा रही है।

हातोद निवासियों के अनुसार पिछले चार महीनों में तेंदुओं ने उनके पालतू कुत्ते पर तीन बार हमला किया, लेकिन वह हर बार बच निकला।

ग्रामीणों का कहना है कि जब तक सभी तेंदुओं को सुरक्षित जंगल में नहीं पहुंचाया जाता, तब तक गांव में निगरानी जारी रहनी चाहिए। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इलाके में अभी भी एक शावक और मादा तेंदुआ के मौजूद होने की संभावना है।

टाटीझरिया में जंगली हाथियों का उत्पात

हजारीबाग, 7 अगस्त (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक जारी है। खैरा, सिझुआ और महुआटांड़ सहित कई गांवों में हाथियों का झुंड लगातार विचरण कर रहा है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। देर रात महुआटांड़ गांव में जंगली हाथियों के झुंड ने एक आदिवासी परिवार के घर को ध्वस्त कर दिया। मिहिलाल टुडू के घर को नुकसान पहुंचने से उनके परिवार के सामने आवास की समस्या खड़ी हो गई है। हाथियों के झुंड ने घर को क्षतिग्रस्त करने के साथ-साथ आसपास के खेतों में लगी फसलों को भी रौंदकर भारी नुकसान पहुंचाया। बरसात के मौसम में किसान खेती के कार्यों में लगे हैं, ऐसे में फसलों के बर्बाद होने से उनकी चिंताएं बढ़ गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों के गांवों के करीब आने से जान-माल की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है।

भिलाई ट्रिपल मर्डर केस में फांसी रद्द, आखिरी सांस तक जेल

पत्नी–डेढ़ माह की बेटी समेत तीन की हत्या, हाईकोर्ट बोला– मामला रेयरेस्ट नहीं

बिलासपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने भिलाई के तालपुरी में हुए चर्चित ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी रवि शर्मा को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उसकी सजा बरकरार रखते हुए ट्रायल कोर्ट की फांसी की सजा को बदलकर बिना किसी छूट के उम्रकैद कर दिया है।

यानी अब आरोपी रवि शर्मा को मरते दम तक जेल में रहना होगा। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मामला 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' की श्रेणी में नहीं आता, इसलिए फांसी की सजा देना जरूरी नहीं है। बता दें कि निचली अदालत ने आरोपी को फांसी की सजा सुनाई थी।

21 जनवरी 2020 को तालपुरी के एक किराये के मकान में रवि शर्मा की पत्नी मंजू शर्मा, उनकी डेढ़ माह की बेटी और एन. राजू के शव मिले थे। आरोपी ने सबूत मिटाने के लिए तीनों के शवों को जलाने की कोशिश की थी।

जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के पास से मिला चिपकने वाला टेप घटनास्थल पर इस्तेमाल किए गए टेप से मेल खा गया। उसके पास से नींद की दवा एल्प्रेक्स 0.5 का खाली रैपर भी मिला। वहीं, दीवार पर लिखे गए नोट की लिखावट भी आरोपी की लिखावट से मिल गई।

आरोपी रवि शर्मा ने बेहद चालाकी से हत्या की पूरी योजना बनाई थी। खुद को मरा हुआ साबित करने के लिए उसने अनजान व्यक्ति एन. राजू की हत्या कर दी। इसके बाद सबूत मिटाने के लिए तीनों शवों को गैस सिलेंडर से जलाने की कोशिश की।

वारदात से पहले उसने पत्नी, अपनी डेढ़ माह की बेटी और एन. राजू को नींद की दवा एल्प्रेक्स 0.5 खिलाई। फिर उनके मुंह, हाथ और पैर पर टेप बांध दिया, जिससे दम घुटने से तीनों की मौत हो गई।

बाद में आरोपी ने दीवार पर एक नोट लिखा, ताकि लोगों को लगे कि उसने पत्नी की बेवफाई से परेशान होकर आत्महत्या कर ली है, लेकिन मृतका की मां को आए एक अनजान फोन कॉल से मामले का खुलासा हुआ।

सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे तो घर के अंदर तीनों के शव मिले।

पोखर में डूबने से मां सहित चार बच्चों की मौत

पूर्वी चंपारण, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के एक गांव के पोखर में डूबने से एक महिला और उसके चार बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना गोविंदगंज थाना क्षेत्र के बभनौली गांव में बृहस्पतिवार को हुई। मृतकों की पहचान सुशीला देवी (30), उनकी बेटियों अमृता कुमारी (11) और पम्मी कुमारी (छह) तथा बेटों अविनाश कुमार (आठ) और रवि कुमार (चार) के रूप में हुई है। अरेराज के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) आदित्य दीक्षित ने बताया कि महिला रोजाना की तरह बृहस्पतिवार को भी अपने बच्चों को चारा काटने और घोंघा इकट्ठा करने के लिए पास के खेतों में ले गई थी। जब महिला का पति शाम को घर लौटा तो उसने पत्नी और बच्चों को नहीं पाया और उनकी तलाश शुरू कर दी। आखिरकार, पुलिस और ग्रामीणों की मदद से खेतों में स्थित एक पोखर से शव बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि ऐसी आशंका है कि बच्चों में से कोई एक संभवतः तालाब के निकट बारिश के पानी से भरे गड्ढे में फिसल गया होगा, जिसके बाद वह बहता हुआ पोखर की ओर चला गया और बाकी बच्चे उसे बचाने के प्रयास में डूब गए। हालांकि, स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हाल में हुए घरेलू विवाद के कारण महिला ने पहले अपने बच्चों की हत्या की और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। बीडीओ दीक्षित और गोविंदगंज थाना प्रभारी सच्चिदानंद पांडे ने बताया कि मौत के सटीक कारणों का पता उचित जांच के बाद ही चल सकेगा।

अधिराज ग्रुप के डायरेक्टर ने बहन-जीजा से 1.25 करोड़ ठगे

डबल प्रॉफिट का झांसा देकर इन्वेस्ट कराया, फर्जी साइन कर फर्म से बाहर किया

रायपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर में कारोबार में पार्टनरशिप और दोगुना मुनाफा दिलाने का झांसा देकर भाई ने अपनी बहन और जीजा से करीब 1.25 करोड़ रुपए की ठगी कर ली। आरोप है कि बाद में फर्जी साइन कर दोनों को साझेदारी फर्म से भी बाहर दिखा दिया गया।

मामले का खुलासा तब हुआ, जब बहन ने रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स से सूचना के अधिकार के तहत दस्तावेज हासिल किए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी, कूटरचना और जालसाजी समेत अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता का नाम शिवांगी गर्ग है। जबकि आरोपी शुभम सिंघल और जया सिंघल है। नागपुर के लॉ कॉलेज स्क्वायर निवासी शिवांगी गर्ग (43) मनोवैज्ञानिक काउंसलर हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि उनके भाई शुभम सिंघल और भाभी जया सिंघल रायपुर में पहले अधिराज सीमेंट और बाद में अधिराज ट्रेडलिंक नाम से साझेदारी फर्म संचालित करते थे।

आरोप है कि साल 2020 में कारोबार के विस्तार और अधिक मुनाफे का भरोसा दिलाकर शिवांगी और उनके पति से अलग-अलग समय में नकद और बैंक के माध्यम से करीब 1.25 करोड़ रुपए का निवेश कराया गया। शुरुआत में विश्वास दिलाने के लिए उनके खाते में मुनाफे के नाम पर कुछ पैसे भी भेजे जाते रहे। आरोप है कि निवेश की राशि वापस मांगने पर 4 अप्रैल 2025 को दंपती को दोनों फर्मों में भागीदार बनाया गया। शिकायत के अनुसार उसी दिन शुभम सिंघल ने खुद साझेदारी से इस्तीफा दे दिया।

इसके बाद मुनाफे का पैसा देना बंद कर दिया गया। जनवरी 2026 में रायपुर में हुई पारिवारिक बैठक में रकम लौटाने का आश्वासन भी दिया गया, लेकिन भुगतान नहीं किया गया।

छाताबाद में भूधसान, एक दर्जन घर ध्वस्त

कई लोग घायल, इलाके में दहशत का माहौल आसपास की जमीन में भी बड़ी दरारें उभरीं

धनबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। धनबाद के कतरास थाना क्षेत्र स्थित छाताबाद में शुक्रवार को बड़े पैमाने पर भूधसान हुआ। इस घटना में करीब एक दर्जन घर जमींदोज हो गए, जिनमें एक दो मंजिला मकान भी शामिल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, भूधसान से पहले जमीन में तेज आवाज के साथ दरारें पड़नी शुरू हुईं। देखते ही देखते बड़े क्षेत्रफल में जमीन धंस गई और कई घर उसकी चपेट में आ गए। आसपास की जमीन में भी बड़ी दरारें उभर आईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। मलबे और धंसी जमीन में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। इस घटना में लगभग एक दर्जन लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बीसीसीएल और जिला प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। उनका आरोप है कि कोयला खनन क्षेत्र में भूधसान का खतरा लंबे समय से बना हुआ है, लेकिन सुरक्षा, निगरानी और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों से तत्काल राहत, मुआवजा और सुरक्षित पुनर्वास की मांग की है। फिलहाल, प्रशासन और संबंधित एजेंसियां भूधसान के कारणों की जांच तथा नुकसान का आकलन कर रही हैं। प्रभावित इलाके में दहशत का माहौल है और लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने को मजबूर हैं।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष की तानाशाही पर क्यों नहीं बोलते गहलोत?

गृह राज्यमंत्री बेढम ने दे डाली यह नसीहत

जयपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर करारा पलटवार किया है। विरोध प्रदर्शन पर वाटर कैनन से पानी फेंकने और लाठीचार्ज वाले गहलोत के बयान पर गृह राज्य मंत्री बेढम ने कहा कि वे अपनी पार्टी की अंदरुनी लड़ाई छुपाने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। दूसरों पर ध्यान देने के बजाय उन्हें अपने घर में झांकना चाहिए।

शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि अशोक गहलोत जी अपनी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की तानाशाही पर क्यों नहीं बोल रहे हैं। हाल ही में अपनी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में डोटासरा जी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उन्हें किसी 'ऐरे गैरे

नत्थू खेरे' से सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। बेढम ने कहा कि डोटासरा का यह बयान कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व को चुनौती देने वाला है। बेढम ने कहा कि भाजपा सुशासन देने वाली पार्टी है। कभी कभी कहीं पर कानून व्यवस्था का उल्लंघन होता है तो पुलिस अपने तरीके से निपटने का प्रयास करती है। पुलिस का प्रयास होता है कि कानून व्यवस्था बनी रहे। इसके लिए वे जरूरी कदम उठाती है। गहलोत का बयान से स्पष्ट है कि वे अपनी पार्टी की अंदरुनी लड़ाई को छुपाने के लिए अनर्गल आरोप लगाते रहते हैं।

बेढम ने यह भी कहा कि भाजपा ने युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए रोडमैप तैयार किया है। प्रधानमंत्री ने हमेशा स्किल डवपलमेंट से लेकर मेक इन इंडिया पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ उनकी स्किल की हमेशा तारीफ ही की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी कहा है कि वे अपने कार्यकाल में चार लाख सरकारी नौकरी देने के साथ निजी क्षेत्र में छह लाख रोजगार उपलब्ध कराएंगे। इससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा युवाओं के भविष्य के प्रति ज्यादा चिंतित है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में उन्होंने युवाओं के सपनों पर पानी फेरने का काम किया।

ऑनलाइन ऑर्डर करें शराब या आउटलेट से लें

तमिलनाडु में थलपति विजय का बड़ा कदम

चेन्नई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु में शराब के शौकीनों के लिए अच्छी खबर है। तमिलनाडु में शराब की बिक्री के सिस्टम में बड़ा बदलाव हुआ है। इसके चलते कस्टमर अब यानी शुक्रवार से 'टासमैक' वेबसाइट के जरिए शराब ऑर्डर कर सकेंगे। थलपति विजय की सरकार ने 'टासमैक' आउटलेट्स पर शराब खरीदने के लिए ऑनलाइन ऑर्डर और कैशलेस पेमेंट की सुविधा शुरू की है। यह कदम सरकारी शराब की दुकानों पर ग्राहकों से ज्यादा पैसे वसूलने की लगातार शिकायतों को दूर करने के मकसद से उठाया गया है।

नए सिस्टम के तहत ग्राहक वेबसाइट के जरिए शराब की बोतलें ऑर्डर कर सकेंगे और पेमेंट भी ऑनलाइन कर सकेंगे। इसके बाद वे तय किए गए 'तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन' रिटेल आउटलेट से अपनी शराब ले

सकेंगे। राज्य भर में शराब की दुकानों पर ग्राहकों से तय कीमत से ज्यादा पैसे वसूलने के कई आरोप लगे हैं। साथ ही कर्मचारियों की ओर से अक्सर अतिरिक्त पैसे मांगने की शिकायतें भी सामने आई हैं।

दरअसल थलपति विजय की सरकार ने यह कदम मद्रास हाई कोर्ट की ओर से शुक्रवार को ज्यादा पैसे वसूलने की प्रथा के खिलाफ की गई सख्ती के साथ ही उठाया गया है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि अगर कर्मचारी ग्राहकों से अतिरिक्त पैसे मांगते हैं, तो उन्हें पुलिस में शिकायत दर्ज करने की अनुमति दी जानी चाहिए। कोर्ट ने आदेश दिया कि ग्राहकों से अतिरिक्त पैसे मांगने वाले लोगों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने राज्य भर में शराब की दुकानों पर पुलिसकर्मियों को तैनात करने का भी निर्देश दिया।

जस्टिस जीके इलानथिरायन ने यह भी सवाल किया कि जब दूसरी जगहों पर ग्राहकों को बिल देने का चलन आम है, तो 'टासमैक' आउटलेट ऐसा क्यों नहीं कर सकते। जस्टिस इलानथिरायन ने पूछा कि जब सुपरमार्केट एक टूथब्रश बेचने पर भी बिल देते हैं और केरल में शराब की खुदरा दुकानें बिल देना सुनिश्चित करती हैं, तो तमिलनाडु में ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता?

वित्त-वाणिज्य

फेसबुक-इंस्टाग्राम से युवाओं की मेंटल हेल्थ बिगड़ी

मेटा पर अमेरिकी कोर्ट ने 9030 करोड़ का जुर्माना लगाया, युवाओं के इलाज पर 3993 करोड़ खर्च होंगे

वाशिंगटन डीसी, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राज्य न्यू मैक्सिको की अदालत ने गुरुवार को इंस्टाग्राम-फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा पर 942 मिलियन डॉलर यानी 9030 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने कहा कि प्लेटफॉर्म से युवाओं की मेंटल हेल्थ को नुकसान पहुंचा।जुर्माने की रकम में से 420 मिलियन डॉलर यानी 3993 करोड़ रुपए युवाओं के इलाज पर खर्च होंगे। बाकी की रकम अगले 5 साल में अवेयरनेस, प्रिवेंशन, स्क्रीनिंग सर्विस पर खर्च की जाएगी।यह केस दो फेज में चला। पहले फेज में कोर्ट ने मेटा पर 375 मिलियन डॉलर यानी 3571 करोड़ रुपए के सिविल जुर्माना लगाने का आदेश दिया था। तब कोर्ट ने कहा था कि कंपनी जानती थी कि प्लेटफॉर्म पर बच्चों का यौन शोषण हुआ, लेकिन इसे छिपाया।

दूसरे फेज में कोर्ट ने मेटा पर 567 मिलियन डॉलर यानी 5,390 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। इस तरह अदालत ने कंपनी पर कुल 942 मिलियन डॉलर यानी 9030 करोड़ रुपए जुर्माना लगाया।केस के दौरान प्रॉसिक्यूटर्स ने जज से मेटा में बुनियादी बदलाव करने की मांग की थी। इन बदलावों का मकसद लत लगाने वाले फीचर्स पर रोक लगाना, एज वैरिफिकेशन प्रोसेस को बेहतर बनाना और डिफॉल्ट प्राइवेसी सेटिंग्स, कड़ी निगरानी के जरिए बच्चों के यौन शोषण को रोकना था। यह मामला न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेस ने दायर किया था।

आरोप था कि मेटा के इंस्टाग्राम-फेसबुक बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं हैं। कंपनी ने जानबूझकर इन खतरों को नजरअंदाज किया।जांच के दौरान सामने आया कि मेटा के प्लेटफॉर्म्स का एल्गोरिदम बच्चों को ज्यादा समय तक जोड़े रखने के लिए डिजाइन किया गया है। इससे उनमें लत लगने, डिप्रेशन और अन्य मानसिक समस्याओं का खतरा बढ़ता है।मामला सिर्फ मेंटल हेल्थ तक सीमित नहीं रहा। आरोप लगा कि प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बच्चों को फंसाने और यौन शोषण के लिए भी हो रहा था, और कंपनी को इसकी जानकारी होने के बावजूद पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए।अदालत ने कहा कि बच्चों की प्राइवेसी से जुड़े कानून मेटा को 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए एज वैरिफिकेशन करने वाले टूल्स लागू करने से रोकते हैं। 'चिल्ड्रन्स ऑनलाइन प्राइवेसी एक्ट' का मतलब है कि अदालत मेटा को यह आदेश नहीं दे सकती कि वह बच्चों से निजी डेटा देने या ऑनलाइन ट्रैक किए जाने के लिए कहे, भले ही एज वैरिफिकेशन के लिए ही क्यों न हो।अदालत ने यह भी कहा कि न सिर्फ मेटा, बल्कि दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों का एज वैरिफिकेशन करने का आदेश देना अनुचित होगा और कंपनी के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदेह होगा।मार्क जुकरबर्ग को 31 जनवरी 2024 में अमेरिकी सीनेट की सुनवाई में बुलाया गया था, जहां बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और सोशल मीडिया के नुकसान पर सवाल उठे।सुनवाई के दौरान कई ऐसे परिवार भी मौजूद थे, जिनके बच्चों को सोशल मीडिया से नुकसान हुआ था। इसी बीच जोश हॉले ने जुकरबर्ग से कहा कि वे पीछे मुड़कर उन परिवारों से माफी मांगें, जिनके बच्चे प्रभावित हुए हैं।इसके बाद जुकरबर्ग खड़े हुए, पीछे मुड़े और भावुक अंदाज में कहा, 'मैं उन सबके लिए माफी चाहता हूं, जो आप लोगों ने झेला है।

'यह सुनवाई का सबसे अहम और चर्चा में रहने वाला पल बना, जिसने टेक कंपनियों की जवाबदेही को सीधेतौर पर लोगों के सामने ला दिया।

विदेशी मुद्रा भंडार 10 .5 अरब डॉलर बढ़कर 692.87 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार बताया कि 31 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 10.512 अरब डॉलर बढ़ गया। यह बढ़कर 692.866 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब देश के विदेशी मुद्रा भंडार में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में भी कुल भंडार में वृद्धि हुई थी। तब यह 6.118 अरब डॉलर बढ़कर 682.354 अरब डॉलर हो गया था। यह वृद्धि देश की आर्थिक स्थिति के लिए एक मजबूत संकेत है। इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर था।

हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद इसमें कई सप्ताह तक गिरावट आई। रुपये पर दबाव बढ़ने के कारण आरबीआई को विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा। केंद्रीय बैंक ने डॉलर बेचकर रुपये को सहारा दिया था। वर्तमान वृद्धि उस गिरावट से उबरने में मदद कर रही है।

इस वृद्धि के मुख्य कारण क्या हैं?

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई को समाप्त सप्ताह के लिए विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 8.75 अरब डॉलर बढ़ गईं। यह भंडार का सबसे बड़ा घटक है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों से पता चला कि यह बढ़कर 564.68 अरब डॉलर हो गया। डॉलर के संदर्भ में, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में यूरो, पाउंड और जापानी येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्य में उतार-चढ़ाव शामिल होता है। इसके साथ ही, स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 1.685 अरब डॉलर बढ़कर 104.743 अरब डॉलर हो गया है। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 48 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.666 अरब डॉलर पर पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ भारत की आरक्षित स्थिति भी 28 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.778 अरब डॉलर हो गई।

क्या सरकार और केंद्रीय बैंक ने कोई कदम उठाए हैं?

पिछले महीने केंद्रीय बैंक और सरकार ने देश में अधिक विदेशी मुद्रा प्रवाह आकर्षित करने के लिए कई उपाय शुरू किए थे। इन उपायों में एफसीएनआर(बी) जैसे विशेष कदम भी शामिल थे। इनका उद्देश्य विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश के लिए प्रोत्साहित करना था। रिपोर्टों के अनुसार, देश को इन योजनाओं के तहत अब तक कुल 32 अरब डॉलर प्राप्त हुए हैं। इन प्रयासों से विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने में मदद मिली है।

यह वृद्धि रुपये और अर्थव्यवस्था के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

विदेशी मुद्रा भंडार में यह वृद्धि देश की आर्थिक स्थिरता के लिए एक सकारात्मक संकेत है। मजबूत भंडार बाहरी झटकों से निपटने की क्षमता प्रदान करता है। यह आयात के लिए भुगतान करने और विदेशी ऋण चुकाने में भी सहायक होता है। यह रुपये को मजबूत करने में मदद कर सकता है। मजबूत रुपया आयात को सस्ता बनाता है और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण में सहायक होता है। यह विदेशी निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाता है।

शेयर बाजार लाल निशान पर बंद

सेंसेक्स 456 अंक गिरा, निफ्टी 24600 से फिसला

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुकव्रार को लाल निशान पर बंद हुए। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में नई लॉन्च की गई क्लोजिंग नीलामी सत्र के कारण भिन्नता देखी गई। इस सत्र ने बाजार बंद होने के समय सूचकांकों के प्रदर्शन में अंतर पैदा किया। बीएसई सेंसेक्स 455.59 अंक या 0.58 फीसदी गिरकर 78,499.17 पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार के दौरान यह 577.69 अंक तक लुढ़क गया था। एनएसई निफ्टी 65.35 अंक या 0.27 फीसदी की गिरावट के साथ 24,570.65 पर समाप्त हुआ। दिन में निफ्टी 113.25 अंक तक नीचे आया था। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में बजाज फाइनेंस 5.90 फीसदी और बजाज फिनसर्व 4.18 फीसदी गिरे। आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स भी पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टेक महिंद्रा बढ़त वाले शेयरों में रहे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ 82.20 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार, 6 अगस्त को 17.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने बताया कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज वार्ता को लेकर नई अनिश्चितता ने भारतीय शेयर बाजारों को प्रभावित किया। वित्तीय शेयरों में व्यापक कमजोरी भी गिरावट का एक बड़ा कारण बनी। निवेशकों की धारणा सतर्क रही क्योंकि बाजार भू-राजनीतिक जोखिमों का आकलन कर रहे थे। गैर-बैंकिंग ऋण क्षेत्र के लिए नए नियामक प्रस्तावों के संभावित प्रभावों पर भी बाजार ने विचार किया। पूरे सप्ताह के दौरान, दोनों प्रमुख सूचकांकों में अंतर देखा गया। शेयर बाजारों ने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) अनुबंधों वाले शेयरों के लिए एक नई नीलामी व्यवस्था शुरू की थी। इक्विटी कैश सेगमेंट में समापन नीलामी सत्र सोमवार, 3 अगस्त को चालू हो गया था। इस नई नीलामी-आधारित व्यवस्था का उद्देश्य योग्य शेयरों की समापन कीमतों को अधिक पारदर्शी और मजबूत बनाना है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि मध्य पूर्व में निश्चित भू-राजनीतिक समाधान की कमी से कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर बनी हुई हैं। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	कर्क	मे
चंद्र	वृष	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कन्या	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
कर्क---	04-27 बजे
सिंह---	06-39 बजे
कन्या---	08-46 बजे
तुला----	10-50 बजे
वृश्चिक---	13-01 बजे
धनु----	15-15 बजे
मकर--	17-20 बजे
कुंभ---	19-11 बजे
मीन---	20-49 बजे
मेष----	22-25 बजे
वृष-----	00-09 बजे
मिथुन--	02-11 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-01 सूर्यास्त. 18-42
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष शनिवार 08 August 2026
तिथि - दशमीं 13-59 तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - रोहिणी 16-51 तक उप मृगशिरा
योग - ध्रुव 09-01 तक उप व्याघात
करण - विष्टी (भद्रा) 13-59 तक उप बव

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-10 से 10-46 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया		
काल	05-56 - 07-34	अशुभ
शुभ	07-34 - 09-10	शुभ
रोग।।	09-10 - 10-46	अशुभ
उत्पात	10-46 - 12-22	अशुभ
चंचल	12-22 - 13-58	शुभ
लाभ	13-58 - 15-33	शुभ
अमृत	15-33 - 17-09	शुभ
काल	17-09 - 18-48	अशुभ

रात का चौघड़िया		
लाभ.	18-48 - 20-09	शुभ
उत्पात	20-09 - 21-33	अशुभ
शुभ	21-33 - 22-58	शुभ
अमृत	22-58 - 00-22	शुभ
चंचल	00-22 - 01-46	शुभ
रोग	01-46 - 03-10	अशुभ
काल	03-10 - 04-35	अशुभ
लाभ	04-35 - 05-56	शुभ

'100% शुद्ध' लिखने पर डाबर पर गिरी थी गाज, अब दिल्ली हाईकोर्ट ने एफएसएसएआई के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। डाबर इंडिया को अपने कई फूड प्रोडक्ट को लेकर बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें डाबर को '100% शुद्ध', '100% नेचुरल' और '100% ऑर्गेनिक' जैसे दावे करने वाले कुछ फूड प्रोडक्ट्स की बिक्री बंद करने को कहा गया था। जस्टिस अमित महाजन ने कहा कि डाबर इन उत्पादों को कई सालों से बेच रही है और कंपनी ने पहली नजर में राहत का मामला बनाया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि कंपनी को अपना पक्ष रखने का मौका दिए बिना बिक्री रोकने का आदेश जारी नहीं किया जाना चाहिए था। मामले की अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी।

बिना सुनवाई के आदेश पर कोर्ट की आपत्ति

डाबर के वकील ने कोर्ट में कहा कि एफएसएसएआई ने कंपनी को पहले कोई कारण बताओ नोटिस नहीं दिया और न ही अपना पक्ष रखने का मौका दिया। इसलिए यह आदेश प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। वहीं, केंद्र सरकार के वकील ने एफएसएसएआई के आदेश का बचाव किया। उन्होंने कहा कि डाबर को पहले भी 'इंप्रूवमेंट नोटिस' और एडवाइजरी दी जा चुकी हैं। सरकार के अनुसार, खाद्य उत्पादों पर '100 प्रतिशत' जैसे दावे ग्राहकों को गुमराह कर सकते हैं। अदालत ने अंतरिम राहत रोकने की मांग पर कहा कि कंपनी इन उत्पादों को दशकों से बेच रही है। ऐसे में अचानक यह कहना कि अब इन्हें नहीं बेच सकते, उचित नहीं लगता।

क्या था एफएसएसएआई का आदेश?

एफएसएसएआई ने 3 अगस्त को डाबर को कई उत्पादों की बिक्री रोकने का आदेश दिया था। इनमें '100% शुद्ध', '100% नेचुरल' और '100% ऑर्गेनिक' जैसे दावे किए गए थे। एफएसएसएआई के आदेश में डाबर शहद, डाबर हनी स्क्वीजी, डाबर सुंदरबन हनी, डाबर ऑर्गेनिक हनी, डाबर हिमालयन एप्पल साइडर विनेगर, डाबर गाय का घी, रियल एक्टिव 100% टेंडर कोकोनट वॉटर, डाबर होममेड कोकोनट मिल्क आदि प्रोडक्ट शामिल थे।

डाबर ने हाईकोर्ट में क्यों दी चुनौती?

डाबर ने एफएसएसएआई के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी।

कंपनी का कहना है कि कार्रवाई से पहले उसे अपना पक्ष रखने का मौका मिलना चाहिए था।कंपनी ने खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 का हवाला देते हुए कहा कि नियामक को पहले कंपनी से स्पष्टीकरण मांगना चाहिए और उसके जवाब पर विचार करना चाहिए।

कारोबार पर असर

डाबर ने यह भी कहा कि एफएसएसएआई के आदेश के कारण बाजार में पहले से मौजूद सामान को वापस लेना या उसकी पैकेजिंग बदलना पड़ सकता है। कंपनी के मुताबिक, एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया पर भी आदेश की जानकारी साझा की, जिसके बाद कुछ डिस्ट्रीब्यूटर्स और ऑनलाइन दुकानों को इन प्रोडक्ट्स की बिक्री से बचने की सलाह दी गई। इससे कंपनी के कारोबार पर असर पड़ा।

100% शुद्धता' को लेकर क्या है विवाद?

डाबर का कहना है कि एफएसएसएआई के आदेश में यह साफ नहीं किया गया कि '100% शुद्ध' या '100% नेचुरल' जैसे दावे किस नियम का उल्लंघन करते हैं।

कंपनी के अनुसार, आदेश में सिर्फ यह कहा गया है कि ये दावे 'भ्रामक लगते हैं', लेकिन इसके पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया।कंपनी ने कहा कि केवल '100%' जैसे शब्द इस्तेमाल करने से किसी उत्पाद को अपने आप भ्रामक नहीं माना जा सकता, खासकर जब उत्पाद एक ही सामग्री से बना हो या पूरी तरह प्राकृतिक सामग्री से तैयार किया गया हो।डाबर ने यह भी कहा कि एफएसएसएआई ने इन उत्पादों को मिलावटी, असुरक्षित, नकली या घटिया नहीं बताया है। कंपनी के अनुसार, विवाद सिर्फ प्रोडक्ट की पैकेजिंग, लेबल और विज्ञापन में किए गए दावों को लेकर है।

एसबीआई का प्रॉफिट 10% उछलकर 21,121 करोड़ हुआ, अनुमान से बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने जून तिमाही का रिजल्ट आज जारी कर दिया। फाइनेंशियल ईयर की पहली तिमाही में एसबीआई का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 10% बढ़कर 21,121 करोड़ हो गया। बैंक का प्रॉफिट बाजार के अनुमान 19,052 करोड़ से बेहतर रहा। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 19,160 करोड़ था।इस तिमाही में एसबीआई की नेट इंटरेस्ट इनकम 15% बढ़कर 46,992 करोड़ हो गई। एनआईआई भी 46,214 करोड़ के अनुमान से ज्यादा रही। इस दौरान बैंक का ऑपरेटिंग मुनाफा 10% बढ़कर 33,529 करोड़ हो गया। घरेलू नेट इंटरेस्ट मार्जिन 3% रहा, जिसमें पिछली तिमाही के मुकाबले 7 बेसिस पॉइंट्स का सुधार हुआ। बैंक का ओवरऑल एनआईएम पिछली तिमाही के मुकाबले 5 बेसिस पॉइंट्स सुधरकर 2.86% हो गया।

कुल बिजनेस 110 लाख करोड़ के पार

एसबीआई ने बताया कि तिमाही के दौरान उसका कुल बिजनेस 110 ट्रिलियन के पार पहुंच गया। डिपॉजिट 60 ट्रिलियन से ज्यादा रहे, जबकि एडवांसेस 50 ट्रिलियन के पार पहुंच गए। पूरे बैंक के एडवांसेस में 19% की बढ़ोतरी हुई, जबकि घरेलू एडवांसेस 18.15% बढ़े। विदेशी ब्रांच के एडवांसेस रुपये के हिसाब से 21% और डॉलर के हिसाब से 10% बढ़े।रिटेल, एग्रीकल्चर, एसएमई और कॉर्पोरेट लोन - सभी क्षेत्रों में बढ़ोतरी देखी गई। आरएएम एडवांसेस में साल-दर-साल 18.20% की बढ़ोतरी हुई और सभी सेगमेंट में दोहरे अंकों (डबल डिजिट) में ग्रोथ हुई। एग्रीकल्चर एडवांसेस में 25% की बढ़ोतरी हुई, इसके बाद एसएमई एडवांसेस में 22% की बढ़ोतरी हुई। रिटेल पर्सनल एडवांसेस 15% बढ़े, जबकि कॉर्पोरेट एडवांसेस में 18% की बढ़ोतरी हुई।

चेयरमैन ने क्या कहा?

बैंक के चेयरमैन सी.एस. सेट्टी ने कहा, इस तिमाही के दौरान, हमने अपने खास 'ऑपरेशन्स प्रोसेस री-इंजीनियरिंग' प्रोजेक्ट, 'सरल' का दायरा बढ़ाकर बैंकिंग को आसान बनाना जारी रखा। इसका मकसद कस्टमर के अनुभव को तेज, आसान और ज्यादा सुविधाजनक बनाना था। जैसे-जैसे हम 2030 में अपनी 75वीं वर्षगांठ की ओर बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान भविष्य के एसबीआई को बनाने पर है।

फॉर्च्यून के सनफ्लावर ऑयल में मिली विटामिन डी की कमी

लैब टेस्ट में सैंपल फेल, एफएसएसएआई ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मशहूर फॉर्च्यून ब्रांड नाम से खाने का तेल बनाने वाली कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड पर खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई ने जुर्माना लगाया है। कंपनी के फॉर्च्यून फ्रायोला रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल यानी सूरजमुखी तेल का सैंपल लैब टेस्ट में फेल हो गया। टेस्ट में पाया गया कि तेल में विटामिन डी की मात्रा तय मानकों से काफी कम थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने गोवा स्थित ताज फोर्ट अगुआड़ा रिसॉर्ट एंड स्पा से 1 लीटर फॉर्च्यून फ्रायोला सनफ्लावर ऑयल का सैंपल जांच के लिए लिया था। यह सैंपल एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस की मंगलोर यूनिट में तैयार किया गया था।

रिपोर्ट पक्की होने के बाद गोवा के एडजुडिकेटिंग अधिकारी ने कंपनी पर जुर्माना लगाने का आदेश जारी किया।पहली लैब रिपोर्ट में पाया गया कि तेल में विटामिन ए और विटामिन डी दोनों का स्तर एफएसएसएआई के नियमों (2018) से कम था। इसे खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत सबस्टैंडर्ड यानी निम्न गुणवत्ता वाला माना गया। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस ने पहली रिपोर्ट को चुनौती दी और दोबारा जांच की मांग की। लेकिन दूसरी लैब ने भी पुष्टि की कि तेल में विटामिन डी की मात्रा तय सीमा से काफी कम थी। एफएसएसएआई इन दिनों खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, विज्ञापनों और दावों को लेकर काफी सख्ती बरत रहा है। इसी कड़ी में एफएसएसएआई ने पाई फूड्स के मोन्क फ्रूट स्वीटनर प्रोडक्ट्स की बिक्री पर भी रोक लगा दी है। हाल में डाबर के कई प्रोडक्ट्स पर भी '100% शुद्धता' के दावों को लेकर कार्रवाई की थी। हालांकि आज यानी शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने एफएसएसएआई का आदेश पलटते हुए डाबर के हक में फैसला सुनाया।एफएसएसएआई के नियमों के मुताबिक, लोगों में पोषण की कमी दूर करने के लिए कुकिंग ऑयल में विटामिन ए और डी मिलाना अनिवार्य मानकों के तहत आता है। जब किसी फोर्टिफाइड तेल में इन विटामिनों की मात्रा तय मानक से कम होती है, तो उपभोक्ताओं को वह पोषण नहीं मिल पाता जिसका दावा पैकेट पर किया जाता है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपका करियर चमकने वाला है, काम पर आपकी अंतर्ज्ञान और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा मिलेगा। आप आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव करेंगे, जिससे आप साहसिक कदम उठा सकेंगे। मान्यता और उपलब्धि की अपेक्षा करें। लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें, सफल परिणाम सुनिश्चित करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वु, वे, वो)
आपको भावनात्मक गहराई का अपने करियर पर प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, इसलिए अपने लक्ष्यों पर सटीकता से ध्यान केंद्रित करें। आपके लिए भाग्यशाली निर्णय आने की उम्मीद करें। हालाँकि, सावधान रहें, क्योंकि अप्रत्याशित दुर्घटनाएँ या असहिष्णुता हो सकती है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपको भावनात्मक गहराई का अपने करियर पर प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, इसलिए अपने लक्ष्यों पर सटीकता से ध्यान केंद्रित करें। आपके लिए भाग्यशाली निर्णय आने की उम्मीद करें। हालाँकि, सावधान रहें, क्योंकि अप्रत्याशित दुर्घटनाएँ या असहिष्णुता हो सकती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज नेतृत्व स्वाभाविक लगता है, लेकिन सटीकता सफलता की कुंजी है। कार्यस्थल पर सामंजस्य चुनौतियों का सामना कर सकता है, खासकर शैली या राय में मतभेदों के कारण। अनकही अंतर्दृष्टि आपके पेशेवर मार्ग का मार्गदर्शन कर सकती है, जो अप्रत्याशित दिशा प्रदान करती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें। ध्यान और आंतरिक शक्ति के साथ, आप समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और दिन को उत्पादक बनाए रख सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी रचनात्मकता और नए विचार आपको काम पर अलग पहचान दिलाने में मदद करते हैं। अपने पेशेवर रिश्तों में सामंजस्य पर ध्यान दें, क्योंकि यह विकास और सफलता का समर्थन करता है। किसी भी तनाव को शांत और विचारशील संचार का उपयोग करके सावधानी से संभालें। एक संतुलित, निष्पक्ष दृष्टिकोण आपको आज पढ़ाई और काम दोनों को सुचारू रूप से प्रबंधित करने में मदद करेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपकी रचनात्मकता काम पर चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। नए विचार आपके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं, और स्पष्ट संचार आपकी प्रगति को बढ़ावा देता है। सहकर्मियों के साथ सहायक संबंध टीमवर्क को आसान बनाते हैं। अपने विचारों को खुलकर साझा करने से संबंध मजबूत होते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप अपने काम से भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं। आत्मविश्वास आपको चमकने में मदद करता है, लेकिन विचारों या कार्यों के साथ अति करने से सावधान रहें। रिश्तों को अच्छी तरह से संभालने के लिए विचारशील संचार महत्वपूर्ण है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन के मेल से आपका कार्य जीवन सुचारू रूप से चलता रहेगा। आप केंद्रित और स्पष्ट सोच महसूस करेंगे, जिससे कार्यों को निपटाना और समस्याओं का समाधान करना आसान हो जाएगा। यह आंतरिक सामंजस्य उत्पादक सहयोग और निर्णय लेने में सहायक होता है।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपका करियर दिग्गजों से प्रभावित होगा। आपमें कर्तव्य की भावना बढ़ सकती है। धैर्य रखना ज़रूरी होगा, संभवतः इससे आंतरिक तनाव पैदा हो सकता है। किसी भी बाधा से निपटने के लिए कूटनीति महत्वपूर्ण है। संकोच और बीमारी के प्रति सतर्क रहें, और अपने काम की ज़िम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित रखें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका करियर गतिशील रहेगा। आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, जिससे आप विभिन्न परिस्थितियों में काम कर सकेंगे। हालाँकि, संभावित असहिष्णुता और बेहद ईमानदार संचार की आवश्यकता के प्रति सचेत रहें। अपने काम और पढ़ाई के दौरान अपने कार्यों की कीमत के प्रति भी सावधान रहें।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

एक महीने में अचानक 15% तक महंगी हुई चीनी, क्या है इसके पीछे की वजह

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। आने वाले त्योहारी सीजन में आम आदमी की जेब पर महंगाई की मार पड़ने वाली है. सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद घरेलू बाजार में चीनी की कीमतें लगातार ऊपर जा रही हैं.

पिछले एक महीने के आंकड़ों पर गौर करें तो चीनी के दाम औसतन 8 फीसदी तक बढ़ चुके हैं, जबकि कुछ राज्यों में यह उछाल 15 फीसदी तक पहुंच गया है. ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि इस बार दिवाली, दशहरे से लेकर तमाम त्योहारों पर मिठाइयों का स्वाद जनता के लिए महंगा साबित हो सकता है.

त्योहारों की मिठास पर महंगाई का पहरा

त्योहारी सीजन में चीनी की खपत अपने चरम पर होती है, लेकिन ठीक इसी समय कीमतों में आया यह भारी उछाल घरेलू बजट बिगाड़ने वाला है. बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने के लिए अब चीनी मिलों ने एक अहम कदम उठाया है. होलसेल मार्केट में पिछले एक महीने के दौरान चीनी के दाम 400 रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़ गए हैं. इन बिगड़ते हालात को देखते हुए चीनी मिलों ने इस साल अपनी 'शुगर क्रशिंग' (गन्ना पेराई) की प्रक्रिया तय समय से 10 से 15 दिन पहले ही शुरू करने का निर्णय लिया है, ताकि बाजार में नई चीनी की आपूर्ति जल्द से जल्द बढ़ाई जा सके. चीनी की कीमतों में इस अचानक आई तेजी के पीछे उत्पादन में आई कमी सबसे बड़ी वजह है. शुरुआती अनुमान यह था कि इस साल देश में 293 लाख टन चीनी का उत्पादन होगा, लेकिन असल आंकड़ा 280 लाख टन पर ही सिमट गया. यह तय अनुमान से करीब 5 फीसदी कम है. हालांकि, राहत की बात केवल इतनी है कि पिछले साल का लगभग 50 लाख टन का स्टॉक अभी उपलब्ध है. लेकिन चुनौती यह है कि देश में चीनी की कुल सालाना खपत ही 280 लाख टन के करीब है, और इस साल 8 लाख टन चीनी का निर्यात भी किया जा चुका है. इसके अलावा, एल नीनो के प्रभाव तथा अगले साल भी उत्पादन घटने की आशंका ने बाजार में घबराहट पैदा कर दी है, जिससे कीमतों को और हवा मिल रही है.सरकारी आंकड़ों पर नजर डालें तो देश के लगभग हर बड़े शहर में चीनी की खुदरा कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है. राजधानी दिल्ली में जो चीनी एक महीने पहले 45 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, वह अब 49 रुपये पर पहुंच गई है.

अंगूठा लगवाकर खाते खोले, 18 महीने में 40 करोड़ का लेनदेन

> मुकुंदगढ़ ई-मित्र सेंटर बना साइबर ठगों का अड्डा

झुंझुनू, 7 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के मुकुंदगढ़ में पुलिस ने ई-मित्र और कस्टमर सर्विस पॉइंट की आड़ में संचालित साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने लोगों के दस्तावेज और बायोमेट्रिक का कथित तौर पर दुरुपयोग कर साइबर अपराधियों की मदद करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच में आरोपी के 16 बैंक खातों में 40 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार यह नेटवर्क करीब 18 महीने से सक्रिय था।

पुलिस ने अंकित कुमार (31) निवासी कसेरू, थाना मुकुंदगढ़ को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 2.68 लाख रुपये नकद, दो लैपटॉप, एक मोबाइल फोन, 17 एटीएम कार्ड, 92 बैंक पासबुक, सात चेकबुक, 38 आधार कार्ड और एक माइक्रो एटीएम बरामद किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह राजावत, सीओ सुगन सिंह तथा साइबर थाना प्रभारी रामखिलाड़ी मीणा के सुपरविजन में की गई। संयुक्त टीम का नेतृत्व मुकुंदगढ़ थानाधिकारी गोपाल सिंह थालोर और साइबर थाना प्रभारी गोपाललाल जांगिड़ ने किया।

मामले का खुलासा मुकुंदगढ़ निवासी अक्षय की शिकायत से हुआ। उसने 4 अगस्त 2026 को दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 10 अप्रैल 2025 को वह एसएसओ आईडी बनवाने के लिए अंकित के ई-मित्र केंद्र गया था। आरोप है कि वहां उससे आधार और पैन कार्ड लेने के साथ 15 से 20 बार बायोमेट्रिक अंगूठा लगवाया गया और करीब चार-पांच घंटे तक केंद्र पर बैठाए रखा गया। इस दौरान उसके मोबाइल पर फिनो पेमेंट बैंक से लगातार संदेश आए। शिकायत के अनुसार आरोपी ने वे संदेश खुद ही डिलीट कर दिए और बाद में सर्वर नहीं चलने की बात कहकर उसे वापस भेज दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि अक्षय की जानकारी के बिना फिनो पेमेंट बैंक में खाता खोल दिया गया, जिसका कथित तौर पर साइबर ठगी में उपयोग किया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी के 16 बैंक खातों में 40 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन मिला है। वहीं बरामद 92 बैंक पासबुकों से जुड़े खातों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में 16 साइबर शिकायतें दर्ज हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अपने सीएसपी सेंटर के माध्यम से साइबर अपराधियों से ठगी की रकम प्राप्त कर कमीशन के बदले नकद उपलब्ध कराता था। पुलिस अब आरोपी के अन्य सहयोगियों, साइबर गिरोह से उसके संबंधों और करोड़ों रुपये के लेनदेन की पूरी श्रृंखला की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है।

होटल के अंदर चली गोली, एक कर्मचारी की मौत

नागौर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर में अचानक गोली चलने से एक होटल कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने होटल को सील कर दिया है और एफएसएल सहित जांच टीम मौके से साक्ष्य जुटा रही है। जानकारी के अनुसार, नागौर जिले के खींवसर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-62 स्थित नीलकंठ होटल देर रात करीब 3.30 बजे गोली चली।

इससे एक होटल कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में उसे जेएलएन अस्पताल ले जाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने घायल होटल कर्मचारी को जोधपुर रेफर कर दिया। हालांकि, रास्ते में एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे घायल की मौत हो गई। जोधपुर ले जाते समय खींवसर के पास नेशनल हाईवे पर अचानक एक गाय सामने आ जाने से एंबुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खुली पुलिया में पलट गई। हादसे में गोली लगने से घायल युवक की मौत हो गई, जबकि एंबुलेंस चालक और उसके साथ मौजूद दो अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

गरड़दा बांध हत्याकांड : इलाज के दौरान दूसरे घायल ने भी तोड़ा दम

मुख्य संदिग्ध की तलाश में ताबड़तोड़ दबिश

बूंदी, 7 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के नमाना थाना क्षेत्र स्थित गरड़दा बांध के पास चार दिन पहले हुई खूनी वारदात अब डबल मर्डर में बदल गई है। घटना में गंभीर रूप से घायल मोहन भील की शुक्रवार तड़के कोटा के एमबीएस अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

इससे पहले उसके साथी मोहन मेघवाल की घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। लगातार दो मौतों के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस अब मामले की जांच दोहरे हत्याकांड के रूप में कर रही है। वहीं फरार संदिग्ध कालू सैनी की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

पुलिस के अनुसारअ3 अगस्त को गरड़दा बांध के पास दो लोगों के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची नमाना थाना पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मोहन मेघवाल को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल मोहन भील को पहले बूंदी जिला अस्पताल और बाद में बेहतर उपचार के लिए कोटा के एमबीएस अस्पताल रेफर किया गया था। तीन दिनों तक इलाज के बाद शुक्रवार तड़के उसकी भी मौत हो गई।

दूसरे घायल की मौत के बाद अब पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अधिकारियों का कहना है कि अब पूरे मामले की जांच दोहरे हत्याकांड के रूप में की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक साक्ष्यों और अन्य तकनीकी तथ्यों के आधार पर घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

संदिग्ध कालू सैनी की तलाश जारी

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों मृतक एक मछली ठेकेदार के यहां मजदूरी करते थे। घटना वाले दिन उनके साथ कालू सैनी भी मौजूद था। वारदात के बाद से वह फरार है और पुलिस जांच के केंद्र में है। परिजनों की रिपोर्ट में भी उसका नाम सामने आया है। पुलिस की अलग-अलग टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। आरोपी की तस्वीर भी सार्वजनिक की गई है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद हत्या के पीछे की वजह, घटनास्थल पर मौजूद लोगों की भूमिका और पूरे घटनाक्रम का खुलासा होने की उम्मीद है।

फिलहाल पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है कि वारदात पुरानी रंजिश का नतीजा थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। गरड़दा बांध जैसे शांत इलाके में हुई इस दोहरी हत्या से स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की है।

बारां में बीच रास्ते गेहूं गायब करने वाला नेटवर्क एक्टिव

ट्रक चालक ने रंगे हाथों पकड़ा घोटाला, मचा हड़कंप

बारां, 7 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां जिले में गरीबों के राशन से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है। शाहाबाद क्षेत्र के सहरिया और बीपीएल परिवारों के लिए भेजे जा रहे गेहूं के कट्टों में कथित रूप से 5 से 10 किलो तक गेहूं कम मिलने का मामला उजागर होने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। इस पूरे घटनाक्रम का खुलासा तब हुआ, जब ट्रक चालक दिनेश सुमन ने लोडिंग के दौरान कुछ संदिग्ध कट्टों पर नजर पड़ने के बाद विरोध जताया।

ट्रक चालक का आरोप है कि कई कट्टों की सील पहले से कटी हुई थी और उन्हें दोबारा सुतली से सिलकर ट्रक में लादा जा रहा था। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्हें धमकाया गया और कहा गया कि यदि माल नहीं ले जाना है तो लोडिंग-अनलोडिंग का खर्च देकर ट्रक वापस ले जाएं। इसके बाद उन्होंने ट्रक यूनियन के पदाधिकारियों को सूचना दी।

आरोप- 4 से 10 किलो तक गेहूं कम मिला

सूचना मिलते ही ट्रक यूनियन के महासचिव मन्नू पठान अपने साथियों के साथ गोदाम पहुंचे। उनका दावा है कि मौके पर कई कट्टों में 4 से 10 किलो तक गेहूं कम मिला और कुछ कट्टों की सील दोबारा सिलाई कर बंद की गई थी। यूनियन का आरोप है कि किसान से खरीदा गया 50 किलो गेहूं राशन डीलर तक भी 50 किलो ही पहुंचना चाहिए, लेकिन बीच रास्ते में गरीबों के हिस्से का अनाज निकालने का खेल चल रहा है।

विधानसभा को हल्के में ले रहे अफसर?

1269 सवालों के नहीं दिए जवाब, स्पीकर देवनानी ने जताई नाराजगी

जयपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में कई विभागों के बड़े अफसर विधानसभा को हल्के में ले रहे हैं। तभी तो अलग-अलग विभागों ने विधानसभा से जुड़े सवालों के जवाब देना जरूरी नहीं समझा। राजस्थान विधानसभा की ओर से बार बार पत्र लिखकर सवालों के सवाल भेजने का आग्रह किया गया। इसके बावजूद भी अफसरों ने जवाब नहीं भेजे। 6 विभागों ने पिछले सत्र के 1269 सवालों के जवाब नहीं दिए हैं।

सर्वाधिक पेंडेंसी चिकित्सा शिक्षा विभाग में

विधानसभा में पूछे गए सवालों के जवाब नहीं भेजने वालों में सबसे ज्यादा लापरवाह चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग है। इन विभागों ने 489 सवालों के जवाब नहीं दिए हैं। विधानसभा का नया सत्र 20 अगस्त से शुरू होने वाला है और पिछले सत्र के सवालों के जवाब अभी तक नहीं मिल पाए हैं। अब और सवाल लगेंगे तो पेंडेंसी और ज्यादा बढ़ जाएगी।

स्पीकर ने जताई नाराजगी

विधानसभा से भेजे गए सवालों के जवाब नहीं देने पर स्पीकर वासुदेव देवनानी काफी नाराज हुए। देवनानी के निर्देश पर विधानसभा के प्रमुख सचिव ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव को पत्र लिखकर लंबित प्रश्नों के जवाब तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी 6 विभागों के प्रमुखों को भी निर्देश दिए हैं कि लंबित प्रश्नों के उत्तर हर हाल में 13 अगस्त तक उपलब्ध कराएं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की सचिव को भेजे गए पत्र में नियमों का जिक्र किया है।

बताया गया है कि सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो जाता है तो सत्र समाप्त होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर सभी लंबित प्रश्नों के उत्तर संबंधित विभागों को विधानसभा सचिवालय में भेजना अनिवार्य होता है। इसके बावजूद बजट सत्र समाप्त हुए करीब पांच माह बीत जाने के बाद भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने बड़ी संख्या में प्रश्नों के उत्तर नहीं भेजे हैं। स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जनवरी से मार्च तक चले बजट सत्र के दौरान कई विधायकों ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण सवाल पूछे थे। अत्यंत शर्मनाक बात है कि सत्र के दौरान और सत्र समाप्त होने के इतने समय बाद भी विभाग की ओर से उन सवालों के जवाब नहीं दिए गए हैं।

वर्तमान में मेडिकल डिपार्टमेंट से जुड़े सवालों के जवाब लंबित पड़े हैं। यह दर्शाता है कि सरकार न तो जनता के प्रति जवाबदेह है और ना ही जनप्रतिनिधियों के सवालों का सामना करने की हिम्मत रखती है। आगामी विधानसभा सत्र में जनहित के इन मुद्दों पर सरकार से पाई-पाई का हिसाब मांगा जाएगा।

चाय कड़क नहीं बनी तो बरसाईं गोलियां

फायरिंग में घायल होटल कर्मचारी की मौत

नागौर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत खरनाल गांव की सरहद पर स्थित होटल में तड़के करीब चार बजे एक छोटी-सी नाराजगी ने खूनी रूप ले लिया। होटल में चाय कड़क न बनने पर नाराज युवकों ने होटल कर्मचारियों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली लगने से होटल कर्मचारी रामकुमार मंडल गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुरंत बेहतर इलाज के लिए जोधपुर रेफर किया गया। एंबुलेंस पद्मसर चौराहे के पास पहुंचते-पहुंचते अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के दौरान गंभीर घायल रामकुमार मंडल की मौत हो गई। पुलिस ने शव को खींवसर राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया है।

जानकारी के अनुसार घायल को जोधपुर ले जा रही एंबुलेंस खींवसर में पिछले दो साल से निर्माणाधीन ओवरब्रिज के पास खुले पड़े गड्ढे में जा गिरी। वर्षों से लंबित इस ओवरब्रिज के कारण पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। स्थानीय लोगों में गुस्सा है कि यहघटना के तुरंत बाद नागौर पुलिस ने होटल को पूरी तरह सील कर दिया। जिला पुलिस अधीक्षक ने अलग-अलग टीमें गठित कर जांच शुरू कर दी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम और सदर थानाधिकारी किताब चौधरी मौके पर मौजूद रहकर पूरे घटनाक्रम की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस हाईवे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

राजस्थान नगर निगम और निकाय चुनाव पर खर्च होंगे 29,64,78,000 रुपये

जयपुर का चुनाव सबसे महंगा

जयपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अगले सप्ताह राजस्थान में निकाय चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने वाला है। राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट में पेश किए गए चुनावी कार्यक्रम के मुताबिक 17 अगस्त को निकाय चुनाव का नोटिफिकेशन जारी हो जाएगा। निकाय और पंचायत चुनाव के लिए सरकार द्वारा एकमुश्त बजट पूर्व में जारी किया जा चुका है। अब अलग अलग मद जैसे यात्रा भत्ता, पीओएल, वाहन किराया, अल्पाहार और मतदान दलों के भुगतान के लिए अलग अलग नगर निगमों में चुनाव के लिए जारी की गई है।

निगम और स्थानीय निकाय चुनाव के लिए अलग अलग बजट

सरकार की ओर से नगर निगम चुनाव और स्थानीय निकाय (नगर पालिकाएं और नगर परिषदें) के चुनाव के लिए अलग अलग बजट राशि जारी की जाती है। चूंकि दोनों चुनाव के लिए अलग अलग एजेंसी काम करती है। ऐसे में चुनावी खर्च का बजट भी अलग अलग आवंटित किया जाता है। नगर निगम चुनाव के लिए 10 करोड़ 31 लाख 76 हजार रुपए आवंटित किए गए हैं जबकि स्थानीय निकाय (नगर पालिकाओं और नगर परिषदों) चुनाव के लिए 19 करोड़ 33 लाख 2 हजार रुपए आवंटित किए गए हैं। यानी दोनों चुनाव में 29 करोड़ 64 लाख 78 हजार रुपए खर्च होंगे। सबसे महंगा चुनाव जयपुर नगर निगम का प्रदेश में कुल 10 नगर निगम हैं। इनमें जयपुर, जोधपुर, अजमेर, अलवर, भरतपुर, बीकानेर, कोटा, पाली, भीलवाड़ा और उदयपुर नगर निगम शामिल हैं। इनमें सर्वाधिक खर्च जयपुर नगर निगम चुनाव पर होने वाला है। जयपुर नगर निगम के चुनाव में सर्वाधिक 3 करोड़ 96 लाख 90 हजार रुपए खर्च होने का अनुमान है। दूसरे नंबर पर जोधपुर और कोटा नगर निगम हैं जहां का चुनाव बजट 1 करोड़ 29 लाख 78 हजार रुपए आवंटित हुआ है।

राज्यपाल ने नशा मुक्त भारत बनाने का आह्वान किया

बांसवाड़ा, 7 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा में आयोजित 'नशा मुक्त वागड़, स्वस्थ युवा, सशक्त जनजाति एवं विकसित भारत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने सभी से नशा मुक्त भारत बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं को कमजोर बनाने के लिए नशा बेचा जाता है इसलिए नशा करने वालों से समझाइश करें एवं जो लोग नशे का धंधा करते हैं उनकी सूचना पुलिस को दे। उन्होंने कहा कि नशा कर वाहन चलाने से कई युवाओं की मृत्यु हो जाती है और उसके बाद उनके परिवारों का जीवन परेशानी भरा हो जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार का टीबी मुक्त कार्यक्रम भी चल रहा है इसलिए अपने आस पड़ोस में ईलाज से वंचित कोई टीबी का मरीज हो तो उसके इलाज में मदद करें। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर है। यहां विद्यार्थी देवी-देवता और अध्यापक पुजारी है। गोविंद गुरु जनजाति विश्वविद्यालय जनजाति का विश्वविद्यालय है यहां अधिक से अधिक संख्या में जनजाति वर्ग के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक अच्छी शिक्षा प्राप्त नहीं करेंगे गरीबी दूर नहीं होगी। गरीबी दूर करने के लिए शिक्षा अति आवश्यक है। शिक्षा प्राप्त कर यदि एक पीढ़ी के जीवन में बदलाव आता है तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य अपने आप सँवर जाता है।

उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा अति आवश्यक हैं। उन्होंने शिक्षाविदों से प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों के बौद्धिक क्षमता के विकास पर विशेष ध्यान देने को कहा। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य जीवन को सार्थक बनाना है। इसके लिए बौद्धिक क्षमता, संयम, सहनशीलता, नैतिकता व सभ्यता के विकास पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना सद्गुणों के शिक्षा किसी काम की नहीं है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में वित्तीय गड़बड़ी करने वाले कुलगुरुओं को निलंबित किया गया है जो राजस्थान के इतिहास में पहली बार हुआ है। स्वतंत्रता संग्राम में गोविंद गुरु के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि गोविंद गुरु ने भील और बंजारा समाज के लोगों को इकट्ठा कर अंग्रेजों के विरुद्ध बड़ी ताकत खड़ी की और स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण संघर्ष किया।

शहीदों के सम्मान में जम्मू-कश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्रा

नरेंद्र यादव बोले-हाथ-पैर की हड्डियां टूटी, हिम्मत नहीं हारी; हर दिन 150 किमी पार चलता

जयपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। शहीदों के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर 50 साल के नरेंद्र यादव साइकिल यात्रा पर निकले हैं। यादव जम्मू-कश्मीर के रेजांगला (अहीर धाम) से कन्याकुमारी तक साइकिल पर यात्रा कर रहें है। नरेंद्र यादव हरियाणा के भिवानी जिले के नंदगांव के रहने वाले हैं। नरेंद्र यादव ने बताया कि वे अपने साथ रेजांगला के शहीदों की पावन मिट्टी लेकर चल रहे हैं। इस यात्रा का उद्देश्य देशभर में शहीदों के सम्मान का संदेश देना और लोगों को उनके नाम पर एक-एक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना है।

यादव ने बताया कि वे एक दिन में 100 से 150 किमी की यात्रा कर रहे है। यात्रा के दौरान गुरुवार को जयपुर पहुंचे। भास्कर से बातचीत में बताया कि 2020 में दूसरी मंजिल से गिरने पर हाथ और पैर की हड्डियां टूट गई थीं। इसके बाद भी हिम्मत नहीं हारी और साइकिल यात्रा जारी रखी।

राम मंदिर बनने के बाद पूरा किया संकल्प

नरेंद्र यादव ने बताया कि कुछ साल पहले वे अपने दो दोस्तों के साथ कार से विशाखापट्टनम गए थे। उसी दौरान तीनों दोस्तों के बीच यह संकल्प लिया गया था कि अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद वे विशेष यात्रा करेंगे। पहले उन्होंने पैदल यात्रा करने का निर्णय लिया था, लेकिन गांव के लोगों ने इतनी लंबी दूरी पैदल तय करने से मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने साइकिल यात्रा शुरू करने का फैसला लिया। साल 2021 में वे नंदगांव से अयोध्या तक भी साइकिल यात्रा कर चुके हैं।

दूसरी मंजिल से गिरने के बाद भी नहीं हारी हिम्मत

नरेंद्र यादव ने बताया- वे पेशे से कंस्ट्रक्शन मिस्त्री हैं। एक बार बिल्डिंग निर्माण के दौरान दूसरी मंजिल से गिरने से उनके हाथ और पैर की हड्डियां टूट गई थीं। इसके बाद लंबे समय तक उन्हें बिस्तर पर रहना पड़ा, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। स्वस्थ होने के बाद उन्होंने फिर से साइकिल यात्रा शुरू की। परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं।

सामान्य साइकिल से कर रहे हजारों किलोमीटर की यात्रा

नरेंद्र यादव ने बताया कि उनके पास कोई रेसिंग साइकिल नहीं है। इसके बावजूद वे सामान्य 24 इंच की साइकिल से ही हजारों किलोमीटर की यात्रा कर रहे हैं। अब गांव के एक साथी ने उन्हें करीब एक लाख रुपए की रेसिंग साइकिल देने का वादा किया है।

24 हजार किलोमीटर की यात्रा, देहदान का भी लिया संकल्प

नरेंद्र यादव ने बताया कि वे अब तक करीब 24 हजार किलोमीटर की साइकिल यात्रा पूरी कर चुके हैं। इसी वजह से लोग उन्हें 'साइकिलिस्ट मैन' के नाम से जानते हैं। उन्होंने बताया कि उनके सामाजिक कार्यों के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उन्हें सम्मानित कर चुके हैं। उन्होंने अपनी देहदान की भी घोषणा कर रखी है। उनका कहना है कि जीवन के साथ-साथ मृत्यु के बाद भी उनका शरीर समाज के काम आए, यही उनकी इच्छा है। उन्होंने कहा कि जब तक शरीर साथ देगा, वे शहीदों के सम्मान, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रभक्ति का संदेश लेकर देशभर में साइकिल यात्रा करते रहेंगे।

जयपुर में किया स्वागत

जयपुर के झोटवाड़ा स्थित बोरिंग चौराहे पर अखिल भारतीय यादव महासभा ने नरेंद्र यादव का दुपट्टा और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस दौरान युवा प्रदेश अध्यक्ष सांवर मल यादव, प्रदेश महासचिव रामकुंवर यादव, प्रदेश सचिव मामराज यादव, समाजसेवी जगदीश यादव, कालूराम यादव, बंशी यादव, अशोक यादव, पप्पू लाल यादव, रतन लाल यादव, बाबूलाल यादव, अर्जुन राम यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

तेलंगाना में आदिवासी कल्याण के लिए केंद्र से अतिरिक्त सहायता की मांग

मंत्री अदलूरी ने 70 करोड़ अतिरिक्त आवंटन जारी करने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकार ने केंद्र से अधिक वित्तीय सहायता की मांग की है। राज्य के जनजातीय कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार ने शुक्रवार को तेलंगाना सरकार के नई दिल्ली स्थित विशेष प्रतिनिधि ए.पी. जितेंद्र रेड्डी के साथ केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम से मुलाकात की और लंबित मांगों से संबंधित विस्तृत ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देश पर हुई इस मुलाकात में मंत्री ने तेलंगाना को मिलने वाली लंबित केंद्रीय सहायता तत्काल जारी करने तथा जनजातीय कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र से पूर्ण सहयोग देने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि जनजातीय कल्याण विभाग से संबंधित लंबित वित्तीय सहायता मंजूर की जाएगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनजातीय क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, विशेष रूप से सड़कों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता देने को तैयार है। उन्होंने तेलंगाना सरकार से इस संबंध में विस्तृत परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार ने केंद्रीय मंत्री को हैदराबाद में तेलंगाना जनजातीय कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित करने का भी निमंत्रण दिया। जुएल ओराम ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए बैठक में शामिल होने का आश्वासन दिया। ज्ञापन में मंत्री ने बताया कि तेलंगाना को वर्ष 2024-25 में संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत <98.37 करोड़ मिले थे, लेकिन वर्ष 2025-26 में यह राशि घटकर <35.26 करोड़ और वर्ष 2026-27 में <32.10 करोड़ रह गई। जनजातीय क्षेत्रों की बढ़ती विकास आवश्यकताओं को देखते हुए उन्होंने केंद्र से अतिरिक्त <70 करोड़ मंजूर करने की मांग की। मंत्री ने प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई) के तहत तेलंगाना के 428 जनजातीय बहुल गांवों के समग्र विकास के लिए लंबित <11.77 करोड़ तत्काल जारी करने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि राशि जारी होने से इन गांवों में चल रहे विकास कार्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण कोई भी आदिवासी विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित नहीं होना चाहिए। उन्होंने वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लंबित दावों तथा वर्ष 2026-27 के लिए द्वितीय मदर सेंक्शन के तहत प्रस्तुत प्रस्तावों के लिए केंद्रीय हिस्से के रूप में 452.05 करोड़ जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति राशि जारी होने में देरी के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हजारों आदिवासी विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री अदलूरी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार जनजातीय कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। राज्य में आदिवासी समुदायों के लिए शिक्षा के अवसर बढ़ाने, कल्याणकारी योजनाओं को मजबूत करने और जनजातीय क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं।

आरबीआई हैदराबाद द्वारा 'सक्षम' ट्रेनिंग का आयोजन

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रमोद कुमार केडिया (चेयरमैन, द अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड और वाइस प्रेसिडेंट, तेलंगाना यूसीबी फेडरेशन) ने जे. स्वामीनाथन (डिप्टी डायरेक्टर, आरबीआई सेंट्रल ऑफिस, मुंबई), चिन्मय कुमार (रीजनल डायरेक्टर, आरबीआई हैदराबाद), मदन गोपाल स्वामी (चेयरमैन, आदर्श को-ऑप बैंक और वर्किंग प्रेसिडेंट, तेलंगाना यूसीबी फेडरेशन) और प्रभुति सामल (डीजीएम, आरबीआई हैदराबाद) के साथ मिलकर आरबीआई हैदराबाद द्वारा

आयोजित एक दिवसीय 'सक्षम' ट्रेनिंग का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम 7 अगस्त को द लीला होटल, बंजारा हिल्स में हुआ। उद्घाटन समारोह की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

यह ट्रेनिंग तेलंगाना के 48 अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों के सभी चेयरमैन और हर बैंक के कुछ डायरेक्टर्स के लिए आयोजित की गई थी। इसका मकसद कॉर्पोरेट गवर्नेंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में उनकी क्षमता बढ़ाना (कैपेसिटी बिल्डिंग) और उनके ज्ञान को बेहतर बनाने के लिए ज़रूरी जानकारी देना था, ताकि अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों के चेयरमैन और डायरेक्टर्स बेहतर ढंग से काम कर सकें।

आरबीआई पुणे के कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चरल बैंकिंग और आरबीआई बेंगलुरु के फ़ैकल्टी सदस्यों ने सभी प्रतिभागियों के लिए सेशन आयोजित किए। ट्रेनिंग शाम 5:30 बजे तक चली।

प्रचुर वर्षा की कामना के लिए वरुण यज्ञ होगा : मंत्री उत्तम

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी के तत्वावधान में 10 अगस्त को नागार्जुनसागर में वरुण यज्ञ किया जाएगा, जिसमें व्यापक वर्षा, नदियों में भरपूर जल प्रवाह और राज्य भर के जलाशयों और तालाबों के पुनर्भरण की कामना की जाएगी। यह विशेष वैदिक अनुष्ठान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्णय के बाद आयोजित किया जा रहा है, जिन्होंने तेलंगाना भर में भरपूर वर्षा और कृषि समुदाय की समृद्धि के लिए प्रार्थना करने की इच्छा व्यक्त की थी। यह यज्ञ नागार्जुनसागर जलाशय के किनारे स्थित विजय विहार परिसर में संपन्न किया जाएगा, और उत्तम कुमार रेड्डी कार्यक्रम और व्यवस्थाओं की देखरेख करेंगे। मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन करते हुए, यदगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के पुजारियों और वैदिक विद्वानों ने मंदिर के सिद्धांत से परामर्श करके वरुण यज्ञ के लिए 10 अगस्त को शुभ तिथि के रूप में निर्धारित किया। ये अनुष्ठान दान विभाग के तत्वावधान में संपन्न किए जाएंगे। यदगिरिगुट्टा के पुजारी और वैदिक विद्वान निर्धारित वैदिक अनुष्ठान करेंगे और तेलंगाना भर में प्रचुर वर्षा, कृष्णा और गोदावरी नदियों में स्वच्छ जल प्रवाह और जलाशयों, तालाबों और अन्य जल निकायों के भरने के लिए विशेष प्रार्थना करेंगे। राज्य भर में समृद्ध कृषि मौसम, भरपूर फसल और किसानों के कल्याण के लिए भी प्रार्थना की जाएगी। दिनभर चलने वाले वैदिक अनुष्ठानों का समापन शाम को महा पूर्णाहुति के साथ होगा, जिसमें मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे। वरुण यज्ञ इस सामूहिक प्रार्थना के साथ किया जा रहा है कि तेलंगाना में भरपूर वर्षा हो, उसकी नदियाँ और जलाशय पानी से भर जाएँ और राज्य में कृषि की प्रचुरता और समृद्धि देखने को मिले।

हत्या के आरोप में एक गिरफ्तार झील से चाकू बरामद

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । सैदाबाद पुलिस ने 4 अगस्त को सिंगारेनी कॉलोनी में मोहम्मद फसी अहमद अमीर की बेरहमी से हत्या के सिलसिले में 21 वर्षीय ऑटो-रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी एंड्रावथ सुमन का मृतक से लंबे समय से व्यक्तिगत विवाद था। घटना वाले दिन सुबह हुई झड़प के दौरान, सुमन ने कथित तौर पर फासी अहमद अमीर पर चाकू से हमला किया, जिससे उनकी गर्दन और सिर पर गंभीर चोटें आईं और उनकी मृत्यु हो गई। बाद में वह एक ऑटो-रिक्शा में बैठकर भाग गया और सबूत मिटाने के प्रयास में चाकू को सरूरनगर झील में फेंक दिया। आपदा प्रतिक्रिया बल की सहायता से पुलिस ने झील से हत्या का हथियार बरामद किया। आरोपी के कपड़े, ऑटो-रिक्शा और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। सैदाबाद पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी को न्यायिक हिरासत के लिए अदालत में पेश किया गया। यह गिरफ्तारी और जांच हैदराबाद के चारमीनार जोन के पुलिस उपायुक्त खरे किरण प्रभाकर, चारमीनार जोन के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मोहम्मद मजीद, सैदाबाद डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त सोमा वेंकट रेड्डी, सैदाबाद पुलिस स्टेशन के एसएचओ बी. चंद्र मोहन और हैदराबाद शहर के सैदाबाद पुलिस स्टेशन के प्रशासनिक कर्मचारियों की देखरेख में की गई।

एससीसीएल ने कर्नाटक में सोने और तांबे की खोज शुरू करने के लिए समझौता किया

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । सिंगारेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने कर्नाटक के रायचूर और यादगिर जिलों में फैले देवदुर्गा ब्लॉक में सोने और तांबे के भंडार की खोज की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत सरकार की खनिज नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से ब्लॉक के लिए अन्वेषण लाइसेंस प्राप्त करने के बाद, एससीसीएल ने अब औपचारिक रूप से अन्वेषण गतिविधियों को शुरू करने के लिए कर्नाटक खान और भूविज्ञान विभाग (डीएमजी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता शुक्रवार को बेंगलुरु स्थित कर्नाटक डीएमजी कार्यालय में निदेशक रंगप्पा और एससीसीएल के निदेशक (परियोजना एवं योजना) के. वेंकटेश्वरलू द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। समझौते के तहत, एससीसीएल पांच वर्षों के भीतर 199.13 वर्ग किलोमीटर के देवदुर्गा ब्लॉक में अन्वेषण कार्य करेगी। इस अवसर पर बोलते हुए वेंकटेश्वरलू ने कहा कि एससीसीएल ने पहले ही इस ब्लॉक में सोने और तांबे के भंडारों के लिए अन्वेषण लाइसेंस प्राप्त कर लिया था, लेकिन इस समझौते के साथ ही अन्वेषण कार्यों की औपचारिक शुरुआत हो गई है। उन्होंने आगे कहा, "परियोजना के लिए प्रमुख अधिकारियों की नियुक्ति पहले ही हो चुकी है, जबकि शेष अधिकारियों और कर्मचारियों को शीघ्र ही तैनात कर दिया जाएगा।" उन्होंने कहा, "एससीसीएल का लक्ष्य अगले दो वर्षों के भीतर जी4 चरण के अन्वेषण को पूरा करना है।" वेंकटेश्वरलू ने बताया कि एससीसीएल के इतिहास में यह पहली बार है कि कंपनी तेलंगाना के बाहर इतने बड़े पैमाने पर खनिज अन्वेषण कर रही है। एससीसीएल के 130 वर्षों से अधिक के भूवैज्ञानिक और अन्वेषण अनुभव के आधार पर, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि परियोजना सफलतापूर्वक पूरी होगी। उन्होंने सहयोग और समर्थन के लिए कर्नाटक सरकार और खान एवं भूविज्ञान विभाग को भी धन्यवाद दिया।

विधानसभा परिसर में धूमधाम से मनाया गया बोनालू उत्सव

सभापति और विधानसभा अध्यक्ष समेत कई जनप्रतिनिधि हुए शामिल

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा परिसर स्थित श्री बंगारू मैसम्मा मंदिर में शुक्रवार को आषाढ़ मास के अवसर पर बोनालु उत्सव धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। विधानमंडल सचिवालय के कर्मचारियों के नेतृत्व में आयोजित इस उत्सव में विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के उपसभापति बांडा प्रकाश समेत कई विधायक एवं विधान परिषद सदस्य शामिल हुए।इस अवसर पर विधान परिषद के सचिव डॉ. वी. नरसिंहाचार्य, विधानसभा सचिव रेंडला तिरुपति, विधायी विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी भी मौजूद रहे। उत्सव की शुरुआत विधानमंडल के कर्मचारियों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ देवी को बोनालु अर्पित करने से हुई। पोतराजुओं के पारंपरिक नृत्य, ढोल-नगाड़ों की गूंज और विभिन्न वेशभूषाओं में कलाकारों की प्रस्तुतियों ने समारोह में विशेष आकर्षण पैदा किया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों और अधिकारियों ने उत्सव में भाग लेकर श्रद्धापूर्वक देवी के दर्शन किए। श्री बंगारू मैसम्मा मंदिर में आयोजित विशेष पूजा-अर्चना में शामिल जनप्रतिनिधियों और अन्य गणमान्य लोगों को मंदिर के पुजारियों ने तीर्थ-प्रसाद प्रदान किया।इस अवसर पर विधान परिषद सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी और विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने सभी को बोनालु पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि मां बंगारू मैसम्मा के आशीर्वाद से राज्य की जनता सुख, शांति और समृद्धि के साथ जीवन व्यतीत करे। साथ ही राज्य में पर्याप्त वर्षा हो और किसानों की फसलें अच्छी हों।

हाई कोर्ट ने मुफ़्त सुविधाओं के बोझ को लेकर चिंता जताई

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाई कोर्ट ने शुक्रवार को मुफ़्त सुविधाओं (फ्रीबीज़) के कथित दुरुपयोग और राज्य के खजाने पर पड़ने वाले उनके बोझ को लेकर चिंता जताई। जस्टिस नागेश भीमपाका ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर बढ़ते दबाव को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा कि खतरे की घंटी बज रही है और सवाल किया, आने वाली पीढ़ियों का भविष्य क्या है?

जस्टिस भीमपाका ने वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया से जुड़े अदालत की अवमानना के मामले की सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

जज ने बताया कि रैतु बंधु योजना के तहत वित्तीय सहायता कथित तौर पर करोड़पतियों तक भी पहुँच रही थी। सुल्तानिया से यह सुनने के बाद कि राज्य में लगभग 1.05 करोड़ 'व्हाइट राशन कार्ड' (सफेद राशन कार्ड) चालू हैं, अदालत ने सवाल किया कि कल्याणकारी योजनाओं से अयोग्य लाभार्थियों की पहचान करने और उन्हें हटाने की जिम्मेदारी किसकी होनी चाहिए। जज ने कहा कि राज्य बड़ी संख्या में कल्याणकारी लाभ दे रहा है और सवाल किया कि सरकार लंबे समय तक ऐसे खर्च को कैसे बनाए रख पाएगी।

जज ने पूछा, यह अदालत किसी की आलोचना नहीं कर रही है, लेकिन मुफ़्त सुविधाओं के दुरुपयोग को लेकर वास्तविक चिंता है। जिम्मेदारी किसे लेनी चाहिए? जज ने आगे कहा कि तेलंगाना में मुफ़्त सुविधाओं के कारण गांवों में भी पड़ोसी राज्यों से मजदूर बुलाए जा रहे हैं।

ये टिप्पणियां सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के पूर्व सदस्य जे रामकृष्ण द्वारा दायर अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान की गईं। याचिका में आरोप लगाया गया था कि राज्य ने 2024 के हाई कोर्ट के उस आदेश का पालन नहीं किया, जिसमें स्टाम्प ड्यूटी पर सरचार्ज (अतिरिक्त शुल्क) में छूट के संबंध में उनके अभ्यावेदन (रिप्रेजेंटेशन) पर विचार करने का निर्देश दिया गया था। इससे पहले, 10 जुलाई को हाई कोर्ट ने फाइनेंस प्रिंसिपल सेक्रेटरी संदीप कुमार सुल्तानिया के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था।

कोर्ट ने यह कदम तब उठाया जब पहले दिए गए निर्देशों के बावजूद न तो कोई काउंटर-एफिडेविट (जवाब-हलफनामा) दाखिल किया गया और न ही व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट के लिए कोई अर्जी दी गई। कोर्ट ने हैदराबाद पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया कि अधिकारी जहां भी मिलें, उन्हें गिरफ्तार किया जाए और 7 अगस्त को कोर्ट के सामने पेश किया जाए। वारंट में यह भी कहा गया कि 5,000 रुपये का पर्सनल बॉन्ड भरने और कोर्ट में पेश होने व भविष्य की सुनवाई में शामिल होने का वचन देने पर उन्हें रिहा किया जा सकता है।

शुक्रवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो सुल्तानिया खुद कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई के दौरान, जस्टिस भीमपाका ने कहा कि अधिकारियों पर अक्सर राज्य के खजाने पर असर डालने वाले वित्तीय फैसलों का बोझ होता है। जज ने टिप्पणी की कि बढ़ती वित्तीय जिम्मेदारियों को देखते हुए, "अधिकारियों को तो जीवन भर हिरासत में ही रखना पड़ेगा, लेकिन साथ ही यह भी साफ किया कि कोर्ट इसके लिए अकेले अधिकारी को दोषी नहीं ठहरा सकता। कोर्ट ने कहा कि असली मुद्दा सामाजिक जिम्मेदारी का बड़ा सवाल है और वे हालात हैं जिनमें अधिकारी अदालती निर्देशों का पालन नहीं कर पाते।

कम बारिश की आशंका के बीच तेलंगाना सरकार सतर्क

मंत्रियों का कलेक्टरों को आकस्मिक फसल योजना लागू करने के निर्देश

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अल नीनो की मौजूदा परिस्थितियों और भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा सामान्य से कम बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर तेलंगाना सरकार ने जिलों में तैयारियों की समीक्षा शुरू कर दी है। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और मुख्य सचिव संजय जाजू ने शुक्रवार को सचिवालय से जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर स्थिति की समीक्षा की।मंत्रियों और मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को संभावित कम बारिश को देखते हुए तैयार की गई आकस्मिक फसल योजना को तत्काल लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने फसल विविधीकरण पर जोर देते हुए किसानों को ऐसी फसलों की खेती के लिए जागरूक करने को कहा, जिनमें अपेक्षाकृत कम पानी की आवश्यकता होती है और जो मौजूदा जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल हैं।

सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कलेक्टरों से किसानों को धान की अत्यधिक खेती पर निर्भरता कम करने के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा। उन्होंने कहा कि कम बारिश की स्थिति में अधिक पानी की जरूरत वाली फसलों की खेती से जुड़े जोखिमों और उपलब्ध जल की स्थिति के बारे में किसानों को स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए।उन्होंने कृषि अधिकारियों को गांव और खेत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा किसानों को दलहन, तिलहन, सब्जियों और अन्य बागवानी फसलों की ओर प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। वैकल्पिक फसलों के चयन के लिए किसानों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन और जानकारी उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।मंत्री ने कहा कि आकस्मिक फसल योजना केवल जिला स्तर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसका प्रभाव मंडल और गांव स्तर तक दिखाई देना चाहिए। कृषि एवं संबद्ध विभागों को जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर किसानों को वैकल्पिक फसलों और उपलब्ध सरकारी सहायता की जानकारी देने को कहा गया। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने जिला कलेक्टरों को अपने-अपने जिलों में सिंचाई सलाहकार बोर्डों की बैठकें जल्द आयोजित करने के निर्देश दिए। इन बैठकों में जलाशयों, सिंचाई परियोजनाओं और अन्य जल स्रोतों में उपलब्ध पानी की स्थिति की समीक्षा करने को कहा गया। उन्होंने अधिकारियों से किसानों को जल उपलब्धता की स्थिति स्पष्ट रूप से बताने को कहा, ताकि वे उसी के अनुरूप फसलों का चयन कर सकें और सीमित सिंचाई वाले क्षेत्रों में अधिक पानी वाली फसलों की खेती से बचें। उन्होंने आकस्मिक फसल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कृषि और सिंचाई विभागों के बीच बेहतर समन्वय को आवश्यक बताया। पंचायती राज विभाग के विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से एकीकृत फार्म तालाबों के निर्माण की जानकारी दी। उन्होंने कलेक्टरों से इन कार्यों को प्राथमिकता के साथ शुरू करने तथा जल संरक्षण के उपायों को प्रभावी ढंग से जमीनी स्तर पर लागू करने का आग्रह किया। वीडियो कॉन्फ्रेंस में वन महोत्सव कार्यक्रम के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई। नागरिक आपूर्ति आयुक्त स्टीफन रविंद्र ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री 15 अगस्त को संगारेड्डी में स्मार्ट राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंस में पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास के विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर, प्रधान सचिव अहमद नदीम, कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर अपराध नियंत्रण में तेलंगाना देश में अव्वल

पीएमओ की प्रगति समीक्षा में राज्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन

डीजीपी सीवी आनंद ने टीजीसीएसबी टीम को दी बधाई

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में तेलंगाना ने देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। गुरुवार को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से आयोजित प्रगति समीक्षा बैठक में साइबर अपराध की रोकथाम और नियंत्रण से जुड़े नौ प्रमुख मानकों पर प्रदर्शन के आधार पर तेलंगाना को देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य घोषित किया गया। इस उपलब्धि पर तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो (टीजीसीएसबी) की निदेशक शिखा गोयल, सभी पुलिस आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों तथा ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि साइबर अपराध से निपटने में तेलंगाना पुलिस की पेशेवर क्षमता, समर्पण और बेहतर समन्वय का प्रमाण है। राज्य का मूल्यांकन साइबर अपराध की रोकथाम, जांच, पीड़ितों की सहायता, अंतरराज्यीय समन्वय, क्षमता निर्माण और जन-जागरूकता समेत नौ प्रमुख मानकों पर किया गया। तेलंगाना देश का पहला राज्य बना, जिसने स्टेट साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के तहत समर्पित तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो स्थापित किया है। साइबर धोखाधड़ी के उन मामलों में, जिनमें 5 लाख रुपये या उससे अधिक की राशि शामिल थी, राज्य में 49 ई-जीरो एफआईआर दर्ज की गईं।

शिकायतों के निवारण में तेलंगाना का प्रदर्शन 88 प्रतिशत, जबकि ठगी की रकम पीड़ितों को वापस दिलाने में 81 प्रतिशत रहा। अवैध ऑनलाइन सामग्री हटाने के लिए सहयोग पोर्टल के उपयोग में राज्य ने 88 प्रतिशत प्रदर्शन दर्ज किया। समन्वय पहल के तहत तेलंगाना ने 97 प्रतिशत सीआईएआर अनुरोध और 79 प्रतिशत अंतरराज्यीय अनुरोध पूरे किए। इसके अलावा 5,500 आपराधिक प्रोफाइल अपलोड किए गए और 15,000 अंतरराज्यीय आपराधिक संबंधों की पहचान की गई। क्षमता निर्माण के तहत 524 पुलिसकर्मियों को साइ-ट्रेन प्लेटफॉर्म की सुविधा उपलब्ध कराई गई। राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर चिन्हित 15 प्रमुख साइबर अपराध हॉटस्पॉट राज्यों में शामिल नहीं किया गया। साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से 8.5 लाख से अधिक लोगों को जागरूक किया गया, जबकि करीब 2 लाख नागरिकों को विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के प्रति संवेदनशील बनाया गया। डीजीपी सी.वी. आनंद ने कहा कि यह सफलता पूरे साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो की मेहनत, समर्पण और टीम भावना का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि तेलंगाना पुलिस तकनीक आधारित पुलिसिंग, नवाचार, प्रभावी प्रवर्तन और जन-जागरूकता के माध्यम से साइबर अपराध के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर नए मानक स्थापित करती रहेगी।

पारसीगुटा श्री आईमाताजी बडेर स्थित शिवालयम में सावन मास के पावन अवसर पर पूजा-अर्चना में उपस्थित सीरवी समाज महिला मंडल की सुशीला देवड़ा, इन्द्रा आगलेचा, अनिता सोयल, निर्मला देवड़ा, कोषाध्यक्षा नीलु लचेटा, कार्यकारिणी सदस्य, व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

केंद्र का हलफनामा ...

संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 के तहत किसी जाति या जनजाति को सूची में शामिल करने या हटाने का अधिकार सिर्फ संसद के पास है। केंद्र ने यह भी कहा कि याचिका स्थापित कानून की अनदेखी करती है। सरकार ने इंदिरा साहनी (मंडल आयोग) मामले का हवाला देते हुए कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी की पहचान ऐतिहासिक, सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर होती है, सिर्फ आर्थिक स्थिति के आधार पर नहीं।

केंद्र ने कहा कि एससी, एसटी और एसईबीसी के लिए चलाई जा रही अधिकांश कल्याणकारी योजनाओं में पहले से आय सीमा लागू है, ताकि योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। सरकार ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन योजनाओं में बदलाव की जरूरत है और इससे गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) रहने वाले लोगों को कैसे फायदा होगा।

व्हाट्सएप मैलवेयर हमल ...

सहयोग पोर्टल के जरिए मैलवेयर से जुड़े सर्वरों को लगातार ब्लॉक किया जा रहा है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस तरह की घटनाएं दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान समेत कई राज्यों में सामने आई हैं। आई4सी ने इससे पहले 22 जून को भी एक एडवाइजरी जारी कर लोगों को ऐसे साइबर हमलों के प्रति सतर्क किया था, जिनमें सरकारी या नियामक अधिकारियों का रूप धारण कर व्हाट्सऐप अकाउंट पर कब्जा करने की कोशिश की जाती है।

मंत्रालय ने बताया कि साइबर अपराधी आमतौर पर व्हाट्सऐप, एसएमएस या ई-मेल के माध्यम से स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट.जिप, आरबीआई.जिप या एमसीए.जिप जैसे नामों वाली संपीड़ित (.जिप) फाइलें भेजते हैं। कई मामलों में फाइलों के नाम के आगे तारीख भी लिखी होती है, ताकि वे अधिक विश्वसनीय दिखाई दें। ये संदेश इस तरह तैयार किए जाते हैं कि वे किसी बैंक खाते के विवरण, वित्तीय दस्तावेज या किसी नियामक संस्था की तत्काल सूचना जैसे प्रतीत हों। इससे लोग बिना सोचे-समझे फाइल खोल लेते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड की हैट्रिक, रचा इतिहास

मीराबाई चानू : बचपन में उठाए लकड़ियों के गट्ठर, ट्रक ड्राइवरों से लेनी पड़ी लिफ्ट

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कहते हैं कि जिंदगी का दूसरा नाम ही संघर्ष है। भारत के महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू शायद इस बात को बखूबी जानती और मानती भी हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में तीन गोल्ड मेडल जीतने वाली दुनिया की इकलौती वेटलिफ्टर मीराबाई के लिए जिंदगी कभी आसान नहीं रही, हालांकि उन्होंने हर कदम और हर मोड़ पर संघर्ष का दामन थामे रखा और हर विपरीत परिस्थिति से निकलकर विश्वभर में अपने खेल के दम पर अलग पहचान बनाई। मीराबाई चानू का जन्म 8 अगस्त, 1994 को मणिपुर के इंफाल के पास स्थित नोंगपोक काकचिंग में हुआ।

मीराबाई एक साधारण परिवार से आती थीं, तो आर्थिक तंगी और शुरुआती जीवन संघर्ष से भरा रहा, हालांकि भारतीय महिला वेटलिफ्टर के अंदर बचपन से ही असाधारण शारीरिक क्षमता थी। वह लकड़ियों के भारी गट्ठर उठाया करती थीं। वह इन गट्ठर को उठाकर पहाड़ियों पर भी चढ़ा करती थीं। मीराबाई के परिवार का किसी भी खेल से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं था, हालांकि बेटी की क्षमता को देखते हुए माता-पिता ने हमेशा मीराबाई को सपोर्ट किया। मीराबाई की दिलचस्पी पहले तीरंदाजी में थी, लेकिन इंफाल के भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में वेटलिफ्टिंग की ट्रेनिंग को देखकर इस खेल के प्रति मीराबाई की दिलचस्पी बढ़ी। उन्होंने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने की ठान ली। घरेलू प्रतियोगिताओं में मीराबाई की प्रतिभा का हर कोई कायल हो गया। मीराबाई ने साल 2008 में मणिपुर स्पोर्ट्स अकादमी में अपनी ट्रेनिंग शुरू की। घर की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण उन्हें अकादमी तक पहुंचने के लिए रास्ते में बालू और पत्थर लेकर जाने वाले ट्रक ड्राइवरों से लिफ्ट मांगनी पड़ती थी।

नेशनल गेम्स में शानदार प्रदर्शन करने के बाद मीराबाई चानू ने साल 2014 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना डेब्यू किया। मीराबाई का डेब्यू शानदार रहा और उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल अपने नाम किया, हालांकि यह उनके शानदार करियर की महज शुरुआत मात्र थी। साल 2017 में विश्व वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में मीराबाई गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहीं।

वह दो दशकों में यह गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय वेटलिफ्टर बनीं। इसके बाद साल 2018 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में मीराबाई का दमदार प्रदर्शन देखने को मिला और उन्होंने गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं, 2021 में टोक्यो ओलंपिक में भी भारतीय महिला वेटलिफ्टर का जलवा देखने को मिला और उन्होंने 49 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। वह ओलंपिक में सिल्वर जीतने वाली पहली भारतीय वेटलिफ्टर बनीं। 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में मीराबाई चानू अपना दबदबा कायम रखने में सफल रहीं और उन्होंने लगातार दूसरे कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

आर प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास, खिताब किया अपने नाम

> इनाम में मिले 40 लाख से ज्यादा रुपये > मैच बेहद रोमांचक रहा

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शतरंज के युवा सितारे आर प्रज्ञानंद ने अपनी बादशाहत कायम रखते हुए ग्रैंड चेस टूर सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है।

20 वर्षीय भारतीय ग्रैंडमास्टर ने अंतिम राउंड से एक दौर पहले ही इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। इस शानदार जीत के साथ प्रज्ञानंद ने दुनियाभर में एक बार फिर भारत का परचम लहराया है। पांच दिनों तक चले इस रोमांचक टूर्नामेंट में प्रज्ञानंद शुरुआत से ही बढ़त बनाए हुए थे। टूर्नामेंट के पेनल्टीमेट दौर में उन्होंने उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेली, जिससे उनके खिताब पर मुहर लग गई। सिंदारोव ने पूरे टूर्नामेंट में प्रज्ञानंद को कड़ी चुनौती दी और दूसरा स्थान हासिल किया लेकिन वे भारतीय खिलाड़ी से 1.5 अंक पीछे रह गए। खिताबी जीत के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रज्ञानंद ने कहा, 'जब आप अंतिम स्कोरकार्ड देखते हैं तो सब कुछ आसान लगता है लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं था। यह मुकाबला बेहद चुनौतीपूर्ण और रोमांचक था। जावोखिर की तारीफ करनी होगी, उन्होंने आखिरी समय तक शानदार खेल दिखाया और संघर्ष बनाए रखा।'

इस ऐतिहासिक जीत के साथ प्रज्ञानंद को 50,000 डॉलर (लगभग 41 लाख से अधिक रुपये) का नकद पुरस्कार और 13 जीसीटी अंक मिले। इन अंकों की बदौलत वे साल 2026 की ओवरऑल ग्रैंड चेस टूर रैंकिंग में सीधे दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जहां अमेरिका के फैबियानो कारुआना टॉप पर हैं। सेंट लुइस में मिली इस बड़ी सफलता के बाद अब सभी की नजरें सिंकफील्ड कप पर टिकी हैं जो 10 अगस्त से शुरू होने जा रहा है।

मोहम्मद अशफाक ने नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर बनाई फाइनल में जगह

यूजीन, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के मोहम्मद अशफाक ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-20 का नेशनल रिकॉर्ड भी ध्वस्त किया।

19 साल के अशफाक ने हीट 5 में 45.81 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में हुई अंडर 20 फेडरेशन कप में बनाए अपने ही 46.05 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा। सेमीफाइनल हीट 3 में, अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। अशफाक के साथी खिलाड़ी पीयूष राज हीट 6 में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल राउंड में जगह बनाने से चूक गए। पुरुषों की हाई जंप में, बसंत ने 2.14 मीटर की जंप के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया और क्वालिफिकेशन ग्रुप ए में पांचवें स्थान पर रहे।

के. अम्ब्रीश 2.05 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ जंप के साथ क्वालिफिकेशन ग्रुप बी में 12वें स्थान पर रहे और क्वालिफाई नहीं कर पाए। गौरतलब है कि किसी भी ग्रुप का कोई भी एथलीट 2.21 मीटर का ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क पार नहीं कर पाया। महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में, अंशु फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने 15.24 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो की, जो फाइनल क्वालिफिकेशन कटऑफ से 21 सेंटीमीटर कम थी। इस तरह वह ग्रुप ए में 9वें और क्वालिफिकेशन राउंड में कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहीं।

शुभमन गिल चोट के चलते बाहर

टीम इंडिया का कप्तान अचानक बदला, प्रैक्टिस मैच से पहले आई बुरी खबर

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कोलंबो में अभ्यास सत्र के दौरान दो बार चोटिल हुए भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की स्थिति को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का आधिकारिक बयान सामने आ गया है। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि गुरुवार को प्रैक्टिस के दौरान गिल की दाईं रिंग फिंगर में चोट लग गई थी। इस मेडिकल अपडेट के सामने आने के बाद श्रीलंका दौरे की शुरुआत से ठीक पहले भारतीय फैंस की चिंता थोड़ी बढ़ गई है।

प्रैक्टिस मैच से शुभमन गिल बाहर

बोर्ड द्वारा जारी किए गए अपडेट के अनुसार, एहतियात के तौर पर शुभमन गिल श्रीलंका क्रिकेट एकादश के खिलाफ शुरू हुए तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनके स्वास्थ्य और चोट में सुधार पर लगातार नजर बनाए हुए है। हालांकि, यह कदम केवल खिलाड़ी की सुरक्षा और आगामी टेस्ट सीरीज को ध्यान में रखते हुए एक सावधानी के तौर पर उठाया गया है।

केएल राहुल को बनाया कप्तान

शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को अभ्यास मैच के लिए भारतीय टीम की कप्तानी की कमान सौंपी गई है। राहुल टॉस और मैदान पर रणनीति की अगुवाई करेंगे। कोलंबो के इस वॉर्म-अप मुकाबले का मुख्य उद्देश्य 15 अगस्त से गॉल में शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों और स्पिन-फ्रेंडली पिचों में ढलने का मौका देना है।

शानदार फॉर्म में हैं शुभमन गिल

भारतीय टीम मैनेजमेंट की पूरी कोशिश है कि गॉल में खेले जाने वाले ऐतिहासिक 600वें टेस्ट मैच से पहले गिल पूरी तरह से फिट हो जाएं। हालिया टेस्ट क्रिकेट में पिछले 10 मैचों में 6 शतकों और 1109 रनों के दम पर जबर्दस्त फॉर्म में चल रहे गिल का फिट होना टीम इंडिया की सीरीज जीत की उम्मीदों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

एआईएफएफ के फैसले से नाराज रंजीत बजाज

भारतीय अंडर-15 टीम मैनेजर का पद ठुकराया

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल में एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। मिनर्वा अकादमी के मालिक और भारतीय फुटबॉल में जमीनी स्तर पर खेल के विकास की जोरदार वकालत करने वाले रंजीत बजाज ने भारत की अंडर-15 फुटबॉल टीम के मैनेजर का पद ठुकरा दिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने उन्हें इस पद पर नियुक्त किया था, लेकिन नियुक्ति के कुछ ही घंटे बाद बजाज ने सोशल मीडिया के जरिए अपना फैसला सार्वजनिक कर दिया। एआईएफएफ ने बजाज को अंडर-15 टीम का मैनेजर नियुक्त किया था, जबकि बिबियानो फर्नांडिस को टीम के मुख्य कोच के पद पर बरकरार रखा गया।

मोहम्मद सालाह दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर टीम से जुड़े

> लिवरपूल से छूटा था नौ साल का साथ

इस्तांबुल, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह 'लिवरपूल' छोड़ने के बाद दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर 'ट्रैबजोनस्पोर' से जुड़ गए हैं। सालाह ने लिवरपूल के साथ शानदार नौ साल बिताए थे, जिसके बाद उन्होंने तुर्किये सुपर लीग क्लब के साथ 'फ्री ट्रांसफर' के जरिए जुड़ने का फैसला किया है। यह कदम सालाह और लिवरपूल के बीच आपसी सहमति से कॉन्ट्रैक्ट को एक साल पहले खत्म करने के फैसले के बाद उठाया गया है, जिससे 2025-26 सीजन के बाद एनफील्ड में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। सालाह के जाने से लिवरपूल के आधुनिक इतिहास के सबसे सफल अध्यायों में से एक का समापन हुआ है। सालाह साल 2017 की गर्मियों में इटैलियन क्लब एएस रोमा से यहां आए थे, जिसके बाद इस मिस्र के खिलाड़ी ने क्लब के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाते हुए लिवरपूल की घरेलू और यूरोपीय सफलता में अहम भूमिका निभाई। एनफील्ड में सालाह ने लिवरपूल को दो प्रीमियर लीग खिताब, यूईएफए चैंपियंस लीग, फीफा क्लब वर्ल्ड कप, यूईएफए सुपर कप, एफए कप, दो लीग कप और एफए कम्युनिटी शील्ड जीतने में मदद की। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने मर्सीसाइड क्लब के लिए 435 मुकाबलों में 255 गोल दागे और लिवरपूल की अब तक की सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चार बार प्रीमियर लीग 'गोल्डन बूट' भी जीता। लिवरपूल में सालाह का आखिरी सीजन चुनौतीपूर्ण रहा; उन्हें नियमित रूप से खेलने का समय नहीं मिल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तत्कालीन हेड कोच अर्ने स्लॉट के साथ सालाह के संबंध खराब हो गए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को समय से पहले खत्म करने पर सहमति जताई।

विनिसियस जूनियर ने रियल मैड्रिड के साथ बढ़ाया कॉन्ट्रैक्ट

> जून 2032 तक क्लब के लिए खेलेंगे

मैड्रिड, 7 अगस्त (एजेंसियां)। स्टार खिलाड़ी विनिसियस जूनियर ने रियल मैड्रिड फुटबॉल क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने का फैसला किया है। वह अब जून 2032 तक क्लब के लिए खेलते नजर आएंगे।

फुटबॉल क्लब ने एक बयान में कहा, रियल मैड्रिड और विनिसियस जूनियर कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं, जो उन्हें 30 जून 2032 तक क्लब से जोड़े रखेगा। इस कॉन्ट्रैक्ट के बढ़ने से विनिसियस के भविष्य को लेकर महीनों से चल रही अटकलें खत्म हो गईं। स्पेनिश मीडिया ने 26 वर्षीय खिलाड़ी के मैड्रिड छोड़ने की संभावना जताई थी और प्रीमियर लीग चैंपियन आर्सेनल की उनमें दिलचस्पी की खबरें भी आई थीं। उम्मीद है कि नए सीजन की तैयारी के दौरान विनिसियस, किलियन एम्बाप्पे, बर्नार्डो सिल्वा और डियोमांडे के साथ मैड्रिड के अटैक का अहम हिस्सा बने रहेंगे, हालांकि मजबूत फॉरवर्ड लाइन के कारण ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले एंड्रिक और ब्राहिम डियाज के भविष्य को लेकर अटकलें बढ़ सकती हैं।

ब्राजील के इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने जुलाई 2018 में 18 साल की उम्र में रियल मैड्रिड जॉइन किया था। क्लब की जर्सी पहनकर अपने आठ सीजन में उन्होंने 375 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 128 गोल करने के साथ-साथ 14 खिताब जीते हैं, जिसमें 2 चैंपियंस लीग, 3 क्लब वर्ल्ड कप, 2 यूईएफए सुपर कप, 3 ला लीगा खिताब, 1 कोपा डेल रे और 3 स्पेनिश सुपर कप हैं। रियल मैड्रिड को यह सभी खिताब जिताने में विनिसियस का रोल काफी अहम रहा है। उन्होंने गोल करने के साथ-साथ कई अहम असिस्ट भी किए हैं। पिछले दो चैंपियंस लीग के फाइनल में भी विनिसियस ने गोल किया था। रियल मैड्रिड के साथ इस दौरान विनिसियस ने 'द बेस्ट फीफा मेंस प्लेयर अवॉर्ड 2024' जीता, उन्हें इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2024 का 'गोल्डन बॉल', चैंपियंस लीग 2023-2024 का 'बेस्ट प्लेयर', क्लब वर्ल्ड कप 2022 का 'गोल्डन बॉल' और चैंपियंस लीग 2021-2022 का 'बेस्ट यंग प्लेयर' चुना गया।

इसके अलावा उन्हें फीफा वर्ल्ड इलेवन (2024) में, दो बार फीफा एफआईएफप्रो वर्ल्ड इलेवन (2023 और 2024) में और तीन बार चैंपियंस लीग टीम ऑफ द सीजन (2021-2022, 2022-2023 और 2023-2024) में शामिल किया गया।

एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के लिए भारतीय पुरुष टीम का ऐलान, अनमोल एक्का बने कप्तान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के लिए भारतीय पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। चीन के मोकी में 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए 18 खिलाड़ियों का चुनाव किया गया है, जबकि दो वैकल्पिक प्लेयर्स को भी टीम में रखा गया है। टीम की कमान अनमोल एक्का के हाथों में सौंपी गई है। डिफेंडर अनमोल एक्का की कप्तानी वाली यह टीम अभी बेंगलुरु में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) सेंटर में नए कोच फ्रेडरिक सोयेज की देखरेख में ट्रेनिंग कर रही है। टूर्नामेंट की तैयारी के हिस्से के तौर पर टीम ने हाल ही में बेल्जियम का एक शानदार एक्सपोजर दौरा पूरा किया, जहां टीम की भिड़ंत मजबूत इंटरनेशनल टीमों से हुई थी। इस दौरे से खिलाड़ियों को मैच का कीमती अनुभव और अहम सीख मिली, जिससे टीम अपनी प्रगति का आकलन कर सकी, अपने कॉम्बिनेशन को बेहतर बना सकी और एएचएफ जूनियर एशिया कप से पहले अपनी तैयारियों को और मजबूत कर सकी। टीम बेंगलुरु में साई सेंटर पर मलेशियाई अंडर 21 टीम के साथ फ्रेंडली मैच खेलकर और भी ज्यादा प्रतिस्पर्धी अनुभव हासिल कर रही है। टीम के चयन पर बात करते हुए कोच सोयेज ने कहा, हम जूनियर एशिया कप के लिए चुनी गई टीम के संतुलन और गहराई से खुश हैं। खिलाड़ियों ने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है और प्रतिबद्धता, अनुशासन और सुधार की जबरदस्त इच्छाशक्ति दिखाई है।

कैनेडियन ओपन : सबालेंका ने सीधे सेटों में शुआई झांग को दी मात

> पेगुला ने भी बनाई अंतिम 16 में जगह

टोरंटो, 7 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया की नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने चीन की प्लेयर शुआई झांग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराकर कैनेडियन ओपन के अंतिम 16 में जगह बना ली है। इस जीत के साथ सबालेंका का इस सीजन में हार्ड कोर्ट पर रिकॉर्ड 25-1 हो गया है। वह 2016 में सेरेना विलियम्स के बाद एक सीजन में हार्ड कोर्ट पर सबसे कम समय में 25 जीत हासिल करने वाली खिलाड़ी बन गई हैं।

डब्ल्यूटीए टूर पर झांग के खिलाफ उनका रिकॉर्ड अब 5-1 का हो गया है; उन्होंने झांग के खिलाफ अपने पिछले पांचों मैच सीधे सेटों में जीते हैं। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को हार का कोई खास खतरा नहीं दिखा, लेकिन झांग ने उन्हें पूरे मैच के दौरान दबाव में रखा। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, सबालेंका को आखिरी गेम में एक ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने शानदार बचाव किया और लगातार तीन प्वाइंट जीतकर सीधे सेटों में जीत दर्ज की। सबालेंका का अगला मुकाबला 16वीं वरीयता प्राप्त रूसी प्लेयर एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा से होगा। अलेक्जेंड्रोवा के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में उन्हें 5-4 की मामूली बढ़त हासिल है। वहीं, दो बार की चैंपियन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने बारिश के कारण देरी से शुरू हुए मैच में रूसी-उज्बेकिस्तानी टेनिस खिलाड़ी कामिला राखिमोवा को 6-4, 6-0 से हराकर अंतिम 16 का टिकट कटाया। ऑटारियो की राजधानी टोरंटो में पेगुला का यह तीसरे राउंड का मैच चार दिनों में उनका तीसरा मुकाबला था और उन्हें आराम का एकमात्र दिन यात्रा के लिए मिला था। हालांकि, कम तैयारी के बावजूद अमेरिकी खिलाड़ी ने सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान दिया। 32 वर्षीय पेगुला का अगला मुकाबला डायना श्नाइडर से होगा। उन्होंने एक हफ्ते पहले वाशिंगटन ओपन के सेमीफाइनल में श्नाइडर को शिकस्त दी थी।

दूसरी ओर, लनलाना तारारुडी से दूसरे राउंड में वॉकओवर मिलने के बाद, आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को लय में आने में थोड़ा समय लगा, लेकिन उन्होंने निकोला बार्टुनकोवा के खिलाफ 1 घंटे 59 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-0, 6-4 से शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। डबल्स ड्रॉ में, गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और उनकी नई जोड़ीदार एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा को कोको गॉफ और कैटी मैकनेली के खिलाफ पहले राउंड के मैच में हार का सामना करना पड़ा। लेला एनी और बियांका जोली फर्नांडीज को टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड मिली थी, लेकिन वे पहले ही राउंड में एलिस मर्टेंस और डायना श्नाइडर से 6-1, 6-2 से हारकर बाहर हो गईं।

कैच पर कैच छोड़े, नहीं मिला बॉलर्स को कोई विकेट

गौतम गंभीर की सेना श्रीलंका में एक ही सेशन में एक्सपोज हो गई

कोलंबो, 7 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले खेले जा रहे तीन दिवसीय वॉर्मअप मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक और शर्मनाक रहा है। श्रीलंका के खिलाफ पहले दिन गेंदबाजी करते हुए भारतीय अटैक की पोल खुल गई। 36 ओवर का खेल बीत जाने के बावजूद भारतीय गेंदबाज अपने दम पर एक भी सफलता हासिल नहीं कर सके। मेजबान टीम ने 166 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया और भारत को एकमात्र सफलता निशान मदुश्का (66) के रन आउट के रूप में ही मिल सकी।

टीम इंडिया के सभी गेंदबाज फेल

गेंदबाजी आंकड़ों पर नजर डालें तो मोहम्मद सिराज (9 ओवर में 30 रन), प्रसिद्ध कृष्णा (5 ओवर में 27 रन) और गुरनूर ब्रार (4 ओवर में 25 रन) की तेज गेंदबाजी तिकड़ी पूरी तरह बेअसर साबित हुई। वहीं स्पिन विभाग में भी स्थिति कुछ अलग नहीं रही। रविंद्र जडेजा ने 8.1 ओवरों में 40 रन लुटाए, जबकि कुलदीप यादव ने 5 ओवर में 23 रन दिए। मानव सुथार (5 ओवर में 14 रन) थोड़े किफायती जरूर रहे, लेकिन किसी भी भारतीय गेंदबाज के विकेट वाले कॉलम में 1 का आंकड़ा भी दर्ज नहीं हो सका।

फील्डर्स का प्रदर्शन भी रहा खराब

गेंदबाजों की असफलता के साथ-साथ भारतीय फील्डरों ने भी ढचर रवैया अपनाकर टीम की फजीहत कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मैच के दौरान भारत ने एक के बाद एक दो अहम कैच टपकाए। पहला मौका कुलदीप यादव की गेंद पर बना जब 44 रन पर खेल रहे रवींदु रसंथा का कैच कप्तान केएल राहुल ने अपने दाएं हाथ से लपकने की कोशिश की लेकिन गेंद उनके हाथ से निकल गई। इसके कुछ ही देर बाद सिली पॉइंट पर खड़े देवदत्त पडिक्कल ने रसंथा का ही एक और आसान सा कैच छोड़ दिया जिससे भारतीय फील्डिंग का स्तर पूरी तरह उजागर हो गया।

भट्टी ने सैन फ्रांसिस्को में तेलंगाना की निवेश क्षमता पर प्रकाश डाला

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । भारत के महावाणिज्यदूत के. श्रीकर रेड्डी ने सैन फ्रांसिस्को में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लु के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया, जिसमें सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में भारतीय प्रवासी समुदाय के प्रमुख सदस्य और उद्योग, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, पेशेवर सेवाओं, मानव संसाधन और अन्य क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नेता एक साथ आए। सभा का स्वागत करते हुए, महावाणिज्यदूत ने भारतीय प्रवासी भारतीयों और भारत में सरकारों के बीच संबंधों को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने व्यापार और पेशेवर समुदाय से दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने और ऐसी गहरी साझेदारियों की खोज करने का आग्रह किया जो प्रवासी भारतीयों के लिए पारस्परिक लाभ पैदा कर सकें और साथ ही भारत में समावेशी आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दे सकें। सभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने प्रौद्योगिकी, नवाचार, जीवन विज्ञान और वैश्विक सेवाओं के क्षेत्र में भारत के अग्रणी केंद्रों में से एक के रूप में हैदराबाद के उभरने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार उभरते क्षेत्रों में विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा करते हुए इस गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा की जा रही कई प्रमुख पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिनमें मूसी नदी का पुनरुद्धार, व्यापक शहरी विकास कार्यक्रम, बुनियादी ढांचे का विस्तार और यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और कौशल विकास केंद्रों की स्थापना शामिल है, ताकि तेलंगाना के युवाओं को भविष्य में रोजगार के अवसरों के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जा सके। उपमुख्यमंत्री ने उद्यमियों, निवेशकों, प्रौद्योगिकी क्षेत्र के नेताओं, चिकित्सा पेशेवरों और बे एरिया के व्यापार समुदाय के अन्य सदस्यों को निवेश और विस्तार के लिए तेलंगाना को एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में विचार करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने उनसे राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करने, नवोन्मेषी विचारों को उद्यमों में बदलने, गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजित करने और तेलंगाना के व्यापक और समावेशी आर्थिक विकास के दृष्टिकोण में योगदान देने का भी आग्रह किया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रमणियम की मुलाक़ात

राज्य की आय बढ़ाने के उपायों पर मंथन

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से बुधवार को एमसीआरएचआरडी में प्रसिद्ध भारतीय अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रमणियम ने मुलाकात की। बैठक में राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ आबकारी और जीएसटी व्यवस्था में सुधारों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में राज्य के खजाने की आय बढ़ाने के साथ व्यापार को सुगम बनाने (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) के लिए आवश्यक कदमों पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों और विशेषज्ञों ने इस बात पर चर्चा की कि कर एवं आबकारी व्यवस्था में आवश्यक सुधारों के माध्यम से सरकार के राजस्व में वृद्धि की जाए और कारोबारियों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में वित्तीय संसाधनों को मजबूत करने तथा दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करने पर भी विचार किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार के. रामकृष्ण राव, मुख्य सचिव संजय जाजू, वाणिज्यिक कर एवं आबकारी विभाग के सचिव रघुनंदन राव, आबकारी आयुक्त हरि किरण समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क ठेकेदारों को परेशान न करने का निर्देश

मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी के साथ बैठक की

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने खान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे सड़क परियोजनाओं के लिए धातु और अन्य निर्माण सामग्री की खरीद हेतु आवश्यक अनुमतियों को लेकर ठेकेदारों को परेशान न करें। मंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण के लिए रेत, मिट्टी और धातु आवश्यक हैं, और उन्होंने यह भी कहा कि छोटे और वास्तविक ठेकेदारों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करते हुए अवैध खनन में शामिल लोगों को बख्श देना अनुचित है। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने खान और भूविज्ञान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी के साथ शुक्रवार को सचिवालय में एक समीक्षा बैठक की, जिसमें सड़क ठेकेदारों को खनन संबंधी अनुमतियां प्राप्त करने में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की गई। एमएलसी दामोदर रेड्डी, विधायक मेघा रेड्डी, टीजीएमडीसी के प्रबंध निदेशक अनुदीप दुरिशेट्टी, आर एंड बी के मुख्य अभियंता (एचएम रोड्स) बी वी राव और खनन ठेकेदार संघ के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। ठेकेदार संघ के प्रतिनिधियों ने ठेकेदारों द्वारा सामना की जा रही कई समस्याओं को मंत्रियों के ध्यान में लाया। मंत्रियों ने पाया कि सड़क निर्माण कार्य करने वाले छोटे ठेकेदारों पर सामग्री के मूल्य के दस गुना के बराबर जुर्माना लगाना उचित नहीं था। कोमटिरेड्डी ने मंत्री विवेक वेंकटस्वामी से ठेकेदार शीनिवास रेड्डी की आत्महत्या के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। कोमटिरेड्डी ने 5 करोड़ रुपये के मुद्दे पर 54 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने को घोर अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि ठेकेदार अपने समझौतों में निर्धारित शर्तों के अनुसार भुगतान कर रहे थे। उन्होंने कहा, "खान विभाग द्वारा छोटे ठेकेदारों को परेशान करना उचित नहीं है।" आर एंड बी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना भर में उच्च गुणवत्ता वाली, आदर्श सड़कों के विकास के उद्देश्य से हाइब्रिड वार्षिकी मॉडल (एचएम) के तहत सड़क निर्माण कार्य शुरू किया है। हमने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में एचएएम सड़क निर्माण कार्य का भव्य शुभारंभ किया है। हमारा लक्ष्य अगस्त 2028 तक सड़क निर्माण कार्य को पूरा करना है।"

फ़ोन सॉफ़्टवेयर अपडेट के बाद 1 लाख रुपये गंवाए

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स के रहने वाले 27 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने बैंक खाते से 99,018 रुपये गंवा दिए। यह घटना तब हुई जब वह अपने फ़ोन पर इंस्टाग्राम रील्स देख रहा था और सॉफ़्टवेयर अपडेट अपने-आप इंस्टॉल हो गया।

पीड़ित, जो बंजारा हिल्स में ऑरेंज ट्री के पास रहता है, ने पुलिस को बताया कि यह घटना 2 अगस्त की रात को हुई। जब उसने अगली सुबह अपना बैंक खाता चेक किया, तो पाया कि उसकी जानकारी के बिना चार ट्रांज़ैक्शन के ज़रिए कुल 99,018 रुपये ट्रांसफर कर दिए गए थे। उसकी शिकायत के आधार पर, बंजारा हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज किया और संदिग्ध साइबर फ्रॉड की जांच शुरू की।

डॉ. निर्मला एनएएसआई की सदस्य नामित

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । आईसीएआर-एनएआरएम की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बी. निर्मला को कृषि और पादप विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के सम्मान में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई) के सदस्य के रूप में चुना गया है। कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) के 2007 बैच की सदस्य डॉ. निर्मला ने इससे पहले आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने 15 अनुसंधान परियोजनाओं का नेतृत्व किया है और देश के प्रमुख चावल उत्पादक क्षेत्रों में व्यापक क्षेत्र अनुसंधान किया है। उनके अकादमिक और शोध योगदान में पीयर-रिव्यू पत्रिकाओं में प्रकाशित 88 शोध पत्र, 23 तकनीकी लेख, 14 पुस्तकें, 33 पुस्तक अध्याय, सात तकनीकी बुलेटिन और 22 प्रशिक्षण पुस्तिकाएँ शामिल हैं। प्रौद्योगिकी प्रसार कार्यक्रमों की प्रधान अन्वेषक के रूप में, उन्होंने पूरे भारत में 12,468 जमीनी स्तर के प्रदर्शनों का समन्वय किया, जिससे किसानों को उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने और खेती की लागत को कम करने में मदद मिली। डॉ. निर्मला ने 65 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं और 14 स्नातकोत्तर और तीन डॉक्टरेट छात्रों का मार्गदर्शन किया है। उन्हें प्राप्त सम्मानों में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए डॉ. आर.टी. दोषी पुरस्कार, सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और तेलंगाना एकेडमी ऑफ साइंसेज से फेलो/एसोसिएट फेलो की उपाधि शामिल हैं।

पति को मारने की साज़िश के आरोप में पत्नी और उसके प्रेमी पर केस दर्ज

खम्मम, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने एक शादीशुदा महिला और उसके प्रेमी पर महिला के पति को मारने की साज़िश रचने का केस दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, महबूबाबाद ज़िले के डोर्नाकल मंडल के चिलुकोडु गाँव के रहने वाले गाडे राजेश्वर राव, खम्मम ज़िले की एडुलापुरम नगरपालिका के साई प्रभात नगर में रहते हैं और खम्मम के एक प्राइवेट अस्पताल में काम करते हैं।

उन्होंने 2016 में सूर्यपेट ज़िले के मोथे मंडल के राघवापुरम गाँव की रहने वाली युवती से शादी की थी। उनकी दो बेटियाँ हैं। 27 जुलाई को, जब राजेश्वर राव दोपहर के खाने के लिए घर गए, तो उन्होंने कथित तौर पर अपनी पत्नी को किसी दूसरे आदमी के साथ आपत्तिजनक हालत में पाया।

इसके बाद राजेश्वर राव ने 28 जुलाई को चिलुकोडु में बुज़ुर्गों की मौजूदगी में एक पंचायत बुलाने की योजना बनाई। जब वह पंचायत में लाने के लिए चिलुकोडु के पास संकेसा में अपने बड़े भाई गाडे शीनिवास के घर जा रहे थे, तो उन्होंने देखा कि वही आदमी, जो उनकी पत्नी के साथ दिखा था, उनका पीछा कर रहा है।

जब राजेश्वर राव ने उसे पकड़ने की कोशिश की, तो वह आदमी भाग गया। चिलुकोडु पहुँचने पर, उन्होंने अपनी पत्नी का मोबाइल फ़ोन चेक किया और पाया कि उसने अपने प्रेमी, पुरिमेटला सैदुलु को वाट्सअप और इंस्ट्राग्राम पर कई मैसेज भेजे थे, जिनमें उसने अपने पति से छुटकारा पाने के लिए कहा था।

उसने कथित तौर पर सैदुलु (जो कूरियर बॉय का काम करता है) को सलाह दी थी कि वह उसके पति को घर पर न मारे, बल्कि बाहर किसी दुर्घटना में उसे मरवाने के लिए दूसरों को शामिल करे। राजेश्वर राव ने अपनी पत्नी द्वारा अपने प्रेमी को भेजे गए कथित चैट की कॉपी पुलिस को सौंप दी।

पुलिस ने बताया कि डोर्नाकल पुलिस स्टेशन में ज़ीरो एफआईआर दर्ज की गई और मामला खम्मम रूरल पुलिस स्टेशन को ट्रांसफर कर दिया गया।

सरकारी स्कूल में सांप के काटने से छात्र की मौत

नारायणपेट, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार दोपहर यहाँ एकलासपुर के सरकारी स्कूल में सांप के काटने से तीसरी कक्षा के आठ साल के छात्र की मौत हो गई। घटना के समय क्लासरूम में लगभग 15 छात्र मौजूद थे। अपर प्राइमरी गवर्नमेंट स्कूल के छात्र रंजीत को दोपहर करीब 3 बजे सांप ने काट लिया। स्कूल के कर्मचारी उसे तुरंत ज़िला अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

यह अभी तक साफ़ नहीं है कि एक मंज़िला स्कूल बिल्डिंग के क्लासरूम में सांप कैसे घुसा। जहाँ अधिकारियों का दावा है कि रंजीत को क्लासरूम की खिड़की के बाहर हाथ निकालने पर सांप ने काटा, वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि सांप ने उसे क्लासरूम के अंदर ही काटा था।

स्कूल एक छोटी पहाड़ी के पास स्थित है। घटना के बारे में पता चलने पर स्थानीय लोग स्कूल पहुँचे और सांप को मार डाला। उन्होंने स्कूल परिसर में उगी जंगली झाड़ियों के बारे में भी शिकायत की। रंजीत, एकलासपुर के रहने वाले गुंडप्पा और संगीता का दूसरा बेटा था। उसके भाई-बहन भी उसी स्कूल में पाँचवीं और दूसरी कक्षा में पढ़ते हैं।

पूर्व विधायक सी. राममोहन रेड्डी ने अस्पताल का दौरा किया और माता-पिता को सांत्वना दी। उन्होंने परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

बोनालू की शॉपिंग अब डिजिटल हो गई है

भक्त ऑनलाइन बोनम पॉट और पूजा किट ऑर्डर कर रहे हैं

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भीड़-भाड़ वाले सड़क के कोने पर लगने वाले बाज़ारों से लेकर ऑनलाइन बाज़ारों तक, इस त्योहार के मौसम में बोनालू की शॉपिंग का तरीका बदल रहा है। भक्त ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए पारंपरिक बोनम पॉट, पूजा किट और पूजा-पाठ का अन्य सामान ऑर्डर कर रहे हैं। सजे हुए मिट्टी के बर्तन, दोबारा इस्तेमाल होने वाले पीतल और तांबे के बोनम बर्तन, चांदी के पूजा के बर्तन, हल्दी और कुमकुम के डिब्बे, कपूर, अगरबत्ती, तोरण और पूरी पूजा किट अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं और घर तक डिलीवरी की सुविधा भी है।

ऑनलाइन त्योहार की शॉपिंग का ट्रेंड कामकाजी पेशेवरों, महिलाओं और बुज़ुर्ग भक्तों के बीच काफ़ी लोकप्रिय हो गया है, जिन्हें भीड़-भाड़ वाले बाज़ारों में जाए बिना त्योहार का सामान ऑर्डर करना सुविधाजनक लगता है।

विक्रेता कस्टमाइज़्ड बोनम सेट और इस्तेमाल के लिए तैयार त्योहार किट भी पेश कर रहे हैं, जिससे परिवारों के लिए तैयारी करना आसान हो गया है। खुदरा विक्रेताओं ने 1 लीटर से 4 लीटर क्षमता वाले पीतल के बोनम पॉट पेश किए हैं, जिनमें कई तरह के पारंपरिक डिज़ाइन उपलब्ध हैं।

इस बीच, सिकंदराबाद के पॉट मार्केट के कई व्यापारियों ने सोशल मीडिया और ऑनलाइन ऑर्डर के ज़रिए अपनी पहुँच बढ़ाई है और वे पीतल और चांदी के पूजा के बर्तन सीधे ग्राहकों के घरों तक पहुँचा रहे हैं। बोनालू जुलूस में शामिल होने वाली महिलाएँ भी तेज़ी से पारंपरिक सिल्क की साड़ियाँ और त्योहार के लिए एक्सेसरीज़ ऑनलाइन खरीद रही हैं, क्योंकि उन्हें ज़्यादा विकल्प और सही कीमतें मिल रही हैं।

हालाँकि, डिजिटल बदलाव ने पारंपरिक शॉपिंग के आकर्षण को कम नहीं किया है। लाल दरवाज़ा, मोंडा मार्केट और बेगम बाज़ार जैसे बाज़ारों में हज़ारों खरीदार आते हैं, जो देवी को चढ़ाने से पहले अपने बोनम के बर्तनों को खुद चुनना और सजाना पसंद करते हैं।

व्यापारियों का कहना है कि इस सीज़न में ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म और पारंपरिक बाज़ार, दोनों में ही ज़ोरदार कारोबार हो रहा है। इससे पता चलता है कि टेक्नोलॉजी पुरानी परंपराओं की जगह लेने के बजाय उन्हें और बेहतर बना रही है।

हरीश राव ने केंद्र से तेलंगाना के जल हितों की रक्षा करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । पूर्व मंत्री और बीआरएस के उप-संसद नेता टी. हरीश राव ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल को पत्र लिखकर तेलंगाना के वैध जल हितों की रक्षा के लिए आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 की धारा 85 के तहत तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। शुक्रवार को एक विस्तृत ज्ञापन में, हरीश राव ने केंद्रीय मंत्री से गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) को प्रस्तावित 18वीं बैठक के एजेंडे से एजेंडा आइटम संख्या 18.3.1, 18.3.6 और 18.3.11 को वापस लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया, यह कहते हुए कि ये आइटम तेलंगाना में कई प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं को पहले से दी गई वैधानिक स्वीकृतियों को फिर से खोलने और उनकी समीक्षा करने का प्रयास करते हैं। हरीश राव ने कहा कि यह मुद्दा केवल अंतर-राज्यीय विवाद नहीं है, बल्कि भारत सरकार की निर्णय लेने की प्रक्रिया के संस्थागत अधिकार, विश्वसनीयता और कानूनी वैधता से संबंधित है।

150 वार्डों में 11 से 21 अगस्त तक विशेष मानसून स्वच्छता अभियान

डेंगू प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष नजर

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) आगामी मानसून को देखते हुए शहर के सभी 150 वार्डों में 11 से 21 अगस्त तक 10 दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान चलाएगा। अभियान के दौरान पुराने कचरे, मलबे और हरित कचरे की सफाई, नालों की गाद निकालने, गड्ढों की मरम्मत तथा कैच पिट की सफाई समेत नगर नियोजन, कीट नियंत्रण और स्वास्थ्य संबंधी कार्य किए जाएंगे।जीएचएमसी के अनुसार, अभियान को पांच दो-दिवसीय चरणों में संचालित किया जाएगा। प्रत्येक चरण में 30 वार्डों को शामिल किया जाएगा। अभियान के चरण 11-12, 13-14, 16-17, 18-19 तथा 20-21 अगस्त को चलेंगे। प्रतिदिन सुबह 6 बजे से मैदानी स्तर पर सफाई कार्य शुरू होगा। सभी संबंधित फील्ड अधिकारियों को वायरलेस सेट के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।अभियान के तहत सड़कों, नालों, झीलों, फुटपाथों और पार्कों के आसपास चिन्हित पुराने कचरा स्थलों से नगर ठोस कचरा, निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) मलबा तथा हरित कचरा हटाया जाएगा। इसके लिए नगर ठोस कचरे के परिवहन हेतु एचआईएमएसडब्ल्यू प्राइवेट लिमिटेड तथा सीएंडडी कचरे के लिए संबंधित एजेंसियों के वाहन तैनात किए जाएंगे। इंजीनियरिंग विभाग की टीमें भी समानांतर रूप से सड़कों के गड्ढों को भरने, कैच पिट की मरम्मत एवं सफाई, क्षतिग्रस्त कैच पिट के ढक्कन बदलने तथा पुलियों के आसपास जमा गाद और तैरते कचरे को हटाने का कार्य करेंगी। नालों के किनारे लगी चेन-मेश फेंसिंग की भी जांच की जाएगी, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जनस्वास्थ्य के तहत सहायक चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारियों और कीट नियंत्रण विभाग की टीमें सभी वार्डों में लार्वा रोधी अभियान और फॉगिंग चलाएंगी। जिन इलाकों में डेंगू के मामले सामने आए हैं, वहां घर-घर जाकर निरीक्षण और जागरूकता अभियान पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अलावा वर्षा जल संचयन प्रणालियों की स्थापना, गैर-आवासीय भवनों का सर्वेक्षण, पार्कों की सफाई तथा चार-तरफा कचरा पृथक्करण को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। जीएचएमसी के जोनल कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और सभी फील्ड स्तर के अधिकारियों को अभियान की प्रगति की प्रतिदिन दोपहर 3 बजे तक वार्ड और सर्किलवार रिपोर्ट अपडेट करने तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अभियान को प्रभावी ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

अध्ययन दौरे पर तेलंगाना विधानसभा पहुंचे ओडिशा की स्थायी समिति के सदस्य

विधानमंडल की समितियों के गठन और कार्यप्रणाली पर हुआ विचार-विमर्श

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ओडिशा विधानसभा की विभिन्न शाखाओं से संबंधित स्थायी समिति के सदस्यों ने अध्ययन दौरे के तहत शुक्रवार को तेलंगाना राज्य विधान परिषद और विधानसभा का दौरा किया। ओडिशा स्थायी समिति के अध्यक्ष सुधीर रंजन पथाजोशी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल का तेलंगाना विधान परिषद के बैठक कक्ष में स्वागत किया गया। तेलंगाना विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के उपसभापति बांडा प्रकाश, परिषद सचिव डॉ. वी. नरसिंहाचार्य और विधानसभा सचिव रेंडला तिरुपति समेत विधायी अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा स्मृति चिह्न भी भेंट किए गए। इसके बाद आयोजित बैठक में तेलंगाना और ओडिशा विधानसभाओं में विभिन्न समितियों के गठन, उनकी कार्यप्रणाली और जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों राज्यों की विधायी समितियों के कामकाज से जुड़े अनुभवों और प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान भी किया गया।अध्ययन दौरे का उद्देश्य दोनों राज्यों की विधानसभाओं में समितियों के गठन एवं उनके कार्यों की जानकारी हासिल करना और विधायी प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आपसी अनुभव साझा करना रहा।

बोनालू की तैयारी के दौरान एक की मौत, दो घायल

मेडक, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार सुबह नरसापुर शहर में फ़्लेक्सी बैनर लगाते समय एक व्यक्ति की मौत और दो अन्य के घायल होने से बोनालू उत्सव दुखद घटना में बदल गया। इलाके के युवाओं का एक समूह बोनालू उत्सव की तैयारी कर रहा था। वे फ़्लेक्सी बैनर लगाने के लिए लोहे के फ्रेम ले जा रहे थे।

लोहे के फ्रेम को कंधे पर ले जाते समय, वे ऊपर से गुज़र रहे बिजली के तारों के संपर्क में आ गए और उन्हें ज़ोरदार बिजली का झटका लगा। मलपर्थी हर्षवर्धन (19) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान बोडा अखिल और मोहम्मद इरफान के रूप में हुई है। उन्हें इलाज के लिए नरसापुर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। इस दुखद घटना के बाद इलाके में उत्सव रोक दिया गया।

बोनालु उत्सव मनाया गया

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमाजीगुड़ा स्थित रुट्स जूनियर कालेज में स्मृति पदमा जोसेफ के नेतृत्व में बोनालु उत्सव मनाया गया।

प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने बोनम उठा कर माता रानी को समर्पित किया। अवसर पर कालेज की प्राचार्या स्मृति पदमा जोसेफ ने बोनालु उत्सव के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि सन् 1813 की विनाशकारी महामारी से परेशान होने पर उस समय माता रानी से प्रार्थना की गई और जैसे ही महामारी का प्रकोप शून्य हो गया तब सिकंदराबाद स्थित उज्जैनी महाकाली माता के मंदिर की स्थापना की गई। और उस समय से लगातार बोनालु उत्सव हर वर्ष आषाढ में जुलाई और अगस्त माह में मनाया जा रहा है।

बीआरएस नेता बाल्का सुमन ने लोगों की तरफ़ से लड़ने का संकल्प लिया

मंचेरियल, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता बाल्का सुमन ने शुक्रवार को कहा कि वह मुकदमों से नहीं डरेंगे, बल्कि सरकार के खिलाफ लड़ना जारी रखेंगे। क्याथनपल्ली नगर पालिका चुनावों के दौरान उनके खिलाफ दर्ज एक मामले के सिलसिले में कोर्ट में पेश होने के बाद मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि क्याथनपल्ली नगर पालिका चुनावों में लोकतंत्र को बचाने की कोशिश करने के कारण उन्हें झूठे मामलों में फंसाया गया था। उन्होंने कहा कि उन्हें कोयला खनिकों के कल्याण के समर्थन में आवाज़ उठाने और सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करने के लिए जेल भेजा गया था।

'मूसी तरंगालु-सिंहवाहिनी शतकम' का विमोचन

मूसी नदी और बोनालु उत्सव की सांस्कृतिक विरासत को पद्य रूप में किया गया प्रस्तुत

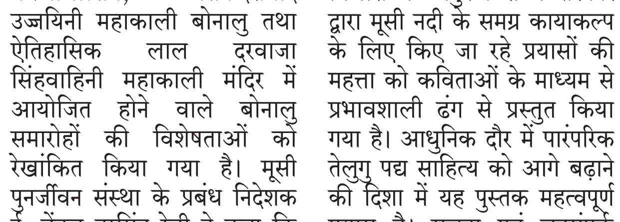

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । मूसी नदी की ऐतिहासिक महत्ता तथा आषाढ़ बोनालु उत्सव की सांस्कृतिक और धार्मिक भव्यता को समेटे पद्य संकलन 'मूसी तरंगालु-सिंहवाहिनी शतकम' का शुक्रवार को विमोचन किया गया। मासाब टैंक स्थित मूसी पुनर्जीवन संस्था के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष आयुक्त मुकुंद रेड्डी तथा मूसी पुनर्जीवन संस्था के प्रबंध निदेशक ई. वेंकट नरसिंह रेड्डी ने पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीएचएमसी के जोनल कमिश्नर सोलिपेट शीनिवास रेड्डी ने की। वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि वरकाला यदागिरी द्वारा रचित इस शतकम में हैदराबाद की संस्कृति, परंपराओं, रीति-रिवाजों और बोनालु पर्व की विशिष्टता का काव्यात्मक वर्णन किया गया है। पुस्तक में गोलकुंडा किले स्थित श्री जगदांबिका मंदिर से शुरू होने वाले बोनालु उत्सव, बल्कमपेट रेणुका एलम्मा कल्याणोत्सव, सिकंदराबाद उज्जयिनी महाकाली बोनालु तथा ऐतिहासिक लाल दरवाजा सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर में आयोजित होने वाले बोनालु समारोहों की विशेषताओं को रेखांकित किया गया है। मूसी पुनर्जीवन संस्था के प्रबंध निदेशक ई. वेंकट नरसिंह रेड्डी ने कहा कि पुस्तक में हैदराबाद के विभिन्न महाकाली मंदिरों में आयोजित होने वाले बोनालु उत्सवों के साथ-साथ कभी शहर की जीवनरेखा रही मुचकुंदा नदी के प्रवाह और उसके ऐतिहासिक महत्व का भी सुंदर वर्णन किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के विचारों के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा मूसी नदी के समग्र कायाकल्प के लिए किए जा रहे प्रयासों की महत्ता को कविताओं के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। आधुनिक दौर में पारंपरिक तेलुगु पद्य साहित्य को आगे बढ़ाने की दिशा में यह पुस्तक महत्वपूर्ण प्रयास है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष आयुक्त मुकुंद रेड्डी ने वरिष्ठ पत्रकार वरकाला यदागिरी को बधाई देते हुए कहा कि उनकी कलम से समाचार और आलेखों के साथ-साथ पद्य साहित्य का सृजन होना सराहनीय है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.